RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 248
नई दिल्ली, बुधवार, 17 जुलाई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

उच्च उपज वाली दलहन, तिलहन विकसित करें

राष्ट्रीय-10

जम्मू-कश्मीर के डोडा में आतंकियों से मुठभेड़ में कैप्टन समेत चार शहीद

मोहित कंडारी। जम्मू

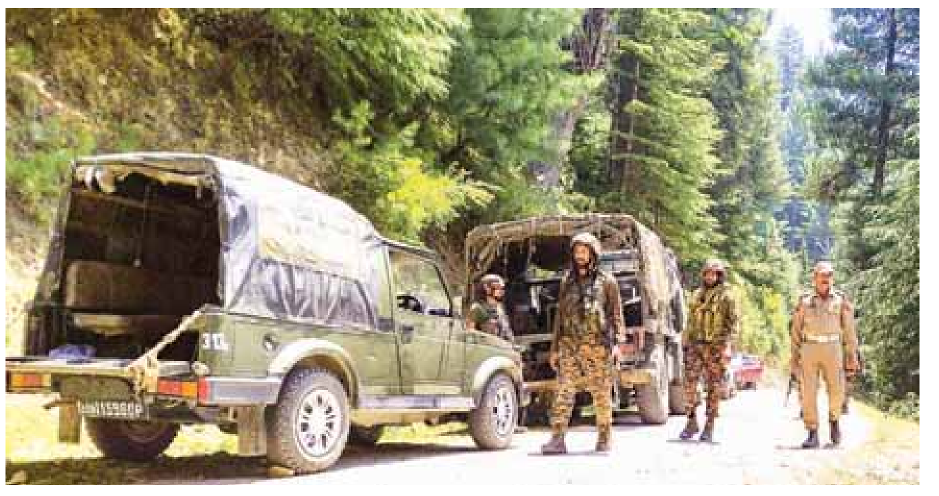

जम्मू-कश्मीर में डोडा जिले के डेसा जंगल में मंगलवार को आतंकवादियों से मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों के जवान।

उधमपुर के बसंतगढ़, अनंतनाग, किश्तवाड़ के केशवान और रामबन के पोगल परिस्तान के साथ सीमा साझा करने वाले डेसा वन क्षेत्र में सोमवार देर रात संदिग्ध विदेशी आतंकवादियों के एक समूह के साथ भीषण गोलीबारी के दौरान तीन अन्य सैनिकों के साथ भारतीय सेना के एक कैप्टन शहीद हो गए। ऐसा संदेह है कि आतंकी जाल बिछाकर सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम को धोखे से गहरे वन क्षेत्र में ले जाया गया, जहां विदेशी आतंकवादियों के एक मजबूत समूह ने उन पर घात लगाकर हमला किया। जैश-ए-मोहम्मद के छद्म संगठन कश्मीर टाइगर्स ने हमले की जिम्मेदारी ली है। यह भीषण हमला 8 जुलाई को कठुआ जिले की बिलावर तहसील के मछेड़ी के बदनोटा गांव के पास सैनिकों पर घात लगाकर किए गए एक और घातक हमले के ठीक बाद हुआ है, जिसमें पांच सैनिक शहीद हो गए थे और पांच अन्य घायल हो गए थे।

हालाँकि, भारतीय सेना ने डोडा से 10 किमी उत्तर में उरारबग्गी के सामान्य क्षेत्र में जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान शुरू किया। रात करीब 8.40 बजे सोमवार को, खोज दल उस क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों के ठिकाने के पता लगा लिया था, जो घने जंगलों और पहाड़ी क्षेत्र है, लेकिन बादलों और बारिश के कारण दृश्यता सीमित थी। शुरुआती गोलाबारी में भारतीय सेना के चार जवान घायल हो गए, जिन्होंने बाद में दम तोड़ दिया। आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए अतिरिक्त सैनिकों और उपकरणों को शामिल किया गया है और ड्रोन और अन्य तकनीकी संसाधनों का उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। जांबाजों की पहचान कर्नल (सेवानिवृत्त) बीके थापा के बेटे कैप्टन ब्रिजेश थापा, नायक डी राजेश, सिपाही बिजेंद्र और सिपाही अजय के रूप में की गई है। इस साल की शुरुआत के बाद से जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी हिंसा की यह सातवीं बड़ी घटना है। विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के हालिया आकलन के अनुसार, 3-4 विदेशी आतंकवादियों के लगभग सात से आठ समूह इस क्षेत्र में सक्रिय हैं और सुरक्षा बलों को चकमा देने के लिए प्राकृतिक गुफा जैसी संरचनाओं के अंदर घने जंगलों में शरण लिए हुए हैं।

जम्मू क्षेत्र में अक्टूबर 2021 से अब तक लगभग एक दर्जन ऑपरेशनों में एलीट पैरा कमांडो और अन्य रैंक के 48 सैनिक शहीद हो चुके हैं। 1 जनवरी, 2024 से, ग्राम रक्षा समूह के सदस्य सहित 12 सैनिकों ने कर्तव्य की पंक्ति में अपने जीवन का बलिदान दिया है। इन ऑपरेशनों में 10 नागरिक और पांच आतंकवादी भी मारे गए। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से बात की, जिन्होंने उन्हें मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के डोडा में जमीनी स्थिति और चल रहे ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उरार बग्गी, डोडा (जम्मू-कश्मीर) में एक आतंकवाद विरोधी अभियान में हमारे बहादुर और साहसी भारतीय सेना के जवानों की मौत से गहरा दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। राष्ट्र हमारे उन सैनिकों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है जिन्होंने कर्तव्य के दौरान अपने जीवन का बलिदान दिया है। सिंह ने कहा कि आतंकवाद विरोधी अभियान जारी हैं और हमारे सैनिक आतंकवाद के संकट को खत्म करने और क्षेत्र में शांति और व्यवस्था बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, सीओएएस और भारतीय सेना के सभी रैंकों ने भी उन बहादुरों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की, जिन्होंने डोडा में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान कर्तव्य की पंक्ति में अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। (शेष पेज 9)

रक्षा मंत्रालय निर्माण में बढ़ रहा है आत्मनिर्भरता की ओर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने और रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) द्वारा आयात को कम करने की गति को बनाए रखते हुए, रक्षा मंत्रालय ने 346 वस्तुओं वाली पांचवीं सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची (पीआईएल) को अधिसूचित किया है। इसका मतलब है कि भारतीय उद्योग इन वस्तुओं का निर्माण करेगा। सूची का विवरण देते हुए, अधिकारियों ने मंगलवार को यहां कहा कि वस्तुओं में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लाइन रिप्लेसमेंट इकाइयां / सिस्टम / उप-प्रणालियां / असेंबली / उप-असेंबली / स्पेयर और घटक और कच्चे माल शामिल हैं, जिनका आयात प्रतिस्थापन मूल्य 1,048 करोड़ रुपये है। आइटम केवल सृजन पोर्टल पर उपलब्ध सूची में बताए अनुसार स्वदेशीकरण की समयसीमा के बाद भारतीय उद्योग से खरीदे जाएंगे।रक्षा मंत्रालय ने 2020 में सृजन पोर्टल लॉन्च किया था। इस पोर्टल पर, डीपीएसयू और सेवा मुख्यालय (एसएचक्यू) स्वदेशीकरण के लिए एमएसएमई और स्टार्ट-अप सहित उद्योगों को रक्षा वस्तुओं की पेशकश करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रमुख प्रयास से रक्षा वस्तुओं के स्वदेशीकरण (शेष पेज 9)

दरभंगा जिले के घनश्यामपुर में मंगलवार को पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या के बाद उनके घर के पास मौजूद सुरक्षा कर्मी तथा स्थानीय निवासी।

बिहार में वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी के पिता की घर पर हत्या

पीएनएस/एजेंसी। नई दिल्ली/पटना

विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की बिहार के दरभंगा जिले में स्थित उनके पैतृक आवास पर मंगलवार को कथित तौर पर चाकू गोद कर हत्या कर दी गई। अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) जितेंद्र सिंह गंगवार ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी (करीब 70) की अज्ञात अपराधियों ने चाकू गोद कर हत्या कर दी है, वारदात के समय घर में उनके अकेले होने की सूचना है। उन्होंने बताया कि हत्या की इस वारदात को संभवत: सोमवार की रात को अंजाम दिया गया, जिसकी जानकारी पुलिस को सुबह छह बजे मिली। उन्होंने बताया कि ऐसी जानकारी है कि जीतन अपने घर में अकेले ही रह रहे थे। (शेष पेज 9)

तमिलनाडु में एनटीके के पदाधिकारी की हत्या

मदुरै (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के मदुरै में मंगलवार को एक अज्ञात गिरोह ने नाम तमिलर काची के एक वरिष्ठ पदाधिकारी की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पदाधिकारी बालसुब्रमण्यन सुबह टहल रहे थे तभी गिरोह ने उनका पीछा किया और उनकी हत्या कर दी। तमिल राष्ट्रवादी पार्टी (शेष पेज 9)

पेपर लीकः एनटीए के ट्रंक से प्रश्नपत्र चुराने वाले दो आरोपी सीबीआई की गिरफ्त में

पीटीआई। नई दिल्ली

सीबीआई ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) पर्चा लीक मामले में एक प्रमुख आरोपी सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने झारखंड के हजारीबाग में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के ट्रंक से कथित तौर पर प्रश्नपत्र चुराया था। उन्होंने बताया कि इन दो गिरफ्तारियों के साथ ही मेडिकल प्रवेश परीक्षा में लीक, प्रतिरूपण और अन्य अनियमितताओं से संबंधित मामलों में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या अब 14 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जमशेदपुर के 2017 बैच के सिविल इंजीनियर पंकज कुमार उर्फ आदित्य को गिरफ्तार किया है, जिसने हजारीबाग में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के ट्रंक से नीट-यूजी का प्रश्नपत्र कथित तौर पर चुराया था। उन्होंने बताया कि बोकारो के रहने वाले कुमार को पटना से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने राजू सिंह नाम के एक अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है जिसने कथित तौर पर कुमार को प्रश्नपत्र चुराने में मदद की थी। उन्होंने बताया कि सिंह को हजारीबाग से गिरफ्तार किया गया। मेडिकल प्रवेश परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही एजेंसी ने छह प्राथमिकी दर्ज की हैं। बिहार में दर्ज प्राथमिकी प्रश्नपत्र लीक होने से संबंधित है, जबकि गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र में दर्ज शेष प्राथमिकी अभ्यर्थियों के स्थान पर परीक्षा देने और धोखाधड़ी से संबंधित हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के संदर्भ पर एजेंसी (शेष पेज 9)

सरकार ने संसद के मानसून सत्र से पहले बुलाई सर्वदलीय बैठक

● तृणमूल कांग्रेस नही होगी शामिल, सत्र में एनडीए सरकार पूर्ण वार्षिक बजट पेश करेगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में मंगलवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हलवा समारोह के साथ बजट के अंतिम चरण की शुरुआत को चिन्हित किया।

केंद्र ने अगले सोमवार से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र से पहले 21 जुलाई को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है, जिसके दौरान नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल का पूर्ण वार्षिक बजट पेश किया जाएगा। केंद्रीय बजट 2024 के लिए बजट तैयारी प्रक्रिया के अंतिम चरण को चिह्नित करने वाला पारंपरिक 'हलवा समारोह' मंगलवार को नॉर्थ ब्लॉक में सीतारमण की उपस्थिति में आयोजित किया गया था। मंगलवार को आयोजित पारंपरिक हलवा समारोह, केंद्रीय बजट के संकलन के अंतिम चरण का भी प्रतीक है जिसकी शुरुआत वित्त मंत्री द्वारा कढ़ाई में हलवे को हिलाने और फिर कार्यालय में मंत्रालय के सहयोगियों को परोसने से होती है। हलवा समारोह हर साल बजट से पहले निभाई जाने वाली एक परंपरा है और यह आगामी वित्तीय वर्ष के लिए योजना तैयार करने के अंतिम चरण का प्रतीक है। संसदीय कार्य मंत्रालय के एक बयान में कहा गया, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू संसद के बजट सत्र से पहले संसद के दोनों सदनों में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। यह सर्वदलीय बैठक 21 जुलाई, 2024 को सुबह 11 बजे संसदीय सौध स्थित मुख्य समिति कक्ष में आयोजित की जाएगी।

सत्र आरंभ होने से पहले सभी दलों के सदन के नेताओं की इस पारंपरिक बैठक में पहली बार नेता प्रतिपक्ष के रूप कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शामिल होंगे। तृणमूल कांग्रेस का कोई भी प्रतिनिधि इस बैठक में शामिल नहीं होगा क्योंकि पार्टी 21 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में मनाती है। तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने रिजिजू को पत्र लिखकर सूचित किया है कि उनकी पार्टी इस बैठक में शामिल नहीं हो पाएगी। उन्होंने कहा, 30 वर्षों से 21 जुलाई को बंगाल में हमारे 13 साथियों के सम्मान में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो 1993 में पुलिस की गोलीबारी में गैरकानूनी रूप से मारे गए थे। उन्होंने कहा, इस परिप्रेक्ष्य में, मेरे सहित अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के सभी सांसद पार्टी के अन्य सहयोगियों के साथ इस दिवस को मनाने के लिए अपने गृह राज्य में होंगे। (शेष पेज 9)

ईवीएम के लिए चुनाव आयोग ने जारी की एसओपी

राजेश कुमार। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कार्रवाई करते हुए चुनाव आयोग (ईसी) ने मंगलवार को उम्मीदवारों के लिए विस्तारित विकल्पों के साथ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की बर्न मेमोरी जांच और सत्यापन के लिए एक तकनीकी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की, जिसमें कहा गया है कि मॉक पोल के नतीजे वीवीपैट पर्चियों से मिलान करता है तो कोई छेड़छाड़ नहीं होती। तकनीकी एसओपी में किसी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के किसी भी मतदान केंद्र से ईवीएम का चयन, किसी भी मतदान केंद्र से ईवीएम इकाइयों (बीयू-सीयू-वीवीपीएटी) का मिश्रण और मिलान, बीयू-सीयू-वीवीपीएटी को किसी भी क्रम में जोड़ना और कास्टिंग का विकल्प शामिल है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशकों को लिखे अपने पत्र में चुनाव आयोग ने कहा कि उम्मीदवारों के पास निर्वाचन क्षेत्र के किसी भी मतदान केंद्र से ईवीएम चुनने का विकल्प होगा और साथ ही किसी भी संयोजन का भी। मतपत्र इकाइयाँ (बीयू), नियंत्रण इकाइयाँ (सीयू), और वीवीपीएटी कुल का 5 प्रतिशत तक। वे यह भी तय कर सकेंगे कि वे बीयू, सीयू और वीवीपैट को किस क्रम में कनेक्ट करना चाहते हैं। जिस क्रम में इकाइयाँ जुड़ी हुई हैं उसका उनके काम करने के तरीके पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। एसओपी के मुताबिक, चेकिंग बीईएल और ईसीआईएल के अधिकृत और प्रशिक्षित इंजीनियरों द्वारा की जाएगी। पूरी प्रक्रिया सीसीटीवी कैमरों के तहत और उम्मीदवारों या उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में की जाएगी।

26 अप्रैल को, सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को आदेश दिया था कि वह किसी विधानसभा क्षेत्र की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (बैलट इकाइयों और नियंत्रण इकाइयों) और मतदाता सत्यापन योग्य पेपर ऑडिट ट्रेल्स की 5 प्रतिशत तक जली हुई मेमोरी या माइक्रोकंट्रोलर की जांच और सत्यापन की सुविधा प्रदान करे या किसी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के विधानसभा क्षेत्र में उस सीट पर दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वाले उम्मीदवारों के लिखित अनुरोध पर। ईसी ने लिखा, एक अनुसंधान प्रयोगशाला या एक सुरक्षित विनिर्माण वातावरण की सीमा के भीतर एक माइक्रोकंट्रोलर में जलाए गए फर्मवेयर की निष्ठा को सत्यापित करने के लिए विभिन्न तकनीकी तरीके हो सकते हैं।

चुनाव निकाय ने कहा कि योग्य उम्मीदवार विधानसभा क्षेत्र या निर्वाचन क्षेत्र के भीतर से मतदान केंद्रों या मशीनों की क्रम संख्या का विकल्प दे सकते हैं, बशर्ते कि उस खंड या सीट में अधिकतम पांच प्रतिशत ईवीएम का उपयोग जांच और सत्यापन प्रक्रिया से गुजरना हो। इससे यह सुनिश्चित होगा कि किसी विशेष मशीन को चुनने या छोड़ने में किसी तीसरे पक्ष या अधिकारियों की भागीदारी के बिना आवेदक की पसंद के अनुसार पूरे निर्वाचन क्षेत्र से ईवीएम उठाई जाएंगी। विधानसभा क्षेत्र के किसी भी मतदान केंद्र से ईवीएम इकाइयों को मिलाने और मिलान करने का विकल्प भी पेश किया गया है। यदि कोई आवेदक उम्मीदवार किसी विशेष मतदान केंद्र की किसी विशिष्ट इकाई - बैलट यूनिट, कंट्रोल एनआईटी या वीवीपीएटी - का चयन करता है, तो वह उस मतदान केंद्र पर उपयोग की जाने वाली उसी सेट की अन्य इकाइयों को चुनने के लिए बाध्य नहीं है। एक ईवीएम के लिए कम से कम एक बैलेट यूनिट, एक कंट्रोल यूनिट और एक वीवीपैट या पेपर ट्रेल मशीन बनती है।

इसके बजाय, आवेदक उम्मीदवार एक सेट बनाने के लिए विधानसभा क्षेत्र या विधानसभा क्षेत्र के अन्य मतदान केंद्रों पर उपयोग की जाने वाली शेष मतदान इकाइयों में से अन्य इकाइयों को मिलाकर अपनी पसंद का मिश्रण और मिलान कर सकता है। मतदान इकाइयाँ वे हैं जिनका उपयोग चुनावों में वोट डालने के लिए किया जाता था। सभी ईवीएम इकाइयां स्व-निदान से गुजरेंगी। जली हुई मेमोरी की निष्ठा सहित कई विद्युत मापदंडों की जाँच की जाएगी और उसके बाद केवल स्व-निदान इकाइयाँ ही आगे की जाँच और सत्यापन के लिए जाएंगी। मिश्रण और मिलान के बाद उम्मीदवारों द्वारा चुनी गई ईवीएम इकाइयों को पहले स्व-निदान से गुजरना होगा और उसके बाद एक-दूसरे का पारस्परिक प्रमाणीकरण किया जाएगा। सफल पारस्परिक प्रमाणीकरण केवल वास्तविक ईवीएम इकाइयों के बीच होता है और कनेक्टेड इकाइयों के स्व-निदान का परिणाम नियंत्रण इकाई पर प्रदर्शित होता है। पारस्परिक प्रमाणीकरण प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि नकली या अनधिकृत इकाइयाँ किसी भी स्तर पर ईसीआई-ईवीएम से न जुड़ें। (शेष पेज 9)

मोदी के 100 दिन एजेंडा को आगे बढ़ाने की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजीव गौबा। फाइल फोटो

सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों के शीर्ष नौकरशाहों को सरकार के पहले 100 दिनों में शुरू की जाने वाली कम से कम एक प्रभावशाली परियोजना की पहचान करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार कार्य बिंदुओं को लागू करने का निर्देश दिया गया है। सभी सचिवों को भेजे पत्र में कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने यह भी कहा कि मंत्रालयों और विभागों को अपनी नीतियों और योजनाओं को तैयार करने और लागू करने में संपूर्ण सरकार का दृष्टिकोण अपनाना होगा और भारत को तीसरा राज्य बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि मोदी ने इस बात पर जोर दिया है कि सभी मंत्रालयों और विभागों को नई सरकार के पहले 100 दिनों के दौरान कम से कम एक प्रभावशाली परियोजना शुरू करने, एक परियोजना शुरू करने और एक योजना या पहल शुरू करने की पहचान करनी चाहिए। पत्र में कहा गया है, मंत्रालयों/विभागों को आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, उनके द्वारा तैयार किए गए 100 दिनों के एजेंडे में कार्रवाई बिंदुओं के कार्यान्वयन के लिए कदम उठाना होगा। सचिवों को बताया गया कि प्रत्येक मंत्रालय और विभाग 15 अगस्त, 2022 को अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा घोषित पंच प्रण (पांच संकल्प) के हिस्से के रूप में कार्यान्वयन के लिए पहल और विचार तैयार करेंगे। पत्र में कहा गया है, प्रत्येक मंत्रालय/विभाग अपनी शिकायत निवारण प्रणालियों को अधिक संवेदनशील, सुलभ और सार्थक बनाने के लिए उनमें गुणात्मक सुधार करेगा। नागरिकों के लिए जीवनयापन में आसानी सरकार के लिए एक उच्च प्राथमिकता है। मंत्रालयों/विभागों को अनुपालन बोझ को कम करने के लिए निरंतर प्रयास करने होंगे। कैबिनेट सचिव ने कहा कि नियमों और विनियमों और प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए सभी मंत्रालयों और विभागों द्वारा एक व्यापक अभ्यास किया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये कानूनों और नीतियों की भावना के अनुरूप हों। उन्होंने कहा कि नए नियम और प्रक्रियाएं बनाते समय भी यह सुनिश्चित किया जा सकता है।उन्होंने कहा कि मंत्रालयों और (शेष पेज 9)

आईएएस पूजा खेडकर की मुश्किलें बढ़ीं

● सरकार ने खेडकर का जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थगित किया

पीएनएस/एजेंसी। मुंबई

सरकार ने मंगलवार को विवादास्पद आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम को स्थगित कर दिया और उन्हें 23 जुलाई तक लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में रिपोर्ट करने को कहा गया है। महाराष्ट्र सरकार के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। खेडकर (34) सिविल सेवा परीक्षा में चुने जाने के लिए कपटपूर्ण तरीके का इस्तेमाल करने के आरोपों का सामना कर रही हैं। उन्होंने खुद को कथित तौर पर शारीरिक रूप से दिव्यांग और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय का बताया था। खेडकर पर पुणे में तैनाती के दौरान विशेषाधिकारों का दुरुपयोग करने का भी आरोप है। अधिकारी ने बताया कि अकादमी ने आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए उन्हें वापस बुलाने का फैसला किया है। महाराष्ट्र के अतिरिक्त मुख्य सचिव नितिन गदरे द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है कि अकादमी ने खेडकर के जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम को स्थगित करने का निर्णय लिया है तथा आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए उन्हें तत्काल वापस बुला लिया है। पत्र में कहा गया, आपको (खेडकर) महाराष्ट्र सरकार के जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम से मुक्त किया जाता है। आपको किसी भी परिस्थिति में 23 जुलाई 2024 (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 17 जुलाई, 2024

कांवड़ यात्राः 22 की रात से वाहनों का रूट होगा डायवर्ट

आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए वाहन पास लेना आवश्यक, दिल्ली से आने वाली बड़ी गाड़ियां प्रतिबंधित

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस कमिश्नरेट ने रूट डायवर्जन प्लान जारी कर दिया। यह जानकारी देते हुए एडिशनल सीपी दिनेश कुमतार पी ने बताया कि 22 जुलाई की अर्द्धरात्रि से शुरू होकर 8 अगस्त की रात 8 बजे तक जारी रहेगा।

इस दौरान आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए वाहन पास लेना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सीमापुरी बॉर्डर, तुलसी निकेतन बॉर्डर व आनंद विहार बार्डर की और से आने वाले वाहनों का गाजियाबाद शहर में प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित होगा। यहां से सभी वाहन चौधरी चरण सिंह मार्ग 56 का से यूपी गेट गाजीपुर होते हुए वाया एनएच-9 से अपने-अपने गंतव्यों की और जायेंगे। दिल्ली की और से आने वाले वो वाहन, जिन्हें हरिद्वार, अमरोहा,

मुरादाबाद व लखनऊ आदि स्थानों की और जाना है, वो गाजीपुर-यूपी गेट बॉर्डर से प्रवेश करके एनएच-9 का प्रयोग करते हुए ड़ासना इंटरसैक्शन से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रैस-वे होते हुए अपने गंतव्यों की और जायेंगे। बागपत की और से आने वाले वाहन ट्रोनिका सिटी-सोनिया विहार से अपने-अपने गंतव्यों की और जायेंगे। बुलंदशहर की और से आने वाले वाहन सीधे गाजियाबाद प्रवेश ना करके वाया एनएच-9 अपने-अपने गंतव्यों की और जायेंगे। हापुड़-बुलंदशहर से आने वाले वाहन लालकुंआ से गाजियाबाद में प्रवेश ना करके एनएच-9 का प्रयेग करते हुए अपने गंतव्यों की और जायेंगे।

लोनी बॉर्डर से लोनी कस्बे की और आने वाले भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। संतोष मेडिकल कट से मेरठ तिराहे की और आने वाले भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा।

गौर ग्रीन, खोड़ा, काला पत्थर, कनावनी पुश्ता व छिजारसी से इंदिरापुरम की और आने वाले भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। गंगनहर-पाईप लाइन कांवड़मार्ग, एनएच-34 पूर्व में 58 व दिल्ली मेरठ एक्सप्रैस-वे पर भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। वसुंधरा फ्लाईओवर से मोहनगर की तरफ आने वाले भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा।

पुलिस ने जारी किये हेल्प लाइन नंबर

गाजियाबाद। पुलिस कमिश्नरेट द्वारा हेल्पलाइन नंबर जारी किये हैं। नगर नियंत्रण कक्ष सीयूजी नंबर-9643208942 व टेलीफोन नंबर-0120-2989100, ग्रामीण नियंत्रण कक्ष 8929436700, टेलीफोन नंबर-0120-2764999, ट्रांस हिंडन नियंत्रण कक्ष 9643204440, टेलीफोन नंबर-0120-2990100, ट्रैफिक नियंत्रण कक्ष 964332294 व लैंडलाइन नंबर-0120-2986100 जारी किये गये हैं। इसके अलावा यातायात निरीक्षक प्रथम दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे/शहर क्षेत्र 77847097, यातायात निरीक्षक द्वितीय मेरठ रोड/शहर क्षेत्र 8707676770, यातायात निरीक्षक तृतीय मुरादनगर-मोदीनगर क्षेत्र 7398000808, यातायात निरीक्षक चतुर्थ यूपी गेट इंदिरापुरम 8130674912, यातायात निरीक्षक पंचम मोहनगर, तुलसी निकेतन सीमा पुरी क्षेत्र 9219005151 व प्रभारी उपनिरीक्षक यातायात लोनी टीला मोड़ क्षेत्र 9412743743 जारी किये गये हैं।

साथियों के जलील करने पर बैंक की रिलेशनशिप मैनेजर ने की आत्महत्या

- पांच पेज के नोट में लिखा-मरने को मजबूर किया, भाई से कहा, मां-पापा को संभालना

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में बैंक की रिलेशनशिप मैनेजर शिवानी त्यागी ने जहर खाकर जान दे दी। 5 पेज का सुसाइड नोट मिला है, जिसमें शिवानी ने मौत के लिए बैंक के ही तीन कर्मचारियों को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया।

लिखा- टीम मेट बंदरिया और दिमाग से पैदल कहती हैं। ऑफिस में सबके सामने जलील करती हैं। शिकायत पर कोई एक्शन नहीं लिया गया। सुसाइड नोट के आखिरी पन्ने पर शिवानी ने अपने भाई गौरव के लिए लिखा-सबका ख्याल रखना घर में। सबको संभाल लेना। मैं इस दुनिया से जा रही हूं। भाई, तू मम्मी जी, पापा जी और दीदी को संभाल लेना। शिवानी त्यागी (27) गाजियाबाद में नंदग्राम क्षेत्र के घूकना गांव की रहने वाली थी। 12 जुलाई की शाम 4 बजे शिवानी ने घर में जहर खाया। गुरु तेग बहादुर हॉस्पिटल में इलाज के दौरान 13 जुलाई की रात मौत हो गई। सुसाइड नोट और परिवार की तहरीर के आधार पर 14 जुलाई की रात पुलिस ने बैंक सहकर्मी ज्योति चौहान, मोहम्मद अकरम और नजमुश शाकिब आदि के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। मैं शिवानी त्यागी एक्सिस हाउस में जॉब करती हूं। 21 अक्टूबर, 2023 को जॉब जॉइन किया था। मेरी टीम मेट ज्योति चौहान मुझे मेंटली टॉर्चर कर रही है। पांच-छह महीने से सुपरवाइजर मोहम्मद अकरम को सब कुछ पता है। मैंने बहुत बार कंप्लेंट की। कई बार उससे सुपरवाइजर के सामने लड़ाइयां हुईं। कभी बंदरिया, तो कभी दिमाग से पैदल कहती है। हर वक्त मेरा मजाक बनाती है।

सुपरवाइजर भी मजाक में शामिल होते हैं। मेरे हाथ कांपते हैं तो उसका भी मजाक बनाया जाता है। मैंने ऑफिस में सबसे शिकायत की, लेकिन किसी ने नहीं सुनी। ऐसी सजा दी जाए कि ये किसी और की जिंदगी न छीन सकें मैं अगर कोई गलत स्टेप लेती हूं तो उसके जिम्मेदार ज्योति चौहान, गिरजा देवी, मोहम्मद अकरम, नजमुश शाकिब, योगेश कौशिक और गगन बघेल होंगे। अब इतनी डिस्टर्ब हो गई हूं कि मैं यहीं पर अपनी लाइफ स्टॉप कर रही हूं। मुझे इन सभी ने मरने के लिए मजबूर किया। मैं चाहती हूं कि अगर कानून सच्चा है तो इन सबको ऐसी सजा मिले, जिससे दोबारा किसी और की जिंदगी न छीन सकें।

ज्योति और अकरम को उम्र भर जेल में रखना चाहिए। लास्ट पेज में ज्योति ने अपने भाई को खुद के मोबाइल, बैंक खाते के पासवर्ड बताए। एक अन्य बैंक में जमा एक एफडी के बारे में भी बताया। लिखा-सबका ख्याल रखना। सबको संभाल लेना। मैं इस दुनिया से जा रही हूं। भाई तू मम्मी और पापा और दीदी को संभाल लेना। मेरी साइड से बच्चों को बहुत सारा प्यार करना।

अवैध भूजल दोहन पर 6 कंपनियों पर लाखों का जुर्माना

- डीएम का बड़ा एक्शन, जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा (गौतमबुद्धनगर) के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों पर नोएडा में अवैध रूप से भूजल दोहन करने पर मदरसन कंपनी, यूनिएक्सल डेवलपर समेत 6 कंपनियों पर लाखों रूपये का जुर्माना लगाया गया है।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक खत्म हुई। इस बैठक में भूगर्भ जल अधिकारी अंकिता राय ने बताया कि अवैध

जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति की समीक्षा बैठक में अधिकारियों संग डीएम मनीष कुमार।

भूजल दोहन करने पर यूनिएक्सल डेवलपर प्राइवेट लिमिटेड 2/7 सेक्टर 154 नोएडा पर 10 लाख रुपए, बौनट्री अटायर 2/8 सेक्टर 154 नोएडा पर 5 लाख रुपए, जैम विजन टेक लिमिटेड सेक्टर-153 नोएडा पर 05 लाख रुपए, किंग पेस इनफॉरमेशन प्राइवेट लिमिटेड पर 5 लाख रुपए, मदरसन प्राइवेट लिमिटेड पर 5 लाख रुपए तथा पारस एवेन्यू 129 पर निर्जलीकरण का दोषी पाए जाने पर 05 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। बैठक में भूगर्भ जल अधिकारी अंकिता राय ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि विभागीय पोर्टल पर कुल 32 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनके सापेक्ष जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति के द्वारा 18 आवेदनों को स्वीकृत किया जायेगा, 11 आवेदनों को अस्वीकृत किया गया तथा 3 आवेदन जो राज्य प्राधिकरणों को अग्रसारित किया गया है।

जिलाधिकारी ने जनपद में भूजल का अधिकतम संरक्षण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जनपद स्तरीय टास्क फोर्स को निर्देशित किया कि जनपद में अभी तक भूगर्भ जल प्रयोजन के लिए जारी हो चुके अनापत्ति प्रमाण पत्र के सापेक्ष औद्योगिक, इंफ्रास्ट्रक्चर, कमर्शियल तथा सामूहिक उपभोक्ताओं द्वारा भू जल संरक्षण एवं पुनर्भरण के लिए रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का परिसर में निर्माण, तालाबों का जीर्णोद्धार के लिए की जा रही गतिविधियों के संबंध में सभी से रिपोर्ट प्राप्त की जाए।

पुलिस ने दबोचा चोरी करने वाला गैंग

गाजियाबाद। सिहानीगेट थाने के एसएचओ रवेंद्र गौतम की टीम ने एक ऐसे गैंग को धर-दबोचा, जिसने दिल्ली-एनसीआर में ताबड़तोड़ तरीके से चोरी की वारदातों को अंजाम देकर कई जनपदों की पुलिस के लिये सिरदर्द बन चुका था।

मुखबिर की सूचना के बाद पकड़े गये गैंग सरगना मोहर्रम अली एवं उसके सहयोगी सुनार शेख की निशानदेही पर विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुई चोरी की वारदातों से संबंधित जेवरात व अन्य सामान समेत लाखों का माल और स्कूटी बरामद हुई। सूत्रों के अनुसार यह गैंग चोर करने में माहिर है। जबकि सुनार चोरी के माल को पलक झपकते ही ठिकाने लगा देता है।

संक्षिप्त समाचार

सांसद महेश शर्मा को ज्ञापन सौंपते किसान संगठन के पदाधिकारी।

भाकियू ने उठाई एमएसपी व ऋण माफी की मांग

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के प्रतिनिधियों ने गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद तथा लोकसभा हाउसिंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा से उनके कैंप कार्यालय पर मुलाकात की। इस दौरान भाकियू ने किसानों की लंबे समय से चली आ रही एमएसपी के साथ खरीद ऋण माफी एवं बिजली के निजीकरण को निरस्त करने जैसी पुरानी मांगों को उठाया। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) गुट के जिलाध्यक्ष अशोक भाटी के नेतृत्व में संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा से मुलाकात की तथा अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कृषि नीति में बदलाव की आवश्यकता तथा किसानों की आजीविका पर विचार करने के साथ ही काफी लंबे समय से किसानों की चली आ रही एमएसपी के साथ खरीद, व्यापक ऋण माफ एवं बिजली के निजीकरण को निरस्त करने जैसी कई मांगे उठाई गई। सांसद व लोकसभा हाउसिंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा को सौंपे ज्ञापन में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) गुट ने कहा कि किसान अपनी मांगों को लेकर पिछले काफी समय से संघर्ष कर रहे हैं।

गाजियाबाद में लगाए जाएंगे 12.55 लाख पौधे

गाजियाबाद। गाजियाबाद में 20 जुलाई को एक ही दिन में 12,55,315 पौधे रोपे जाएंगे। इस बार वृहद वृक्षारोपण की थीम होगी एक पेड़ मां के नाम। जहां-जहां पौधे रोपे जांएगे, वहां वन विभाग की हरीतिमा एप्लिकेशन के जरिये उनकी जिओ टैगिंग की जाएगी। डीएम इन्द्र विक्रम सिंह ने इस अभियान को लेकर वृक्षारोपण समिति की बैठक मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में ली। डीएम ने कहा कि सभी विभाग पौध उगाने का काम अगले 24 घंटे में पूरा करें। जो विभाग स ?क किनारे पौधारोपण करेंगे, वे उनकी ट्री गार्ड की व्यवस्था भी करें। 20 जुलाई को सभी विभाग अपने-अपने पौधारोपण कार्यक्रमों में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, सम्मानित लोगों, रिटायर लोगों को बुलाएंगे। जोर इस बात पर है कि फलदार, छायाकार और शोभाकार पौधे लगाए जाएं। डीएफओ ईश तिवारी ने कहा- इस वर्ष वृक्षारोपण सत्र में सभी विभागों द्वारा होने वाले पौधारोपण को अपनी मां के नाम समर्पित करना है। अतः सभी विभाग 20 जुलाई को वृहद वृक्षारोपण एक पेड़ मां के नाम थीम के अन्तर्गत करेंगे। बैठक में सीडीओ अभिनव गोपाल, एडीसीपी क्राइम सच्चिदानंद, उप प्रभागीय वनाधिकारी डॉ. सलोनी, नगर निगम से डॉ. अनुज सिंह, डॉ. एसपी पाण्डेय, डीपीआरओ प्रदीप कुमार द्विवेदी, जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

नाबालिगों के वाहन चलाने पर पुलिस एक्शन मोड में

नोएडा। नोएडा शहर में पुलिस नए ट्रैफिक नियम को लेकर सख्ती बरत रही है। इस नए ट्रैफिक नियम में नाबालिगों के वाहन चलाने पर नोएडा पुलिस कड़ी कार्रवाई कर रही है। दरअसल नोएडा पुलिस ने एक अभियान शुरू किया है। जिसमें नाबालिगों के खिलाफ वाहन चलाने पर एक्शन लिया जाएगा। नोएडा पुलिस इस दौरान मंगलवार को दो नाबालिग को ई-रिक्शा चलते हुए पकड़ा। इसके बाद नोएडा पुलिस ने ई-रिक्शा को सीज कर मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आपको बता दें यह पूरा मामला नोएडा के थाना सेक्टर-20 क्षेत्र का है। जहां दो नाबालिग ई-रिक्शा चलाते हुए मिले। इस मामले में पुलिस ने दोनों ई-रिक्शा को सीज कर वाहन स्वामियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि रजनीगंधा चौराहे पर ई-रिक्शा को जांच के लिए रोका गया। जांच में पता चला कि ई-रिक्शा चालक नाबालिग है।

विटेंज कार में बार बनाकर सड़क पर परोसी शराब, लगी वाहनों की कतार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के सेक्टर-73 में शौर्य बैंक्वेट हॉल के सामने एक विंटेज कार में बार बनाकर बारातियों को शराब परोसी गई। डीजे पर डांस करते हुए बाराती विटेंज कार से शराब लेकर मस्ती करते नजर आए। जिसके कारण सड़क पर जाम लग गया।

सूचना पर जब आबकारी विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो संचालक सामान समेटकर भाग गए, वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस लगे हुए भीषण जाम को खुलवाने में भारी मशक्कत करनी पड़ी। नोएडा के सेक्टर-73 में रविवार रात शौर्य बैंक्वेट हॉल के समीप बीच सड़क विटेंज कार में बार बनाकर शराब परोसी गई। इससे लोगों को भीषण जाम का सामना करना पड़ा।

विटेंज कार को एलईडी लाइट से सजाया गया था। डीजे पर डांस करते हुए बाराती विटेंज कार से शराब लेकर मस्ती करते नजर आए। सड़क पर जाम लग गया। सूचना पर जब आबकारी विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो संचालक सामान समेटकर भाग गए।

कार और पिकअप की टक्कर से तीन की मौत

- सभी शादी समारोह से लौट रहे थे, 9 घायल में से 4 की हालत गंभीर

पायनियर समाचा सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में चोगानपुर गोल चक्कर पर चौकी डी पार्क के पास शादी समारोह से साथ लौट रहे दो वाहनों में टक्कर हो गई। सुबह तीन बजे महिंद्रा पिकअप और स्विफ्ट कार की टक्कर से दोनों वाहन में सवार 12 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया।

वहीं अस्पताल में भर्ती 9 लोगों का इलाज जारी है। इनमें से गंभीर रूप से घायल 4 लोगों को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया

है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। पुलिस के मुताबिक सोमवार रात में पिकअप गाड़ी व स्विफ्ट में सवार लोग एक शादी समारोह के बाद देवला गांव से वापस आंटी फार्म कुलेसरा वापस आ रहे रहे थे। पिकअप में लगभग 18 लोग सवार थे। जब दोनों गाड़ियां इकोटेक थर्ड थाना क्षेत्र के चोगानपुर गोल चक्कर के पास पहुंची। तभी दोनों गाड़ियों की आपस में टक्कर हो गई। जोरदार टक्कर की आवाज सुनकर चौकी पर मौजूद पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

वहां काफी लोग घायल पड़े थे। सभी घायलों को किसी तरह अस्पताल पहुंचाया गया। जहां मोफीदुल (32), अब्दुल रफीक (35) और सुलतान अहमद को मृत घोषित कर दिया गया। यह तीनों लोग असम के रहने वाले थे। जबकि नौ लोग घायल हो गए। इनमें से चार को सफदरजंग दिल्ली के लिए रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि दोनों गाड़ी में सवार सभी लोग आपस में परिचित थे। फिलहाल पुलिस ने मृतकों के शव का पंचायतनामा भर उनके शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मृतक और घायलों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है।

नौकरी दिलाने के नाम पर करते थे ठगी, सात गिरफ्तार

- नोएडा-दिल्ली जॉब के नाम से बनाया था यूट्यूब चैनल

पायनिर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा की थाना सेक्टर-49 पुलिस ने नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चार महिलाओं सहित 7 ठगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इन लोगों के कब्जे से 11 मोबाइल, 5 मोहर रिज्यूम फॉर्म, 2 कार और नकदी बरामद की है। यह अब तक हजारों लोगों से ठगी कर चुके हैं। नोएडा के डीसीपी राम बदन सिंह ने बताया आरोपी वसीम अहमद उर्फ कपिल भाटी उर्फ पीयूष भाटी उर्फ वसीम पत्रकार ने पूछताछ में बताया कि वह अपने साथी रोहित चन्देला उर्फ राहुल भाटी और रोहित कुमार के साथ मिलकर पिछले डेढ साल से लोगों को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी

कर रहा है। इनका एक यूट्यूब चैनल नोएडा दिल्ली नौकरी के नाम से है, जिसमें यह नौकरी दिलाने का भ्रामक विज्ञापन डालते हैं। इसको देखकर काफी बेरोजगार विभिन्न राज्यों से नौकरी की तलाश में इनके पास आते हैं। यह उन लोगों से 100 रुपए रजिस्टेशन फीस व 2500 से 3000 रुपए तक फाइल चार्ज-सिक्योरिटी मनी के रूप में लेते हैं। इनका किसी कम्पनी से कोई करार नहीं है। इन लोगों ने कुछ मोहरे फर्जी बनवाई हैं। लेटर पेड भी फर्जी है। यह बेरोजगार युवकों से पैसा लेकर उन्हें फर्जी नियुक्ति पत्र देकर कुछ दिनों में उनके पास नौकरी पर जाने की कॉल आने की बात कहकर भेज देते हँ। नौकरी न मिलने पर दूर से बच्चे इनके पास वापस नहीं आते हैं। जो आकर इनसे अपना पैसा मांगते हैं, उनके खिलाफ यह सोशल मीडिया-ट्विटर पर इनके खिलाफ ही झूठे ट्वीट करके डरा देते हैं, जिससे वह डरकर भाग जाते हैं। डीसीपी ने बताया कि इनके सोशल मिडिया पर इने 4 ट्विटर हैण्डल हैं। इन्हीं से यह बेरोजगार बच्चों व अन्य लोगों के खिलाफ डराने के लिए झूठे ट्विट कर देते हैं। जो रुपया इन्हें इस स्कैम में मिलता है, वह तीनों वसीम अहमद, रोहित कुमार और रोहित चंदेला मिलकर आपस मे बांट लेते हैं। कुछ लड़कियों को इन लोगों ने अपने यहां काम पर रखा था। 10-15 हजार रुपए सैलरी देते थे। इनका काम लोगों को कॉल करना था। उसके बाद इंटरव्यू लेकर सेलेक्ट करना था। इनके आफिस जो भी फर्जी दस्तावेज और ज्वाइनिंग लेटर तैयार होते थे। उन पर यह तीनों लोग बदल बदल कर साइन करते थे।

सब्जी की टोकरियों के नीचे छुपाकर ले जा रहा था गांजा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा की थाना सेक्टर-63 पुलिस ने एक अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। इस गांजा तस्कर के कब्जे से 205 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है। इस गांजे की कीमत करीब 30 लाख रूपये बताई जा रही है। यह लोग उड़ीसा से गांजा लाकर दिल्ली लेकर जा रहे थे।

थाना सेक्टर-63 पुलिस ने एसजीएम कट छिजारसी के पास एक ट्रक से अवैध गांजा बरामद किया गया। इस दौरान एक तस्कर को भी पुलिस ने मौके से गिरफ्तार किया। पुलिस ने कासम दीन नाम के तस्कर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने ट्रक में खुफिया तरीके से छुपा हुआ करीब 205 किलो अवैध गांजा बरामद किया। सेंट्रल नोएडा के एडिशनल डीसीपी हिरदेश कठेरिया ने बताया कि गांजा तस्कर कासम दीन से बरामद गांजे के बारे में पूछताछ की गयी तो उसके द्वारा बताया गया कि मैं इस ट्रक/कंटेनर में गांजे को लेकर उड़ीसा से चला था और पुलिस से बचते-बचाते गांजे को लेकर गाजीपुर, दिल्ली जा रहा था। यह गांजा शक्ति सिहं निवासी बिहार व गा ?ी मालिक तस्लीम निवासी ग्राम किरूरी थाना तावडू जिला नूह मेवात हरियाणा द्वारा उड़ीसा से खरीदकर इस गाडी मे लोड कराकर गाजीपुर पहुंचाने के लिये बताया था।

प्रेशर कुकर से हमला कर पत्नी की हत्या करने वाला 16 साल बाद धरा

- पंजाब में भेष बदलकर रह रहा था

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा की थाना फेस 2 पुलिस ने अपनी पत्नी की हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी पति को 16 साल बाद गिरफ्तार किया है। वह 2018 से लगातार फरार चल रहा था।

पुलिस ने आरोपी को पंजाब के अमृतसर से गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 25000 रुपए का इनाम भी घोषित किया गया था। दरसअल संजय अपनी पत्नी में साथ फेस 2 थाना क्षेत्र में रहता था। उसको अपनी पत्नी पर शक हो गया। उसको लगा कि उसके किसी से अवैध संबंध हैं। इसी बात को लेकर संजय ने 5 दिसम्बर 2008 को अपनी पत्नी के सिर पर पहले प्रेशर कुकर से वार किया और उसको लहूलुहान कर दिया और उसके बाद पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। मृतका के परिजनों की तहरीर के आधार पर इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी की तलाश की गई, लेकिन वह नहीं मिला। इसके बाद उसे पर 25000 का इनाम घोषित कर दिया गया।

हिंडन में डूब रहे युवक की मरीन कमांडो ने बचाई जान

- जवान की बहादुरी का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में एक शख्स ने परिजनों से नाराज होकर आत्महत्या करने के लिए हिंडन नदी में छलांग लगा दी। लोग शोर मचा रहे थे। कुछ मोबाइल से वीडियो बना रहे थे।

इसी बीच देवदूत बनकर पहुंचे नेवी के मरीन कमांडो ने नदी में छलांग लगा दी। कमांडो ने डूब रहे शख्स को बचाकर बाहर निकाल लिया। इस रेस्क्यू का वीडियो सामने आया है। लोग इस बहादुर कमांडो को सेल्यूट कर रहे हैं। मरीन कमांडो बताने वाले शख्स इस युवक को

बाहर लेकर आए और फिर हॉस्पिटल भिजवाया। मरीन कमांडो बताने वाले शख्स इस युवक को बाहर लेकर आए और फिर हॉस्पिटल भिजवाया।

ये पूरा घटनाक्रम 15 जुलाई का बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक युवक हिंडन नदी में डूब रहा था। उसका पिता भी वहीं मौजूद था। उसने शोर मचाया। आसपास लोग इकट्ठा हो गए। कोई रस्सी का प्रबंध करने लगा, कोई कुछ और तरह से बचाव का प्रयास करने लगा। लेकिन नदी में उतरने की कोई हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। इसी बीच एक शख्स सादा कपड़े पहने वहां पहुंचा। उसने बिना सोचे-समझे अपनी शर्ट उतारी। पेंट से मोबाइल निकालकर वहां खड़े शख्स को पकड़ाया और हिंडन नदी में कूद पड़ा। तैरकर वो उस युवक के पास पहुंचा, जो डूबने ही वाला था। उसका हाथ पकड़ा और सुरक्षित बाहर निकालकर ले आया। आसपास के लोग मोबाइल से वीडियो बना रहे थे। उन्होंने इस तैराक से पूछा कि आपको डर नहीं लगा? इस पर उस शख्स का जवाब था- मैं नेवी में मरीन कमांडो हूं। इसके बाद लोगों ने वहां इस जवान के सम्मान में तालियां बजाईं। जवान ने खुद का नाम डीएस नेगी, निवासी इंदिरापुरम गाजियाबाद बताया और पलभर में वो वहां से चले गए। सोशल मीडिया पर मरीन कमांडो की इस बहादुरी का वीडियो अब खूब वायरल हो रहा है।

आश्रम से भैरो रोड टी-प्वाइंट होगा जाम फ्री

- पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने अपग्रेडेशन और सौंदर्यीकरण परियोजना को दी मंजूरी
- 4.5 किमी लंबी सड़क रिंग रोड से लाखों लोग करते हैं आवागमन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में लोगों को सुगम यातायात की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगातार नए फ्लाईओवर का निर्माण, विस्तार, अंडरपास का निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिससे कि व्यस्त मार्गों पर लोगों को आवाजाही में कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ा।

इसी कड़ी में अब रिंग रोड पर आश्रम से भैरो रोड टी-पॉइंट पर लगने वाले जाम से लोगों को निजात मिलेगी। करीब 4.5 किलोमीटर लंबी यह सड़क रिंग रोड का महत्वपूर्ण हिस्सा है यहां से रोजाना लाखों गुजरते हैं। लोक निर्माण विभाग की मंत्री आतिशी ने मंगलवार को आश्रम से भैरो रोड टी-पॉइंट तक की सड़क के अपग्रेडेशन और सुदृढ़ीकरण को मंजूरी दी। साथ ही अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि निर्माण के दौरान यात्रियों को कोई असुविधा न हो और निर्माण में उच्च गुणवत्ता वाली सड़कों के सभी मानकों का पालन किया जाए। परियोजना को मंजूरी देते हुए, आतिशी ने कहा, उनकी सरकार का विजन अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करते हुए शहर में विश्वस्तरीय और सुरक्षित परिवहन नेटवर्क स्थापित करने पर है।

इस दिशा में सरकार रिंग रोड जो यातायात के लाइफ-लाइन की तरह है, शहर के विभिन्न हिस्सों को जोड़ती है और लाखों लोगों को रोजाना आवागमन की सुविधाजनक मुहैया कराती है। इसके तहत रिंग रोड के प्रमुख रोड स्ट्रेच पर आश्रम से भैरो रोड टी-पॉइंट तक के सड़क का अपग्रेडेशन और सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। ये पहल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के विभिन्न क्षेत्रों की समग्र कनेक्टिविटी को बढ़ाते हुए दिल्ली वालों को सड़कों पर चलने के बेहतर अनुभव देने के विजन का हिस्सा है। इस सड़क पर लाखों लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में भारी वाहनों के दबाव के कारण सड़क की ऊपरी सतह पर कई जगह दरारें आ गई हैं। पीडब्ल्यूडी ने विशेष की सहायता से सड़क का निरीक्षण किया है। इसके बाद जल्द से जल्द इसके सुदृढ़ीकरण के निर्देश दिये है।

आतिशी ने कहा, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का लोगों से वादा है कि राजधानी की सड़कों को वैश्विक मानकों की सड़कों में तब्दील करेंगे और उनकी अगुवाई में सड़कों को बेहतर बनाने के लिए सरकार 'मिशन मोड' में काम कर रही है। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश भी दिए कि, सुदृढ़ीकरण के दौरान सेफ्टी-सिक्योरिटी व क्वालिटी के सभी मानकों का प्रतिबद्धता से पालन हो और आवाजाही करने वालों को समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि निर्माण के दौरान यात्रियों को कोई असुविधा न हो और निर्माण में उच्च गुणवत्ता वाली सड़कों के सभी मानकों का पालन किया जाए।

फोटोः रंजन डिमरी

मुनीरका में ट्रक और ट्रेलर की टक्कर से लगा जाम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण पूर्वी दिल्ली में मुनीरका फ्लाईओवर पर मंगलवार को सुबह एक ट्रक और ट्रेलर की टक्कर होने के बाद मार्ग पर यातायात जाम हो गया। दक्षिण पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) रोहित मीना ने बताया कि दुर्घटना में कोई जख्मी नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि हादसे के कारण मार्ग पर यातायात की आवाजाही प्रभावित हुई थी। हालांकि बाद में सुचारू यातायात बहाल कर दिया गया।यातायात पुलिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लोगों को आउटर रिंग रोड पर आईआईटी से दिल्ली छावनी की ओर यातायात जाम को लेकर चेताया। हालांकि पुलिस ने दो घंटे बाद एक और पोस्ट साझा किया जिसमें बताया गया कि दोनों वाहनों को हटा दिया गया है और यातायात की आवाजाही फिर से शुरू कर दी गई है।

एक अन्य पोस्ट में पुलिस ने कहा कि लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे कार्य के कारण आउटर रिंग रोड पर मोदी मिल फ्लाईओवर से नेहरू प्लेस फ्लाईओवर की ओर जाने वाले मार्ग पर यातायात प्रभावित है। लोगों ने भी सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय राजधानी में यातायात की स्थिति को लेकर अपने अनुभव साझा किए।

बिभव कुमार के खिलाफ आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल

स्वाति मालीवाल से मारपीट मामला

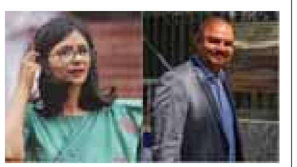

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल के साथ कथित मारपीट के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को 500 पन्नों का आरोप पत्र दाखिल किया है। आरोप पत्र मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट गौरव गोयल की अदालत में दाखिल किया गया है।

उन्होंने कुमार की न्यायिक हिरासत भी 30 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी है। कुमार पर 13 मई को मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास में स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट करने का आरोप है। अदालत में मंगलवार की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने सूचित किया कि करीब 500 पन्नों का आरोप पत्र है और इसमें 50 गवाहों के बयान भी शामिल हैं। अंतिम रिपोर्ट भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दायर की गई है। इनमें धारा 201 (अपराध के साक्ष्य को गायब करना), 308 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास), 341 (गलत तरीके से रोकना), 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग), 354 बी (महिला का वस्त्र हरण करने के इरादे से उसके खिलाफ बल प्रयोग), 506 (आपराधिक धमकी) और 509 (किसी भी शब्द, हाव-भाव या वस्तु का उपयोग करके महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाना) शामिल हैं। सिविल लाइन्स पुलिस थाना में 16 मई को प्राथमिकी दर्ज की गई थी और आरोपी कुमार की गिरफ्तारी 18 मई को हुई थी।

उन्हें उसी दिन मजिस्ट्रेट अदालत ने पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। अदालत ने साथ ही टिप्पणी की कि कुमार की अग्रिम जमानत की अर्जी उनकी गिरफ्तारी के बाद अप्रभावी हो गई है। अदालत ने 24 मई को उन्हें चार दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा और उसके बाद फिर से तीन दिन की हिरासत में भेज दिया। महिला अपर पुलिस उपायुक्त स्तर की अधिकारी के नेतृत्व में टीम पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। गत शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी कुमार को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा कि वह काफी प्रभावशाली हैं।

मनीष सिसोदिया की जमानत पर सीबीआई, ईडी से जवाब तलब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और धन शोधन के मामलों में आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया की जमानत देने का अनुरोध करने वाली याचिकाओं पर मंगलवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय से जवाब मांगा। पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने यह दलील देते हुए जमानत देने का अनुरोध किया है कि वह 16 महीने से हिरासत में हैं और उनके खिलाफ मुकदमा उसी चरण पर है जिस चरण पर पिछले साल अक्टूबर में था। न्यायमूर्ति बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ सिसोदिया की याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए सहमत हो गई। सिसोदिया ने आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार तथा धन शोधन के मामलों में उनकी जमानत याचिकाओं पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करते हुए भी एक याचिका दायर की है।

पीठ में न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन भी शामिल हैं। पीठ ने कहा, नोटिस जारी करिए, 29 जुलाई तक जवाब दीजिए।

जीटीबी में हड़ताल खत्म, ओपीडी बंद होने से भटकते रहे मरीज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- आरडीए को मरीजों की सुरक्षा में सुधार का विशेष स्वास्थ्य सचिव से मिला आश्वासन

जीटीबी अस्पताल में हड़ताल के चलते दिनभर खामियाजा मरीजों को दिनभर उठाना पड़ा। ओपीडी बंद होने से उन्हें बिना इलाज के अस्पताल से लौटना पड़ा। परिजनों का आरोप है कि कई मरीजों को जबरन डिस्चार्ज कर दिया गया।

दिल्ली सरकार के विशेष स्वास्थ्य सचिव दानिश अशरफ व अस्पताल प्रशासन के साथ हुई बैठक में मांगों का आश्वासन मिलने के बाद रेजिडेंट डॉक्टरों व नर्सिंग कर्मचारियों ने हड़ताल खत्म कर दी है। मुरादनगर की रहने वाली बुजुर्ग फातिमा के कूल्हे की हड्डी टूट गई थी। वह जीटीबी की इमरजेंसी में पहुंचे, जहां उन्हें इलाज नहीं मिला। फातिमा के पति मो. जुबैर ने बताया कि एंबुलेंस में उनकी पत्नी दर्द से तड़पती रहीं, लेकिन कोई देखने तक नहीं आया। वहीं, साहिबाबाद के रहने वाले भागवली ने बताया कि दीवार गिरने की वजह से वह घायल हो गए। वह स्ट्रेचर पर दर्द से तड़पते रहे, लेकिन उन्हें भर्ती नहीं किया गया।इस बीच देर शाम डॉक्टरों के संगठन के एक प्रतिनिधि ने बताया कि अस्पताल में कर्मचारियों और मरीजों के लिए सुरक्षा उपायों में सुधार के संबंध में दिल्ली के विशेष स्वास्थ्य सचिव दानिश अशरफ के साथ बैठक हुई। उन्होंने कहा, स्वास्थ्य विभाग ने हमें आश्वासन दिया है कि वह हमारी मांगों पर विचार करेगा।

पीपीएसी पर चर्चा के लिए बुलाया जाय विशेष सत्र : भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल को ज्ञापन सौंपता भाजपा का प्रतिनिधिमंडल।

- भाजपा विधायकों ने विधानसभाध्यक्ष राम निवास को सौंपा पत्र

भाजपा की आम आदमी पार्टी की सरकार से दो मुद्दों पर टकरार है। पहला पावर परचेस एग्रीमेंट चार्ज और दूसरा जलभराव इसके अलावा जतना से जुड़े कई मुद्दे हैं।

मुख्यमंत्री केजरीवाल तिहाड़ जेल में है। तब से लेकर अभी तक सरकार का काम धीमी गति से चल रहा है। इस दौरान न तो कैबिनेट की बैठक हुई है और ना ही विधानसभा का सत्र बुलाया गया है। मंगलवार को भाजपा के विधायक विधानसभा पहुंच जहां उन्होंने विस अध्यक्ष राम निवास गोयल के साथ बैठक की और जल्द विशेष सत्र बुलाने की मांग की। प्रदेश भाजपा द्वारा दिल्ली सरकार और पावर डिस्कॉमों की सांठगांठ से बिजली बिल में उपभोक्ताओं पर लगाये जा रहे अत्याधिक पावर परचेस एग्रीमेंट चार्ज, पेंशन सरचार्ज आदि के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत आज भाजपा विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल से मुलाकात कर इस मुद्दे पर विधानसभा मेंचर्चा की मांग की। भाजपा विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष से विधानसभा का सत्र बुलाकर बिजली एवं पानी की किल्लत एवं बिजली बिलों में लग रहे भारी भरकम पीपीएसी एवं अन्य चार्जों पर चर्चा की मांग की।

भाजपा विधायकों ने कहा है दिल्ली वाले बिजली के बिलों में लग रहे सरचार्जों से परेशान हैं। आज 200 यूनिट से अधिक के बिल वाले साधारण उपभोक्ताओं को आने वाले बिल का आधे से अधिक हिस्सा पीपीएसी आदि सरचार्ज का होता है।

संक्षिप्त समाचार

शाहीन बाग में लगा यूनानी चिकित्सा शिविर

नई दिल्ली। ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस के तत्वाधान में शाहीन बाग में 87 वें मुफ्त यूनानी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन डॉ. मो. मिनहाजउद्दीन अहमद ने किया। शिविर में करीब 500 लोगों ने लाभ अर्जित किया। वहीं शिविर के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता प्रोफेसर मो. इदरीस ने की। प्रोफेसर इदरीस ने कहा कि हमेशा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने की आवश्यकता है, जबकि, ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस राष्ट्रीय मानद महासचिव डॉ. सैयद अहमद खां ने सभी अतिथियों और डॉक्टरों का परिचय करवाते हुए उनकी निःस्वार्थ सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया। शिविर में डॉ. मिर्जा आसिफ बेग, डॉ. अब्दुल्लाह खां रऊफ, डॉ. फैजान अहमद, डॉ. गयासुद्दीन सिद्दीकी, डॉ. फहीम मलिक, डॉ. शकील अहमद, डॉ. उजैर बकाई, डॉ. मो. अली जौहर, हकीम मुर्तजा देहलवी, हकीम आफताब आलम, हकीम उस्मान, हकीम नईम रजा, हकीम मो. जमीस लिमरा, एडवोकेट अशफाक अहमद और ओवेस आदि ने भाग लिया।,

कांग्रेस ने की कृषि भूमि का सर्किल रेट बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली। रानीखेड़ा में मंगलवार को सम्पन्न किसानों की महापंचायत के बाद कांग्रेस ने कृषि भूमि का सर्किल रेट बढ़ाने की मांग की है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ नरेश कुमार ने इस बाबत उपराज्पाल और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी सौंपा। डॉ कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में कृषि भूमि के सर्कल रेट वर्ष 2008 के बाद से नहीं बढ़े हैं। जबकि सर्किल रेट हर 5 साल के बाद बढ़ाने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि कृषि भूमि का सर्किल रेट 53 लाख प्रति एकड़ है, और वहीं जो जमीन यमुना के किनारे स्थित है उसका 17.60 लाख प्रति एकड़ ही है। सर्किल रेट नहीं बढ़ने की वजह से किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। किसानों की जमीन का अधिग्रहण होता है तो उसमें सर्किल रेट का 4 गुना मुआवजा मिलने का प्रावधान है। सर्किल रेट नहीं बढ़ेंगे तो मुआवजा अधिक नहीं मिलेगा।हाल ही में यूईआर 2 रोड में किसानों की जमीन अधिग्रहण हुआ है जिसमें मुआवजा 2 करोड़ 12 लाख रुपए प्रति एकड़ के लगभग हिसाब से मिला। अगर सर्किल रेट अधिक होता तो उसको 15 करोड़ प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा मिलता। दिल्ली के मुकाबले हरियाणा और यूपी में जमीनों का अधिग्रहण रेट अधिक है। दिल्ली सरकार और एलजी कार्यालय के बीच बेहतर संवाद नहीं होने के वजह से सर्किल रेट पर राजनीति हो रही है जिसमें दिल्ली का किसान पीस रहा है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान का उद्घाटन

नई दिल्ली। सम्पूर्ण, रोटरी क्लब के सहयोग से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ माँ के नाम पौधारोपण अभियान का उद्घाटन किया। यह पौधारोपण मुहिम महिलाओं के मुद्दों और पर्यावरण संरक्षण पर सम्पूर्ण के प्रयासों को हाइलाइट करने के लिए आयोजित किया गया था। डॉ. शोभा विजेंदर ने लोगों को पानी के संरक्षण के महत्व पर जोर दिया, क्योंकि वृक्ष प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। अभियान की मुख्य अतिथि सांसद, बांसुरी स्वराज ने लोगों से इस अभियान में भाग लेने का अनुरोध किया। साथ ही सभी से पौधों के विकसित होने तक पोषण करने को कहा। कार्यक्रम में बॉटल ब्रश, नीम, गुलमोहर और कचनार आदि के पौधों को लगाया गया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब के अध्यक्ष उदय पिपलानी, निधि गोयल, अल्का पाहवा, गीतांजलि भसीन और डॉ. किरण अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में आग

नई दिल्ली। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के एक हॉस्टल में मंगलवार को आग लग गई। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। दिल्ली दमकल सेवा के एक अधिकारी ने बताया, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के हॉस्टल में मामूली आग लगने की सूचना सुबह 10 बजकर पांच मिनट पर मिली। घटनास्थल पर दमकल की कुल सात गाड़ियों को भेजा गया। दिल्ली के भूतल पर आग लगी थी जहां बिजली के मीटर लगे हैं। फिलहाल किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

कांग्रेस विस चुनाव अपने दम पर लड़ेगी : देवेंद्र यादव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- कहा, आम आदमी पार्टी से गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था

कांग्रेस ने संगठन की मजबूत करने के लिए हाल ही में कई अहम निर्णय लिए हैं। सभी 280 ब्लॉकों व 14 जिलों में अब मासिक बैठक अनिवार्य होगी। ब्लॉक में हर महीने की दो तारीख जबकि जिले में पांच तारीख को की जाएगी। इससे दोनों स्तरों पर कार्यकर्ता एवं नेता सक्रिय भी रहेंगे।

यह तैयारी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर किए जा रहे हैं। साथ ही लोकसभा में आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाली प्रदेश कांग्रेस अब विधानसभा चुनाव के लिए अपने दम पर तैयारी कर रही है। इसके तहत एक तिहाई सीटों पर खास फोकस और आम आदमी के प्रति आक्रामकता की रणनीति पर भी काम हो रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने मंगलवार को कृष्णा नगर जिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी बैठक में को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में मिलें मत प्रतिशत के बाद और संगठन को अधिक मजबूती देने के लिए आयोजित की जा रही जिला कांग्रेस कमेटियों की कार्यकारिणी बैठकों के बाद लोगों का रुझान कांग्रेस पार्टी की ओर बढ़ा है क्योंकि कांग्रेस ही एक ऐसी राजनीतिक पार्टी है जो न सिर्फ दिल्ली बल्कि देश भर में हमेशा लोगों की आवाज बनकर उनकी समस्याओं, परेशानियों और जरुरतों के समाधान के लिए सड़क से संसद तक उनके हक की लड़ाई लड़ती आ रही है और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के देशहित में किए गए प्रयासों को कोई नकार नहीं सकता। देवन्द्र ने कार्यकर्ताओं को साफ तौर बता दिया है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी से गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव तक था। आने वाले समय में होने वाले सभी चुनावों में कांग्रेस किसी के साथ मिलकर नहीं लड़ेगी।

पश्चिमी दिल्ली में 12 घंटे बाधित रहेगी जलापूर्ति

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रेडिसन ब्ल्यू होटल के पास जलद्वार वाल्व बंद होने के कारण बृहस्पतिवार को दिल्ली के कई हिस्सों में 12 घंटे तक पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी।

दिल्ली जल बोर्ड ने जानकारी देते हुए बताया कि 18 जुलाई को सुबह नौ बजे से रात नौ बजे तक व्यवधान के कारण जीएच-1 मिलनसर अपार्टमेंट, जीएच-1 अर्चना अपार्टमेंट, शुभम एन्क्लेव, डबल ट्विन वाटर टैंक के पास आरबीआई कॉलोनी, जी ब्लॉक पुष्कर एन्क्लेव, स्टेट बैंक नगर आउटर रिंग रोड, मीरा बाग बी- ब्लॉक, जीएच-4 डीडीए फ्लैट्स, मीरा बाग जेजेसी पश्चिम विहार, जीएच-5 और 7 से जीएच-14, सुंदर विहार, अंबिका विहार, भेरा एन्क्लेव, पीरागढ़ी, ज्वालापुरी, मियांवाली नगर, गुरु हरकिशन नगर, सैयद नंगलोई गांव और आसपास के क्षेत्र प्रभावित रहेंगे। रेडिसन ब्ल्यू होटल के पास जलद्वार वाल्व के बंद होने के कारणजलापूर्ति में व्यवधान का सामना करना पड़ेगा।

ओटी मैराथन : आरएमएल में 24 घंटे में 24 प्लास्टिक सर्जरी

- बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग के चिकित्सकों का ऐतिहासिक प्रयास

अजीत तिवारी। नई दिल्ली

राम मनोहर लोहिया अस्पताल में तीन विशेष ओपीडी

बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी के विभागाध्यक्ष डॉ. समीक भट्टाचार्य ने किया कि राम मनोहर लोहिया अस्पताल में प्लास्टिक

सर्जरी की तीन विशेष ओपीडी का भी संचालन किया जा रहा है। इनमें हाथ, चेहरे और कैंसर ऑपरेशन के बाद आई विकृति को ठीक किया जाता है।

राष्ट्रीय राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) के बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने 'वर्ल्ड प्लास्टिक सर्जरी डे' पर 24 घंटे में 24 प्लास्टिक सर्जरी कर ऐतिहासिक पहल कर मील का पत्थर स्थापित किया।

आरएमएल के बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. समीक भट्टाचार्य ने प्रेसवार्ता में बताया कि इस वर्ष वर्ल्ड प्लास्टिक सर्जरी डे को अलग तरह से मनाने का संकल्प एक माह पहले लिया गया। जिसे बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग के 17 और एनेस्थिसिया विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीरजा बनर्जी के नेतृत्व में 13 चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और चिकित्साकर्मियों के अमूल्य योगदान से पूरा किया। प्रो. डॉ. समीक भट्टाचार्य ने बताया कि 'ऑपरेशन थियेटर में श्रमदान ही हमारी कर्मभूमि' की थीम पर कार्यान्वयन के लिए आरएमएल के निदेशक एवं चिकित्सा अधीक्षक अजय शुक्ला के समक्ष प्रस्ताव रखा था, जिसे उनके और उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनोज झा सहयोग और मार्गदर्शन से संभव हो सका।

उन्होंने बताया कि 15 जनवरी को सुबह 9 बजे से 16 जुलाई को 9 बजे तक चले इस 24 घंटे के मैराथन प्लास्टिक सर्जरी अभियान से अस्पताल की क्षमता में बढ़ोतरी होने के साथ ही किसी भी बड़े आपदा की स्थिति में निबटने में सक्षम हो सकेगा।

इस मैराथन प्लास्टिक सर्जरी अभियान में डॉ. शिल्पी ने बड़ा ऑपरेशन कर एक युवक के चेहरे के जन्मजात बड़े से धब्बे को ठीक किया। प्रो. डॉ. मुकेश शर्मा ने एक मरीज के हाथ की तर्जनी को पूरी तरह से ठीक किया जो एक हादसे में बुरी तरह चोटिल हो गई थी और वहां से मांस हट गया था। इसके साथ ही चिकित्सकों की टीम ने हादसे में चोट लगने से हुए जख्म, कटे होंठ और आग से जलने के कारण अंग के खराब होने को पूरी तरह से ठीक किया गया।

डॉ. समीक भट्टाचार्य ने बताया कि इस अभियान की अच्छी बात यह थी कि इसमें उन लोगों को ऑपरेशन किया गया जो बेहद जरूरतमंद और कमजोर आर्थिक स्थिति वाले थे। इस मैराथन प्लास्टिक सर्जरी अभियान के दौरान 20 ऑपरेशन को अलग-अलग टीम ने अलग समय पर किया। इस दौरान इमरजेंसी में आए 4 केस का भी ऑपरेशन किया गया जो एक बड़ी सफलता है।

डॉ. भट्टाचार्य ने इस सफलता के लिए टीम वर्क और सभी के सहयोग का परिणाम बताया। इस अवसर पर न्यूरो सर्जरी विभाग के डॉ. शरद पांडेय, एनेस्थिसिया विभागाध्यक्ष डॉ. नीरजा बनर्जी, अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉ. इंद्रजीत कुंडु, डॉ. आरके मोदी मौजूद थे।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 17 जुलाई, 2024

गुरुग्राम के निजी अस्पताल में विदेशी महिला मरीज से दुष्कर्म

दूसरे देश की 51 वर्षीय महिला ने अस्पताल के अटेंडेंट पर लगाया आरोप

● पीड़िता की बेटी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को किया गया गिरफ्तार

प्रतीकात्मक फोटो।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में एक विदेशी महिला के साथ अस्पताल के अटेंडेंट ने बलात्कार की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने महिला की बेटी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी अटेंडेंट को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार विदेशी महिला को 9 जुलाई को आर्थोस्कोपी सर्जरी के लिए आर्टेमिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस को दी शिकायत में महिला ने कहा है कि उसकी ऑर्थोस्कोपी सर्जरी 13 जुलाई को हुई थी। उसे ओटी से कमरे में भेज दिया गया। वह अपनी बेटी के साथ थी। रविवार की सुबह अस्पताल का एक अटेंडेंट कमरे में आया और उसके साथ बलात्कार किया। बताया जा रहा है कि जिस समय अटेंडेंट ने विदेशी महिला के साथ बलात्कार किया, उस समय वह बेहोश थी। महिला की बेटी अटेंडेंट की इस हरकत को देखा और शोर मचा दिया। लड़की द्वारा शोर मचाने के बाद आरोपी अटेंडेंट कमरे से भाग गया। बीमार विदेशी महिला की बेटी ने इस घटना की सूचना पुलिस को दी। पीड़िता की बेटी की शिकायत के मुताबिक उसकी मां अस्पताल में भर्ती थी। सर्जरी के बाद उस वक्त वह दवाइयों के असर के कारण पूरी तरह से होश में नहीं थीं। उसके कमरे में अटेंडेंट उसकी मां के साथ बलात्कार कर रहा था। जब उसने विरोध किया तो आरोपी वहां से भाग गया। उसने अस्पताल प्रबंधन को सूचित किया। पुलिस को भी बुलाया और पुलिस को अपनी शिकायत दर्ज कराई। महिला की बेटी की शिकायत के बाद एफआईआर दर्ज की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

गुरुग्राम पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि सेक्टर 50 पुलिस स्टेशन में एक एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी की पहचान राजस्थान के तिजारा जिले के खैरथल के मूल निवासी ठाकुर सिंह (24) के रूप में हुई। पुलिस द्वारा आरोपी को अदालत में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

आर्टेमिस अस्पताल के प्रवक्ता असगर अली ने कहा कि अस्पताल हमेशा अपने मरीजों की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। आरोपी कर्मचारी के खिलाफ सभी तरह की जांच में अस्पताल का सहयोग रहेगा। जांच होने तक उस कर्मचारी को अस्थायी तौर पर सेवा से बाहर कर दिया गया है। महिला मरीज को भी अस्पताल से छुट्टी मिल गई है।

पैसे के झगड़े में प्रॉपर्टी डीलर के पैर में मारी गोली, दूसरे की पिटाई

गुरुग्राम। यहां दौलताबाद क्षेत्र में पैसे के लेन-देन को लेकर हुए झगड़े में प्रॉपर्टी डीलर पर गोली दाग दी। गोली उसके पांव में जा लगी। साथ ही दूसरे साथ के साथ मारपीट की गई। गोली चलाकर आरोपी मौके से फरार हो गए। दोनों घायल प्रॉपर्टी डीलर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजेंद्रा पार्क पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसीपी नवीन कुमार के मुताबिक मंगलवार सुबह दौलताबाद इलाके में प्रॉपर्टी डीलर दीपक उर्फ मोगली के कार्यालय में प्रॉपर्टी डीलर राजकुमार सहरावत और उनके दोस्त सचिन गुलाटी किसी से मिलने पहुंचे थे। मोगली के ऑफिस में पैसों के लेनदेन को लेकर एक शख्स से उनका झगड़ा हो गया। इसी दौरान उस व्यक्ति ने उस पर गोली चला दी। गोली उसके पैर में जा लगी। आरोपी ने साथियों के साथ मिलकर सचिन गुलाटी को भी लाठियों से पिटाई की और इसके बाद फरार हो गए।

निगम अधिकारी 7 दिन में समस्याओं का करें समाधान : सुमन भांखड़

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सफाई व्यवस्था को लेकर बैठक लेती संयुक्त आयुक्त सुमन भांखड़।

नगर निगम गुरुग्राम की संयुक्त आयुक्त-3 सुमन भांखड़ ने जोन-3 क्षेत्र की व्यवस्था संभाल रहे अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे क्षेत्र की समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करवाएं, ताकि नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो।

संयुक्त आयुक्त ने ये निर्देश मंगलवार को अपने कार्यालय में सफाई व्यवस्था, विकास कार्य, बागवानी अतिक्रमण तथा टैक्स से संबंधित कार्य संभालने वाले अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों का दौरा करके समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें तथा 7 दिन के भीतर एक्शन टेकन रिपोर्ट उनके कार्यालय में भिजवाएं। कोताही किसी भी सूरत में सहन नहीं की जाएगी तथा कोताही बरतने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में बैठक में संयुक्त आयुक्त ने कहा कि कुछ क्षेत्र या सड़ें जो अधिकृत वेंडिंग जोन नहीं हैं, उसके बावजूद भी वहां पर रेहड़ी-पटरी द्वारा अतिक्रमण किया हुआ है, उस पर कार्रवाई करें। इसके अलावा घर-घर से कचरा एकत्रित करने की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, डिप्लॉयमेंट प्लान के अनुसार सफाई स्टाफ व मशीनरी उपलब्ध करवाने, लंबे समय से लंबित विकास कार्यों को पूरा करवाने, सभी ड्रेनेज की सफाई सुनिश्चित करने, सभी मैनहॉल कवर दुरुस्त करने तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने, चकरपुर, सिकंदरपुर, सेक्टर-55, सेक्टर-45 व झाड़सा में सीवर ओवरफ्लो की समस्या का समाधान करने, पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने, रेनवाटर हारवेस्टिंग को चालू करवाने, सीएम विंडो के माध्यम से प्राप्त अतिक्रमण शिकायतों पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

महिला सफाई कर्मचारियों को पर्सनल हाइजीन के प्रति किया जागरुक

● एक जुलाई से 31 अगस्त तक चलाया जा रहा सफाई अपनाओ-बीमारी भगाओ अभियान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

महिला सफाई कर्मचारियों को पर्सनल हाइजीन की जानकारी देते हुए डॉ. अनीता।

केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना में नगर निगम गुरुग्राम द्वारा 1 जुलाई से 31 अगस्त तक सफाई अपनाओ-बीमारी भगाओ अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों की सफाई सुनिश्चित करने के साथ ही जागरुकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। सह बात नगर निगम गुरुग्राम में कार्यरत सलाहकार डा. अनीता फलसवाल ने कही।

वे मंगलवार को सेक्टर-27 स्थित सामुदायिक केन्द्र में अभियान के तहत महिला सफाई कर्मचारियों के लिए आयोजित कार्यक्रम में बोल रही थी। यह कार्यक्रम नगर निगम गुरुग्राम द्वारा एक प्रयास की ओर सामाजिक संस्था के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में महिला स्वच्छता कर्मियों को सैनेटरी पैड भी वितरित किए गए। महिला स्वच्छता कर्मियों को संबोधित करते हुए डा. फलसवाल ने माहवारी के समय कपड़े के स्थान पर सेनेटरी पैड का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया। एक प्रयास संस्था की संस्थापिका नमृता वर्मा, शीतू सक्सेना व नीति ने उपस्थित महिलाओं से कहा कि पर्सनल हाइजीन खुद को और अन्य लोगों को बीमारियों से बचाने का सबसे प्रभावी तरीका है। इसमें सिर्फ हाथ धोना ही नहीं, बल्कि पूरे शरीर की साफ-सफाई जरूरी है। महिलाओं के लिए अपनी पर्सनल हाइजीन का ध्यान रखना जरूरी है।

हाइजीन का ध्यान न रखना कई समस्याओं का कारण बन सकता है। हर जगह बैक्टीरिया और अन्य कीटाणु होते हैं, जो इंफेक्शन और कई रोगों का मुख्य कारण हैं।

भानू और गरिमा गर्ग ने किया फरीदाबाद का नाम

फरीदाबाद। सीए परीक्षा में देशभर में 32वां व फरीदाबाद जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सेक्टर-7 ई निवासी भानु गर्ग तथा सीएमए की परीक्षा में ऑल इंडिया रैंकिंग में 9वां एवं फरीदाबाद में चौथा स्थान प्राप्त करने वाली उनकी बहन गरिमा गर्ग को फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी लखन कुमार सिंगला नेबधाई दी। सिंगला ने भानु गर्ग व गरिमा को फूलों का बुक्का भेंट कर उज्जवल भविष्य की कामना की।

'सोहना-तावडू के गांवों को बनाएंगे हाईटेक'

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

ताऊ म्हारा एक ही उद्देश्य सोहना-तावडू विधानसभा क्षेत्र के सभी गांवों को शहरी तर्ज पर हाईटेक सुविधाएं उपलब्ध करवाना। जिसके लिए मैं संकल्पित हूं।

घर-घर जाकर लोगों की समस्याएं पता करके ज्यादा से ज्यादा समस्याओं का निदान करने का कार्य कर रहा हूं। यह बात सोहना-तावडू विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के भावी उम्मीदवार कल्याण सिंह चौहान ने कही। वे मंगलवार को गांव जौरासी में हनुमान जी के रोट भंडारे में बुजुर्गों के बीच चर्चा कर रहे थे। इस मौके पर ग्रामीणों के साथ कल्याण सिंह ने प्रसाद ग्रहण किया।

ट्रैफिक पुलिस ने पढ़ाया यातायात का पाठ

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सेफ ड्राइविंग करें ताकि आप सड़क से खुरचने ना पड़ें। इस मार्मिक अपील के साथ यातायात पुलिस अधिकारी ने कैब, ऑटो, बाइक चालकों को सुरक्षित यातायात, सुरक्षित ड्राइविंग का पाठ पढ़ाया। अवसर था मोबिलिटी ऐप इनड्राइव की ओर से गुरुग्राम में एक सेफ्टी एजुकेशन कार्यक्रम का। इस दौरान सेफड्राइव विद इनड्राइव अ कैम्पेन की लांचिंग की गई।

यातायात पुलिस अधिकारी राजेश ने ड्राइवर्स को यातायात के नियमों के प्रति जागरुक करते हुए कहा कि हमें यातायात के नियमों का पालन हमेशा करना चाहिए। हादसों को रोकने में यातायात नियमों का पालन करना सहायक होता है।

इनड्राइव इंडिया के कंट्री मैनेजर प्रदीप मजूमदार ने कहा कि हमारी कंपनी ड्राइवरों को अन्य बातों के अलावा उत्पीड़न या हिंसा के मामलों को रोकने के लिए भी जागरुक करती है। हम सेफड्राइव विथ इनड्राइव कैम्पेन इन मुद्दों को ड्राइवर पार्टनर के साथ भी बात करते हैं।

जयंती पर अरुणा आसफ अली को श्रद्धांजलि दी

गुरुग्राम। स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं का योगदान भी बड़ा महत्वपूर्ण रहा था। महिलाओं ने स्वतंत्रता आंदोलन में बढ़-चढ़ कर भाग लिया था। स्वतंत्रता सेनानी अरुणा आसफ अली की जयंती पर उन्हें याद किया गया।

वर्ष 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान मुंबई के गोवालीया मैदान में अरुणा आसफ अली को कांग्रेस का झंडा फहराने के लिए याद किया जाता है। उनका जन्म बंगाली ब्राह्मण परिवार में 16 जुलाई 1909 को हरियाणा के कालका में हुआ था।

सिकंदरपुर बढ़ा गांव के स्कूल में हेड टीचर का स्वागत

● सरपंच सुंदर लाल यादव के नेतृत्व में ग्रामीणों ने किया स्वागत, बबीता रानी ने किया है ज्वाइन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हेड टीचर का स्वागत करते सिकंदरपुर के लोग।

गांव सिकंदरपुर बढ़ा के राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल में बबीता रानी ने हेड टीचर के रूप में कार्य ग्रहण किया। इस मौके पर स्कूल के प्रांगण में पहुंचने पर गांव के सरपंच सुन्दर लाल यादव और राजकीय उच्च विद्यालय की हेड मिस्ट्रेस लक्ष्मी देवी समेत ग्रामीणों ने बबीता रानी का स्वागत किया।

इस दौरान गांव से गणमान्य लोग सतू प्रधान, अजीत यादव, सजन सिंह, ओमप्रकाश यादव, दीपक यादव, विद्यालय का समस्त स्टाफ, राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल नाहरपुर गांव के हेड टीचर देव कुमार, अध्यापिका रीना यादव, बसई स्कूल से रिटायर्ड सतबीर मास्टर मौजूद रहे। सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि यह खुशी की बात है कि प्राथमिक विद्यालय में मुख्य शिक्षिका ने ज्वाइन किया है। अब गांव में बच्चों की संख्या के हिसाब से पूरा स्टाफ हो गया है। उन्होंने मुख्य बिंदुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि विद्यालय की उन्नति के लिए भरसक प्रयास किए जाएंगे।

सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की प्रदेश के हित में सकारात्मक सोच के साथ हर क्षेत्र में मजबूती से काम हो रहे हैं।

दिल्ली के राजीव गांधी स्टेडियम में 27 जुलाई तक चलेगी सेना भर्ती

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

● दिल्ली कैंट भर्ती रैली को आयोजित करवा रहा

उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि स्वतंत्र भर्ती कार्यालय दिल्ली कैंट आगामी 27 जुलाई तक हरियाणा के पलवल, गुरुग्राम, फरीदाबाद और मेवात जिलों और दिल्ली के सभी जिलों के शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के लिए भर्ती रैली आयोजित कर रहा है। यह भर्ती रैली दिल्ली में स्थित बवाना के राजीव गांधी स्टेडियम में आयोजित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि 18 जुलाई को गुरुग्राम जिला की फरुखनगर, मानेसर व सोहना तहसील और 19 जुलाई को फरीदाबाद जिला के फरीदाबाद व बल्लभगढ तहसील तथा 20 जुलाई को गुरुग्राम की तहसील पटौदी व मेवात की सभी तहसील के लिए रैली का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 22 जुलाई को पलवल की हथीन तहसील के साथ-साथ साऊथ वेस्ट दिल्ली, 23 व 24 जुलाई को दिल्ली और 25 व 26 जुलाई को हरियाणा व दिल्ली के सभी तहसील के उम्मीदवारों के लिए सेना भर्ती रैली का आयोजन होगा। इसके अलावा 27 जुलाई को उम्मीदवारों का मेडिकल किया जाएगा।

कांग्रेस नेता ने जांची स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत

● सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल में मरीजों के साथ पंकज डावर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मरीजों के साथ कांग्रेस नेता पंकज डावर।

कांग्रेस नेता पंकज डावर मंगलवार की सुबह सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को देखने पहुंचे। वहां दवाइयों के लिए लाइन में खड़े मरीज व उनके परिजनों के साथ पंकज डावर ने बात की। मरीजों के परिजनों ने अस्पताल में सुविधाओं की समस्याएं रखी।

इस मौके पर जय सिंह हुड्डा, प्रो. सुभाष सपरा, पर्ल चौधरी, अधिवक्ता रोहित मदान, मोहन खुरानिया, राजीव यादव, सत्यवंती हुड्डा, प्रवीण सरपंच, मनोज आहूजा, कुलदीप मोलाहेड़ा, प्रमोद शर्मा, दीपक कुमार समेत अन्य लोग मौजूद रहे। पंकज डावर ने कहा कि मौजूदा सरकार आम जनता को स्वास्थ्य सेवाएं देने के नाम पर बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जब मरीज सरकारी अस्पताल में पहुंचते हैं तो सरकार के सभी दावे फेल हो जाते हैं। डावर ने कहा कितनी हैरानी की बात है कि मिलेनियम सिटी के सरकारी अस्पताल में अगर किसी को अल्ट्रा साउंड कराना है तो उसका नंबर 10 दिनों बाद आएगा। कुछ नाजुक मरीजों का अल्ट्रासाउंड तो हो जाता है, लेकिन अन्य मरीजों का अल्ट्रासाउंड मशीन की कमी के कारण नहीं होता।

आईटी प्रोफेशनल्स ने विरोध में बांधी काली पट्टी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

काली पट्टी बांधकर विरोध जताते आईटी प्रोफेशनल्स।

नियमितिकरण की पॉलिसी ना बनाने समेत अन्य मांगें पूरी ना होने पर हारट्रोन आईटी प्रोफेशनल वेलफेयर एसोसिएशन हरियाणा (हिपवा) के सदस्यों ने एकजुट होकर विरोध जताया। दो दिवसीय इस विरोध में सभी सदस्य काली पट्टी बांधकर शामिल हुए। इसके बाद 18 जुलाई को हारट्रोन आईटी प्रोफेशनल्स सामुहिक अवकाश लेकर विधायकों को ज्ञापन सौंपेंगे। 21 जुलाई को पंचकूला में राज्य स्तरीय विरोध प्रदर्शन होगा।

हारट्रोन आईटी प्रोफेशनल वेलफेयर एसोसिएशन, हरियाणा (हिपवा) संबंधित बीएमएस के आह्वान पर प्रदेश के विभिन्न जिला के अनेक विभागों, निगम व बोर्ड में कार्यरत सभी हारट्रोन आईटी प्रोफेशनल ने अपनी नियमितिकरण की पॉलिसी न बनाने सहित अन्य मांगे पूरी न होने के फलस्वरूप विरोध प्रदर्शन किया। हारट्रोन आईटी प्रोफेशनल वेलफेयर एसोसिएशन, हरियाणा (हिपवा) के प्रदेशाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार डांडा की अध्यक्षता में विभिन्न जिलों की कार्यकारिणी व सदस्यों की ऑनलाइन माध्यम से आयोजित हुई एक बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में प्रदेश स्तरीय कमेटी के सदस्यों सहित विभिन्न जिलों के जिला प्रधान व अन्य जिला कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लेकर आगामी रणनीति पर विचार किया और अपने-अपने सुझाव दिए। उन्होंने प्रदेश के सभी जिलों के हारट्रोन आईटी प्रोफेशनल्स से अपील की है कि वे 21 जुलाई को पंचकूला में विरोध प्रदर्शन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लें।

समस्या के समाधान से सरकार-प्रशासन के प्रति बढ़ रहा विश्वास

● उपायुक्त विक्रम सिंह धैर्यपूर्वक सुन रहे आम जनता की परेशानी, समाधान शिविर में 35 समस्याओं में से नौ का हुआ निवारण

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद के लोगों की समस्याओं को सुनते उपायुक्त विक्रम सिंह।

फरीदाबाद जिला वासियों की समस्याओं के समाधान में जिला व खंड स्तर पर आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर कारगर सिद्ध हो रहे हैं। उपायुक्त विक्रम सिंह प्रशासन के अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर धैर्यपूर्वक आमजन की समस्याएं सुनते हुए उनका समाधान कर रहे हैं। समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं का समाधान होने से उनमें सरकार व जिला प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ रहा है। वे सरकार की इस मुहिम से खुश नजर आ रहे हैं।

उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि सभी अधिकारी आमजन की शिकायतों को जल्द से जल्द दूर करें। आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान राज्य सरकार व जिला प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को समाधान शिविर में रखी जा रही प्रत्येक शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हुए हैं।

उपायुक्त विक्रम सिंह ने मंगलवार को समाधान शिविर में आमजन की परिवार पहचान पत्र, विभिन्न प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन, बिजली, पेयजल, स्वामित्व रजिस्ट्री सहित प्रशासन व सरकार से जुड़े विषयों से सम्बंधित आमजनों की 35 समस्याएं सुनी। आज आयोजित शिविर में डीसीपी सेंट्रल जसलीन कौर, एसडीएम फरीदाबाद शिखा अंतिल, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण मौजूद थे। उपायुक्त के निर्देशानुसार 09 समस्याओं का मौके पर ही समाधान करा दिया गया। नागरिक ने कहा कि हरियाणा सरकार के फैसले से वे खुश हैं। समाधान शिविरों में प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, भूमि पंजीकरण, स्थानीय निकाय से अनापत्ति प्रमाण पत्र आदि का समाधान किया जा रहा है।

हरियाणा के स्थायी निवासियों को निशुल्क ई रिक्शा प्रशिक्षण

फरीदाबाद। उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा केवल हरियाणा की गरीबी रेखा से नीचे (बी.पी.एल.) या जिस परिवार की वार्षिक आय परिवार पहचान पत्र में केवल 1.80 लाख रुपये या इससे कम है उस परिवार की स्थायी निवासी लड़कियों/महिलाओं के लिए फरीदाबाद में 10 दिन का ई- रिक्शा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण महिलाओं को निशुल्क प्रदान किया जायेगा। इच्छुक पात्र (महिला) उम्मीदवारों को 22 जुलाई 2024 तक ऑनलाइन तथा ऑफलाइन या दस्ती तौर पर सम्बन्धित जिला कार्यालय में आमंत्रित किए जाएंगे। निर्धारित तिथि 22 जुलाई 2024 के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं होंगे। प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए पात्र उम्मीदवारों को हरियाणा राज्य की मूल निवासी होना अनिवार्य है तथा उसकी आयु 18-45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। पात्र महिला कम से कम 8वीं पास होनी चाहिए, साथ ही उच्चतर शैक्षणिक योग्यता को वरीयता दी जाएगी।

50 लाख घोटाला किया उजागर विजिलेंस करे जांच : नीरज शर्मा

● एक ही काम की फर्जी कागजात के आधार पर 62 लाख और 50 लाख की दो फाइल बनाने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनआईटी से कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा ने फरीदाबाद नगर निगम को एक और बड़ा घोटाला उजागर किया है। इस घोटाले में नगर निगम के अधिकारियों ने एक ही विकास कार्य के लिए कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा की संस्तुति के फर्जी कागजात के आधार पर दो फाइल बना दी। एक फाइल 62 लाख की बनाई तो दूसरी फाइल 50 लाख रुपये की तैयार की। नगर निगम में 200 करोड़ रुपये के घोटाले के बाद यह एक और बड़ा घोटाला है। विधायक नीरज शर्मा ने नगर निगम आयुक्त मोना ए. श्रीनिवास के समक्ष पेशकर घोटाले में शामिल अधिकारियों और ठेकेदार ब्रजलाल चौरसिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विजिलेंस से जांच की मांग की है।

विधायक नीरज शर्मा का कहना था कि नगर निगम फरीदाबाद में 200 करोड़ रुपये के घोटाले के बाद भी निगम नहीं चेता है। उन्होंने 200 करोड़ रुपये के घोटाले की सीबीआई जांच की मांग की थी लेकिन गंभीरता नहीं लिया, दोषियों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की।

किसानों का ऐलान : शंभू बार्डर खुलते ही करेंगे दिल्ली कूच

● 15 अगस्त को दिल्ली में ट्रैक्टर मार्च निकालने की योजना, शुभकरण की मौत पर हरियाणा सरकार का दावा गलत, हरियाणा के आईपीएस अधिकारी से नहीं इंसाफ की उम्मीद

शंभू बार्डर को लेकर प्रेसवार्ता करते किसान नेता।

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा शंभू बार्डर को खोलने के लिए दी गई समय सीमा जहां मंगलवार को समाप्त हो गई है वहीं किसानों ने ऐलान किया है कि बार्डर खुलते ही वह दिल्ली कूच करेंगे। मंगलवार को किसान संगठनों की एक बैठक चंडीगढ़ में हुई। बैठक के बाद किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने ऐलान किया कि शंभू बॉर्डर खुलते ही किसान दिल्ली कूच करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें सिर्फ सामान इकट्ठा करने में समय लगेगा, उसके बाद हम दिल्ली की तरफ रवाना हो जाएंगे। किसानों ने किसान शुभकरण के मौत मामले में गठित स्पेशल टास्क फोर्स को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के अधिकारी जांच में इंसाफ करेंगे इसकी उन्हें कोई उम्मीद नहीं है। 10 जुलाई को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने 7 दिन के अंदर बॉर्डर खोलने के आदेश दिए थे। बुधवार को इसका अंतिम दिन है, लेकिन इसको लेकर हरियाणा सरकार सुप्रीम कोर्ट चली गई है। सरकार अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रही है। डल्लेवाल ने कहा कि किसान शंभू व खनौरी बार्डर पर एकत्र होने शुरू हो गए हैं। डल्लेवाल ने कहा कि किसानों की प्राथमिता दिल्ली जाने और राम लीला मैदान जनसभा करने की है। सरकार हमें जहां भी रोकती है, वे सरकार की जिम्मेदारी होगी। हमारा आंदोलन उतनी देर तक जारी रहेगा, जब तक सरकार हमारे साथ किए वादे पूरे नहीं करती। 15 सितंबर को बहुत बड़ी महापंचायत जींद के पास होगी। इसके अलावा एक महापंचायत अंबाला के पास की जाएगी। वहीं 15 अगस्त को ट्रैक्टर मार्च निकालने की भी योजना है। किसान नेताओं ने कहा कि कोर्ट के फैसले के बाद शंभू बॉर्डर पर हरियाणा सरकार ने बैरिकेडिंग बढ़ा दी है। शंभू बॉर्डर पर वह बारिश से बचने के लिए प्लास्टिक का शैड बना रहे हैं। वह हाईकोर्ट के आदेश पर बॉर्डर नहीं खोल रहे हैं।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान युवा किसान शुभकरण की मौत पर दी गई रिपोर्ट को खारिज करते हुए किसान नेताओं ने कहा कि हरियाणा सरकार ने कोर्ट को गुमराह करने का प्रयास किया है।

हरियाणा ने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के फैसले को दी चुनौती

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार शंभू बार्डर नहीं खोलना चाहती है। प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका के माध्यम से हाईकोर्ट के फैसले पर सवाल उठाए हैं। मंगलवार को हरियाणा सरकार ने कहा कि हाईकोर्ट ने धरातल की सच्चाई जाने बगैर ही फैसला दिया है। बार्डर खोलने से पहले किसानों को भी वहां से उठने के लिए कहा जाता तो बेहतर होता। हरियाणा सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दायर विशेष अनुमति याचिका पर 22 जुलाई को सुनवाई होगी। हाईकोर्ट ने 10 जुलाई के अपने आदेश में हरियाणा सरकार को एक सप्ताह के भीतर शंभू बार्डर खोलने के लिए कहा था। बुधवार को हाई कोर्ट के आदेश को एक सप्ताह पूरा होगा। अभी तक राज्य सरकार की ओर से शंभू बार्डर खोलने के लिए किसी तरह की हरकत दिखाई नहीं पड़ रही है। वहां आठ लेयर की सिक्योरिटी है, ताकि पंजाब के किसान दिल्ली की तरफ कूच ना कर सकें। किसान एमएसपी की गारंटी समेत करीब आधा दर्जन मांगों को पूरा करने के लिए आंदोलन कर रहे हैं। हरियाणा सरकार के कानूनी विशेषज्ञों की टीम लगातार इस केस पर मंथन कर रही है। मंगलवार को सरकारी सूत्रों ने बताया कि हाईकोर्ट ने फैसला देते समय कई पहलुओं की अनदेखी की है। हाई कोर्ट के बार्डर खोलने के आदेश के बाद पंजाब की किसान जत्थेबंदियां शंभू बार्डर पर फिर से जुटने लगी थी। उनकी तैयारी दिल्ली कूच की है, ताकि वहां अपने मोडिफाई वाहनों के माध्यम से पहुंचकर केंद्र सरकार पर दबाव बनाया जा सके। प्रदेश सरकार का मानना है कि यदि किसान दिल्ली जाने में कामयाब हो गए तो कानून व्यवस्था बिगड़ सकती है।

केंद्र-प्रदेश सरकार ने पिछड़ा वर्ग को दिया अनोखा तोहफा : सुधा

कुरुक्षेत्र में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का स्वागत करते हुए।

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने पिछड़ा वर्ग के लिए सराहनीय कार्य किए हैं। महेंद्रगढ़ में मंगलवार को बीसी सम्मान सम्मेलन में पिछड़ा वर्ग को तोहफा दिया है। इतना ही नहीं प्रदेश सरकार की तरफ से बीसी ए व बीसी बी की क्रीमीलेयर की लिमिट बढ़ाने का नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। अहम पहलू यह है कि पिछड़ा वर्ग के लोगों को हर जगह हिस्सेदारी सरकार की तरफ से दी जा रही है।

राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने मंगलवार को महेंद्रगढ़ में आयोजित ओबीसी सम्मान सम्मेलन के बाद केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री नायब सिंह का व्यक्तिगत रूप से मिलकर पिछड़ा वर्ग को सौगात देने पर आभार व्यक्त किया है। राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने बीसीए और बी सी बी की क्रीमीलेयर की लिमिट को बढ़ाने के अधिसूचना जारी करके एक बड़ा तोहफा दिया है। इस अधिसूचना के अनुसार 8 लाख या उससे अधिक की सकल वार्षिक आय रखने वाले अथवा अंतिम तीन निरंतर वर्षों की अवधि के लिए धनकर अधिनियम 1957 यथा विहित छूट सीमा से अधिक धन रखने वाले व्यक्तियों, प्रवर्गो 1,2,3 तथा 5 में व्यक्ति जो आरक्षण के लाभ हेतु हकदार नहीं है किन्तु जिनकी धन की अन्य स्त्रोत से आय है जो उन्हें उपरोक्त आय में वर्णित आय के भीतर ले आएगी। वेतन या भूमि आय को नहीं जोड़ा जाएगा।

उन्होंने कहा कि रुपए के अनुसार आय मापदंड इसके प्रत्येक 3 वर्ष के मूल्यों में बदलाव को ध्यान में रखते हुए संशोधित किए जाएंगे। यदि परिस्थिति तथापि ऐसी मांग करती है तो मध्य अवधि कम हो सकती है।

सोनिया गांधी से मिले भूपेंद्र हुड्डा

● प्रदेश के राजनीतिक हालातों पर भी की चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के पूर्व सीएम व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मंगलवार को नई दिल्ली में सोनिया गांधी से मुलाकात की। करीब बीस मिनट चली इस मुलाकात के दौरान उन्होंने हरियाणा के राजनीतिक हालात पर चर्चा की।

पूर्व सीएम से इस मुलाकात को इसे शिष्टाचार भेंट करार दिया है। सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में हुड्डा ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ मुलाकात होती रहती है। इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा के राजनीतिक हालात पूरी तरह से कांग्रेस के फेवर में हैं। उन्होंने कहा कि इस बार के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। लोकसभा चुनाव के नतीजों से स्पष्ट कर दिया है कि हरियाणा के लोगों ने भाजपा को सत्ता से बाहर करने का मन बना लिया है।

जियोफिजिक्स विभागाध्यक्ष बनें प्रो. भगवान सिंह

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार जियोफिजिक्स विभाग के प्रोफेसर भगवान सिंह चौधरी ने सोमवार को जियोफिजिक्स विभाग के अध्यक्ष का पदभार संभाला। इस अवसर पर उन्होंने कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का आभार प्रकट करते हुए कहा कि वे पूरी लगन व निष्ठा से कार्य करने की बात कही। इस मौके पर विश्वविद्यालय के प्रो. दिनेश कुमार, डॉ. आरबीएस यादव, डॉ. मनीषा संधू, डॉ. सुशील कुमार मौजूद थे।

केयू करेगा गैर-शिक्षक कर्मचारियों को सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय प्रशासन ने कुवि के नियमित गैर-शिक्षक कर्मचारियों से वर्ष 2019-2023 के बीच विश्वविद्यालय हित में किए गए बेहतरीन कार्यों के लिए केयू प्रशंसा अवार्ड हेतु आवेदन आमंत्रित किए हैं।

लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के निर्देश के अनुसार विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा केयू के गैर-शिक्षक कर्मचारियों में कार्य संस्कृति की भावना विकसित करने व विश्वविद्यालय हित में और ज्यादा बेहतरीन कार्य करने के लिए केयू प्रशंसा अवार्ड के लिए कैटेगरी बी, सी व डी के कर्मचारियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं तथा इच्छुक गैर-शिक्षक कर्मचारियों को आवेदन में 1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2024 के बीच की स्वयं की उपलब्धियों, अवार्ड, अतिरिक्त ड्यूटी निभाने तथा विश्वविद्यालय हित में दिए गया था।

पांच हजार कांस्टेबलों की भर्ती के लिए शारीरिक मापदंड शुरू

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी व निष्पक्ष तरीके से पूरा करवाने के साथ साथ अभ्यर्थियों की संतुष्टि आयोग की प्राथमिकता है। इस कड़ी में आज ग्रुप सी की संयुक्त पात्रता परीक्षा उतीर्ण उम्मीदवारों, जिन्होंने हरियाणा पुलिस में सिपाही सामान्य ड्यूटी के लिए विकल्प चुना है। उनकी शारीरिक परीक्षा आज से पंचकूला के ताउ देवी लाल स्टेडियम में आरंभ हो गई है जो 23 जुलाई तक चलेगी।

हिम्मत सिंह ने बताया कि उम्मीदवारों की संतुष्टि के लिए 20 डिजिटल मापदंड स्टैंड लगाए गए है। हर स्टेंड पर खेल विभाग के कोच व अन्य विशेषज्ञों की ड्यूटी लगाई गई है। डिजिटल स्टैंड पर अभ्यर्थी अपने कद, काठी व वजन की जानकारी स्वयं डिस्पले बोर्ड पर देख सकते है। उन्होंने बताया कि आज पहला स्लॉट प्रातः 6.30 बजे आरंभ हुआ था। दूसरा स्लॉट 8.30 बजे, तीसरा 10.30 बजे व चौथा 12.30 बजे का निर्धारित है। आज पहले दिन 2000 उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा ली गई है।

PUBLIC NOTICE

Public at large is hereby informed that Mrs. Prmila Devi w/o Mr. Tej Narain is the owner of Plot area measuring 60 sq. yds. i.e. 50.166 sq. mts., Out of Khasra No.427, Situated in the area of Pushp Vihar village Sadullahbad tehsil Loni Village Ghaziabad U.Pvide Regd. Sale Deed dated 25/11/2021 executed by Mr. Manoj Kumar s/o Mr. Om Prakash in favour of Mrs. Prmila Devi w/o Mr. Tej Narain Who Lost (1) Original Regd. GPA and Original ATS and Original WILL dated 25/04/2019 executed by Mrs. Sudha Singh w/o Mr. Shambu Shankar Singh in favour of Mr. Manoj Kumar s/o Mr. Om Prakash (Doc No.3004) (area measuring 40 sq. yds) and (2) Original Sale Deed dated 25/04/2019 executed by Mrs. Sudha Singh w/o Mr. Shambu Shankar Singh in favour of Mr. Manoj Kumar s/o Mr. Om Prakash (Doc No.5972, Book No.1, Vol No.438, Page No.349-430) (area measuring 20 sq yds) was lost on 01.07.2024 duly reported to police Unit, Police Computer Centre, Technical Services HQ, Lucknow, LAR No. 20240000590462 as per police complaint dated 15.07.2024. If anyone found the same may return to undersigned and if the same is misused shall be at his/her own risk.That Mrs. Prmila Devi w/o Mr. Tej Narainintends to sell the said property to Intended Borrower and who intends to mortgage the said immovable property for her bonafide requirements to **Trust lenders Capital Pvt. Ltd.** Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

PRAGYABHUSHAN (ADVOCATE)
L-27, GF, Kailash Colony, New Delhi-48,9968006418

PUBLIC NOTICE

This is to inform the public at large that one Mr. Komal Sharma s/o Sh. Tek Chand Sharma (PAN-BEMPS2632R) R/o House No.FCA 2748/A, Block-A, S.G.M Nagar, NH-4, Faridabad, Haryana, who is the ownerof the property i.e. Plot No. 35, MCF No. 3004-A, area measuring 194.6 sq. yards, out of Khewat/Khata No.117/193, Mustatil No. 119, Killa No. 1, 2, situated at Vaka Mauza Badkhal, Tehsil Badkhal, Distt. Faridabad, Haryana; (here in after referred to as "said property", having purchased the same by virtue of Sale Deed dated 11.02.2021 executed by Mr. Pushpender(Doc. No. 4394).The said Property has been mortgaged by the owner with Tata Capital Housing Finance Limited. (our client).Some Property Paper regarding this property i.e. 1) Original Sale Deed dated 10.05.1984 executed by Mr. Virender Singh in favour of Mr. Krishan Pal (Doc. No. 1909),2)Original Sale Deed dated 12.04.2004 executed by Mr. Krishan Pal in favour of Mrs. Neeta (Doc. No. 525) and 3) Original Sale Deed dated 12.01.2007 executed by Mrs. Neeta in favour of Mr. Hari Chand (Doc. No. 18419) havebeen lost by the owner and are not traceable.If anybody found the same, Plz return at the address mentioned below. Further, it is hereby declared that title of the said Property, is absolutely valid, clear and marketable and there is no dispute / Litigation pending in any court of law, in respect of said Property. Whosoever, is having any objection to said mortgage OR any Person having any type of claim/right/title/interest over the said property may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 07 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

VIPUL KR. RAHEJA (Advocate) Ch. no. 55, Civil Side, Tis Hazari Courts, Delhi-24, Mob-9873150663

PUBLIC NOTICE

It is hereby notified for general public that my Clients, Krishna Mahto S/o Late Ras Vihari Mahto & Sushila Devi W/o Krishna Mahto both R/o H. No. 490 B, Gali No. 8, C-Block, Nangli Vihar Extension, Village Baprolla, New Delhi - 110043 has severed all their relations with their son Amit Mehto and daughter-in-law Neha Mehto and have debarred them from inheriting any moveable and immoveable properties of my clients due to their misbehavior, unbecoming acts and neglecting duties owing towards my client. If anybody deals with them, shall do so at his/her own risks and my clients shall not be responsible for any act of Amit Mehto & Neha Mahto in any manner whatsoever.

Alok Dev (Advocates) Off- P. No. 255, Ground Floor, Pocket-9, Sector-23, Rohini, Delhi-85.

Public Notice

This is to inform the general public that Mr. Tarun Gupta is the owner of Property No. F-175 (now known as F-175/A), with roof right, area measuring 162.5 Sq. Yds. out of Khasra No. 52/11 & 12, situated in the abadi of F-Block Extn., Laxmi Nagar, in the area of Village Khureji Khas, Illaqa Shahdara, Delhi through Sale Deed dated 12.04.2023 doc. No. 2470 executed by Sh. Jai Prakash Gogia in favour of Sh. Tarun Gupta in respect of said property.

Mr. Tarun Gupta intends to transfer the ownership by way of Sale Deed of aforementioned Property to **Sh. Vishal Sharma. Subsequently, Sh. Vishal Sharma** is in the process of mortgaging the said **IDFC First Bank Limited.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 10 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 10-days period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.

If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 10-day period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683; e-mail: accounts@lvnorth.in**

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that Mrs. Naseem Begum has acquired Third Floor without roof rights built on Property bearing No. 283/3, area 100 sq. yrds., Khasra No. 66, situated in the area of Village Khureji Khas, in the abadi of Khureji Khas, near Jama Masjid, Delhi vide GPA dt. 29.09.1992 along with ATS & Will executed by Mr. Ishwar Chand, Now Mrs. Naseem Begum is the undisputed owner of above said property.

OR

Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.

Ajay Kumar Giri (Advocate) H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi -110024

Public Notice

This is to inform the general public that Ms. Pooja Malhotra & Mr. Hamant Tuteja is the owner of Second Floor without roof rights "Said Floor" built on Property no. 5/16, area measuring 100 sq. yards., situated at Ramesh Nagar, New Delhi-110015. through Sale Deed dated 27.12.2022 doc. No. 15770 executed by Mrs. Anita Mehta in favour of Ms. Pooja Malhotra & Mr. Hamant Tuteja in respect of Second Floor without roof rights of the said property.

The above-said owner has misplaced the 1) **Original Sale Deed** dated 27.12.2022 doc. No. 15770 executed by Mrs. Anita Mehta in favour of Ms. Pooja Malhotra & Mr. Hamant Tuteja in respect of Second Floor without roof rights of the said property. FIR No. 1794419/2024, also registered at P.S. Crime Branch, Delhi on dated 06.06.2024. Anyone who finds the above-mentioned documents, kindly handover the same to the Manager of **Aditya Birla Housing Finance Limited, Noida.**

Ms. Pooja Malhotra & Mr. Hamant Tuteja intends to transfer the ownership by way of Sale Deed of aforementioned floor to **Mr. Ankit Mehta. Subsequently, Mr. Ankit Mehta** is in the process of mortgaging the said **Aditya Birla Housing Finance Limited.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07-days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.

If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683, e-mail: accounts@lvnorth.in**

PUBLIC NOTICE

The General Public is hereby informed that my clients (1). Mr. Jitender Kumar alias Jitender Kumar Gupta Son of Mr. Gian Chand Gupta and (2). Mrs. Ritu Gupta wife of Mr. Jitender Kumar Gupta both Residents of House No.30, Block-AM, Shalimar Bagh, Delhi-110088, declare that their Son Mr. Tarang Gupta and his wife Mrs. Nancy Gupta are not co-operating well & showing selfish attitude towards my client. They both keep on fighting with my clients and creating hurdles, mental tortures and agonies for my clients and do not let them live peacefully. So my clients hereby severe all their relations, ties and knots with their above named son, his wife and their daughter namely Baby Anayka Gupta. They are therefore debarred and disentitled to claim any right or concern in any of movable or immovable properties of my clients. Any person dealing with them, will do so at his/her own risk and cost & my clients will not be responsible for the same.

PAWAN NARULA ADVOCATE
ENRL. ID: D/1138/2011, Shop No.3, G.F, BR-50-A, Shalimar Bagh, Delhi-88, 9811131770

PUBLIC NOTICE

The General Public is hereby informed that my client Mr. Surender Kumar Khurana Son of Mr. R.D. Khurana Resident of House No. C-13/75, Sector-3, Rohini, Delhi- 110085, declares that his Son Mr. Chetan Khurana and his wife Mrs. Jyoti Khurana are not co-operating well & showing selfish attitude towards my client. They are living separately and they both keep on fighting with my client and creating hurdles, mental tortures and agonies for my client and do not let him live peacefully. So my client hereby severe all his relations, ties and knots with his above named son, his wife and their son and daughter namely Master Shivay Khurana and Baby Kartika Khurana, respectively. They are therefore debarred and disentitled to claim any right or concern in any of movable or immovable properties of my client. Any person dealing with them, will do so at his/her own risk and cost & my client will not be responsible for the same.

PAWAN NARULA ADOVCATE
ENRL. ID: D/1138/2011, Shop No.3, G.F, BR-50-A, Shalimar Bagh, Delhi-88, 9811131770

सार्वजनिक नोटिस

आम जनता को सूचित किया जाता है कि संपत्ति का पता प्लॉट नं. 14, रोड नं. के-14, क्षेत्रफल 146.93 वर्ग मी., रिहायशी कॉलोनी जिसे अब डीएलएफ सिटी फेज- ।। (पूर्व में डीएलएफ कुतुब एन्क्लेव कॉम्प्लेक्स के रूप में ज्ञात) कहते है, जोकि सरहौल गांव के आस-पास, तहसील और जिला- गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित है, रिहायशर निर्मित मकान जिसमें बेसमेंट, स्टिल्ट, पहली मंजिल, दूसरी मंजिल, तीसरी मंजिल, चौथी मंजिल और टैरेस फ्लोर ("विवादित संपत्ति") कब्जे प्रमाण पत्र मेमो सं. 12210, दिनांक 10.10.2022 और

चौहद्दीः

पूरब में - सड़क,

पश्चिम में - प्लॉट सं. के -14/13,

उत्तर में - सड़क,

दक्षिण में - क्रेच

वर्तमान में विवाद में है। विवादित संपत्ति को श्रीमती शशि बाला पत्नी श्री ऋषिपाल सिंह और श्री तनुज सिंह, पुत्र श्री ऋषिपाल सिंह, दोनों निवासी जे-187, तृतीय तल, साकेत, मालवीय नगर, दक्षिणी दिल्ली, नई दिल्ली-110017 ("विक्रेता") द्वारा श्रीमती कुसुम नागपाल, पत्नी श्री परवीन नागपाल, निवासी बी-21, द्वितीय तल, कीर्ति नगर, रमेश नगर, पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली-110015 ("खरीदार") को विधिवत मुद्रांकित विक्रय समझौते दिनांक 16.05.2024 के माध्यम से बेचने पर सहमति हुई। खरीदार द्वारा विक्रेताओं को आंशिक भुगतान पहले ही किया जा चुका है। इस संचार के माध्यम से, सभी हितधारकों, संभावित खरीदारों और अन्य इच्छुक पक्षों को इस विवाद पर ध्यान देने के लिए आगाह किया जाता है, ताकि वे उपर्युक्त संपत्ति से संबंधित किसी भी लेनदेन में प्रवेश करने से पहले इस विवाद पर ध्यान दें। इस संपत्ति के संबंध में किए गए किसी भी लेन-देन या लेनदेन पर चल रहे विवाद का परिणाम लागू होगा।

उक्त विवादित संपत्ति के संबंध में उक्त खरीदार द्वारा दिनांक 26 जून 2024 को शिकायत संख्या-13227031240528 के माध्यम से आवश्यक एफआईआर/पुलिस शिकायत भी दर्ज कराई गई है। हम विक्रेता के खिलाफ दीवानी और आपराधिक कार्यवाही सहित अन्य कार्रवाई करने की प्रक्रिया में भी हैं।

आपको यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप विवादित संपत्ति के संबंध में विक्रेताओं के साथ सौदा करते हैं, तो आप अनुबंध के उल्लंघन में सहायता कर रहे होंगे और आपको अनुबंध के उल्लंघन में सहायता करने वाले और षड्यंत्रकारी के रूप में माना जाएगा और आप विक्रेताओं के साथ संयुक्त रूप से और अलग-अलग सभी नुकसानों के लिए उत्तरदायी होंगे, जिसमें विक्रेताओं की अवैध कार्रवाइयों के कारण क्रेता को हुए किसी भी नुकसान के लिए क्षतिपूर्ति शामिल है, जो क्रेता को हुआ है और लगातार हो रहा है।

श्रीमती कुसुम नागपाल
बी-21, द्वितीय तल, कीर्ति नगर, रमेश नगर,
पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली-110015
ईमेल - pinkynagpal63@yahoo.in
फोन नंबर - 9810651301

दिनांकः 17 जुलाई 2024

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालयः** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नं. 23, शाल टॉवर, तीसरी मंजिल न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्जदार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।

कर्जदार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्जदार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक कब्जा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्जदार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्जदार/सह-कर्जदार का नाम/ऋण खाता नं.	सम्पत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1	सौरव कुमार/ अंजलि सहरावत/ LBGUR00003334697	अपार्टमेंट नं. के-1706, 16वीं मंजिल, टॉवर के, गोदरेज गोदरेज समिट, सेक्टर 104 गुड़गांव 122001 (2 कार पार्किंग स्पेस के साथ)/ 11 जुलाई, 2024	फरवरी 22, 2024 रु. 1,31,56,563/-	गुड़गाँव/ रोहतक/ मुम्बई
2	प्रदीप कुमार/पिंकी शर्मा/ प्रवीण कुमार शर्मा/ गंगा टेक्नोमेक इंजीनियर्स/ LBGUR00004213866	फ्लैट नं. एफ-904, 9वीं मंजिल, टॉवर-एफ, रॉफ आनंदा, सेक्टर-95, गांव ढोरका, तहसील और जिला गुड़गांव, हरियाणा- 122001/11 जुलाई, 2024	फरवरी 26 2024 रु. 13,71,164/-	गुड़गाँव
3	तेजबीर सिंह/पूनम/ LBGUR00002372863	अपार्टमेंट नं. 504, 5वीं मंजिल टॉवर जी यूनिवर्सल ऑरा सेक्टर 82, गुड़गांव/11 जुलाई, 2024	जुलाई 06 2021 रु. 16,70,032/-	गुड़गाँव/ हिसार
4	पंकज भारद्वाज/ दीपिका भारद्वाज/ LBDEL00002086401	फ्लैट नं. 501 5वीं मंजिल टॉवर- । यूनिवर्सल ऑरा, गांव शिकंदरपुर बढ़ा सेक्टर 82, गुड़गांव/11 जुलाई, 2024	जून 19 2021 रु. 24,67,690/-	गुड़गाँव
5	बीरेंद्र कुमार/ गुरिया कुमारी/ LBDEL00005237302	फ्लैट नं. 308, (2बीएचके टाइप बी) टॉवर-टी5, तीसरी मंजिल, आशियारा, सेक्टर-37सी, गांव गाडौली खुर्द, तहसील और जिला गुड़गांव, हरियाणा- 122001/ 11 जुलाई, 2024	जनवरी 10 2024 रु. 16,85,838/-	गुड़गाँव/ नई दिल्ली

उपरोक्त कर्जदार(रों)/जमानतदार(रों) को राशि वापस करने के लिए 30 दिन का नोटिस जारी किया जाता है, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति(याँ) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के बाद नीलाम कर दी जाएगी।

दिनांक : जुलाई 17, 2024
स्थानः दिल्ली/एनसीआर (गुड़गाँव)

भवदीय, प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि. के लिए

सार्वजनिक सूचना

मैं सुनेहरी सिंह पुत्र स्व0 अत्तर सिंह निवासी गली नंबर-8 भूपेन्द्रपुरी चूना भटटी मोदीनगर थाना मोदीनगर जिला गाजियाबाद अपने पुत्र अमन के गलत आचरण व दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद करता हूं। भविष्य में अपने कृत्यों के लिए ये स्वयं जिम्मेदार होगा।

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that we are filing application in L&DO for substitution/ mutation of the property no. B-266, Chittaranjan Park, New Delhi area measuring 176 Sq. Yards, in the name of **Debasish Sarkar, son of Late S. N. Sarkar and Arup Sarkar, son of Late S. N. Sarkar both residents of B-266, Chittaranjan Park, New Delhi-110 019,** on the grounds of only legal heir of Late S.N. Sarkar (owner of property). If there are any objections/ claims from the general public on this application, the same shall be communicated to L&DO with supporting documents through registered post or by visiting L&DO at Nirman Bhawan, New Delhi or through an email at ldo@nic.in, within 30 days of publication of this notice.

Name: Debasish Sarkar, and Arup Sarkar, Address: B-266, Chittaranjan Park, New Delhi-110 019, Phone: 9811215204

PUBLIC NOTICE

it is to inform to the Public Notice at large, that I Sumit Kumar is Purchasing the property from Amrit Pal Singh property address is - Plot No-8, Municipal bearing No-46/2-E, area 66 Sq.yds, First Floor, Khasra to - 634/479, Village Ghandoli, Abadi of East Azad Nagar, Shahdara, New Delhi.

I am aware that in this case the probate order of will dated and 07/08/2013, in favour of Mr. Simrat Singh and Mr. Amrit Pal Singh, and position deed dated 25/09/2003 executed by Simrat Singh and Amrit Pal Singh / certified Khatoni copy Regarding this Concern. I am going to given the News Publication. if any person having any type of claim/right/ title interest over the Said property may inform in writing within free from all 7 days from today. Said property is free from all type of Encumbrance lien etc.

Basukee Nath Jha (Advocate)
Plot No 714, A/A, A Block Inder Enclave Ph-2, Kirari Suleman Nagar, ND-86

सार्वजनिक सूचना

एतदद्वारा सूचित करना है कि मकान संख्या -194 ब्लॉक-जे, सैक्टर-41, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर (उ0प्र0) जिसके मूल आवंटी ज्वाईन्ट/ स्वामी श्री हरिश चन्द्र ढींगरा पुत्र श्री असानन्द ढींगरा एवं श्रीमती ईश्वर ढींगरा पत्नी श्री हरिश चन्द्र ढींगरा निवासीगण मकान नं0-जे-194, सैक्टर-41, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर (उ0प्र0) है, श्री हरिश चन्द्र ढींगरा का देहान्त दिनांक 01.01.2022 को एवं श्रीमती ईश्वर ढींगरा का देहान्त 03.12.2022 को हो गया था, कि रजिस्टर्ड विल के आधार पर उक्त मकान निम्नलिखित व्यक्ति को ट्रान्सफर किया जा रहा है:

1. श्री हनिश ढींगरा पुत्र स्वं श्री हरिश चन्द्र ढींगरा एवं पूजा ढींगरा पुत्री स्व0 श्री हरिश चन्द्र ढींगरा निवासीगण मकान नं0-जे-194, सैक्टर-41, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर (उ0प्र0) के पक्ष में रजिस्टर्ड विल दिनांक 23.07.2021 निष्पादित हुई है।
2. उक्त भूखण्ड संख्या -194 ब्लॉक-जे, सैक्टर-41, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर (उ0प्र0) को श्री हनिश ढींगरा पुत्र स्वं श्री हरिश चन्द्र ढींगरा एवं पूजा ढींगरा पुत्री स्व0 श्री हरिश चन्द्र ढींगरा निवासीगण मकान नं0 -जे-194, सैक्टर-41, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर (उ0प्र0) के पक्ष में अंतरण आवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है। यदि इस संबंध में किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति है तो कृपया अपनी आपत्ति, समस्त साक्ष्य सहित, नौएडा प्राधिकरण के आवासीय भूखण्ड विभाग में इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर दाखिल कर दें।

श्री हनिश ढींगरा एवं पूजा ढींगरा

केन फिन होम्स लिमिटेड

Can Fin Homes Ltd (Sponsor : CANARA BANK) HOME LOANS + DEPOSITS Translating Dreams into Reality

CIN : L85110KA1987PLC008699,
केनरा बैंक बिल्डिंग के ऊपर, प्रथम तल, प्लॉट नं, सी-3, सेक्टर-1, नोएड़ा, उत्तर प्रदेश, पिन कोड़- 201301
ई-मेल : noida@canfinhomes.com, फोन न. : **0120 - 2970164/65/67, 7625079126**

कब्जा सूचना [(नियम 8(1)] (अचल सम्पत्ति हेतु)

अधोहस्ताक्षरी ने केन फिन होम्स लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन और उक्त अधिनियम तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक **मांग सूचना दिनांकित 03-05-2024** जारी की थी जिसमें कर्जदारों **श्री सुशील कुमार पुत्र जगदीश प्रसाद, श्रीमती इन्दु त्यागी पत्नी श्री सुशील कुमार और (गारंटर) श्री गिरीश चन्द्र आर्य पुत्र स्व. श्री बी. एल. शर्मा** से सूचना में वर्णित बकाया राशि **रू. 26,70,203/- (रूपए छब्बीस लाख सत्तर हजार दो सौ तीन मात्र)** तथा वसूली की तिथि तक आगे संविदात्मक दर पर ब्याज का भुगतान उक्त सूचना की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी। कर्जदार उक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद्द्वारा कर्जदार और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा दिनांक **15 जुलाई, 2024** को ले लिया है। कर्जदार का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

कर्जदार को विशेष रूप से तथा सर्वसाधारण को इस संपत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है और संपत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार सीएफएचएल की बकाया राशि **रू. 26,70,203/- (रूपए छब्बीस लाख सत्तर हजार दो सौ तीन मात्र) और उस पर ब्याज के प्रभाराधीन होगा।**

अचल सम्पत्ति का विवरण

फ्लैट नंबर एस-1, द्वितीय तल, बिना छत अधिकार के, फ्रीहोल्ड प्लॉट नंबर 11/एमएल-2, गौड शॉपर्स एम्पायर, सेक्टर-11, वसुंधरा, गाजियाबाद निम्नानुसार परिबद्ध : पूरब : 9 मीटर चौड़ी रोड,पश्चिम : 45 मीटर चौड़ी रोड, उत्तर : प्लॉट नंबर 11/एमएल-1, दक्षिण : प्लॉट नंबर 11/एमएल-3

स्थान : नोएडा **तिथि** : 16-07-2024

प्राधिकृत अधिकार
केन फिन होम्स लिमिटेड

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर-23, शॉल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्ज़दार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।

कर्ज़दार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक कब्ज़ा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	अजीत सिंह/ गीता कुमारी/ LBFDB00006317395/ TBFDB00006259470	फ्लैट नंबर 305, तीसरी मंजिल, टॉवर नंबर टी-12, टाइप-डी1, फैज-2 आगमन, सेक्टर-70, गाँव मुजेरी, तहसील बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद, हरियाणा 121003/ जुलाई 12, 2024	फ़रवरी 26, 2024 रु. 20,97,790/-	पलवल/ फरीदाबाद/ दिल्ली
2.	गौरव उज्जैनवाल/ शारदा/ LBPLW00005870271	फ्लैट नंबर 601, 6वीं मंजिल, टॉवर बी (टी-9), हैप्पी होम्स, गाँव बुडेना में स्थित, सेक्टर 86, तहसील और जिला फरीदाबाद, हरियाणा- 121004/ जुलाई 12, 2024	फ़रवरी 26, 2024 रु. 23,39,797/-	पलवल/ फरीदाबाद/

उपरोक्त कर्ज़दार(रों)/जमानतदार(रों) को राशि वापस करने के लिए 30 दिन का नोटिस जारी किया जाता है, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति(याँ) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के बाद नीलाम कर दी जाएगी।

दिनांक : जुलाई 17, 2024
स्थान : पलवल/ फरीदाबाद

भवदीय, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

एसेट केअर एंड रिकन्स्ट्रक्शन एंटरप्राईज लिमिटेड ("एसीआरई")
CIN : U65993DL2002PLC115769
पंजीकृत कार्यालय: 14वीं मंजिल, ईआरओएस कॉर्पोरेट टॉवर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019. ई-मेल: acre.arc@acreindia.in,वेबसाइट: www.acreindia.in
कॉर्पोरेट कार्यालय: यूनिट नंबर 502, सी विंग, वन बीकेसी, प्लॉट नंबर सी - 66, जी - ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, मुंबई – 400051. फोन: 022 68643101

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

एसेट केअर एंड रिकन्स्ट्रक्शन एंटरप्राईज लिमिटेड (CIN:U65993DL2002PLC115769) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **मिर्जा नौशाद बेग और अंजुम बेगम** को **27.03.2024** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLDUB00242976** की राशि **रू. 52,95,797.93 (रूपये बावन लाख पंचानबे हजार सात सौ सत्तानवे और तिरानबे पैसे मात्र)** और **11.03.2024** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **15.07.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषतः कर्जदारों और सामान्यतः जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू. 52,95,797.93 (रूपये बावन लाख पंचानबे हजार सात सौ सत्तानवे और तिरानबे पैसे मात्र) 11.03.2024** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **एसेट केअर एंड रिकन्स्ट्रक्शन एंटरप्राईज लिमिटेड** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

ईको विलेज-3 नामक परियोजना में, टावर/ब्लॉक-डी, अठारहवीं मंजिल, फ्लैट नं. 1802, सुपर एरिया 1585 स्क्वे. फीट, जीएच-06 में स्थित, सेक्टर 16-बी, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर - 201303, उत्तर प्रदेश

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी

दिनांक : 15.07.2024 **असेट्स केअर एन्ड रिकन्स्ट्रक्शन एन्टरप्राइजेस लि.**
स्थान : गौतम बुद्ध नगर **(102- ट्रस्ट)**

किसी भी शिकायत के लिए आप **श्री मोहम्मद शारिक मलिक,** शिकायत निवारण अधिकारी, फोन नंबर 011-66115609, ईमेल: complaint@acreindia.in से संपर्क कर सकते हैं। संगठन के अंतर्गत शिकायत निवारण तंत्र विस्तृत रुप से https://www.acreindia.in/compliance पर देखी जा सकती है।

एसेट केअर एंड रिकन्स्ट्रक्शन एंटरप्राईज लिमिटेड ("एसीआरई")
CIN : U65993DL2002PLC115769
पंजीकृत कार्यालय: 14वीं मंजिल, ईआरओएस कॉर्पोरेट टॉवर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019. ई-मेल: acre.arc@acreindia.in,वेबसाइट: www.acreindia.in
कॉर्पोरेट कार्यालय: यूनिट नंबर 502, सी विंग, वन बीकेसी, प्लॉट नंबर सी - 66, जी - ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, मुंबई – 400051. फोन: 022 68643101

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड ("आईएचएफएल") प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **अमरजीत सिंह** को **24.07.2018** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLDUB00215616** की राशि **रू. 29,41,758 (रूपये उनतीस लाख इकतालीस हजार सात सौ अट्ठावन पैसे मात्र)** और **24.07.2018** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी। इसके अलावा **आईएचएफएल** ने **इंडियाबुल्स एसेट रिकन्स्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड ("एसीआरई")**के रूप में उपरोक्त कर्ज खाते के अपने सभी अधिकार, शीर्षक और ब्याज **27.06.2023.** को एक असाइनमेंट समझौते के माध्यम से सौंपा है, दिनांक **04.08.2023**के सुधार समझौते के साथ पढें.और कर्ज खाता जिसे **एसीआरई** की पुस्तकों में कर्ज खाता नं.**HHLDUB00215616** के रूप में पुन: क्रमांकित किया गया है, सौंपा है।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **15.07.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषतः कर्जदारों और सामान्यतः जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू. 29,41,758 (रूपये उनतीस लाख इकतालीस हजार सात सौ अट्ठावन पैसे मात्र) 24.07.2018** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **असेट्स केअर एन्ड रिकन्स्ट्रक्शन एन्टरप्राइजेस लि.** के आधीन होगा.

उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

दसवीं मंजिल, आवासीय परिसर फ्लैट नं. 1008, जिसका सुपर एरिया 890 स्क्वे. फीट, ब्लॉक-II, ईको विलेज-4, प्लॉट नं. जीएच 01, सेक्टर-16-बी, ग्रेटर नोएडा - 201303, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश।

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी

दिनांक : 15.07.2024 **असेट्स केअर एन्ड रिकन्स्ट्रक्शन एन्टरप्राइजेस लि.**
स्थान : नोएडा **(102- ट्रस्ट)**

किसी भी शिकायत के लिए आप **श्री मोहम्मद शारिक मलिक,** शिकायत निवारण अधिकारी, फोन नंबर **011-66115609**, ईमेल: **complaint@acreindia.in** से संपर्क कर सकते हैं। संगठन के अंतर्गत शिकायत निवारण तंत्र विस्तृत रुप से **https://www.acreindia.in/compliance** पर देखी जा सकती है।

केन्द्रीय बजट

अनेक उम्मीदें

केन्द्रीय बजट से अनेक उम्मीदें हैं जिनमें ढांचागत विकास, रोजगार सृजन व स्वच्छ ऊर्जा पहलें शामिल हैं। 2024 का केन्द्रीय बजट लोकसभा में 23 जुलाई को पेश किया जाएगा। यह राजग-3 का पहला बजट होगा जिसमें पुरानी नीतियां जारी रहने की उम्मीद है। लेकिन इनमें कुछ परिवर्तन भी हो सकते हैं और केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट में कुछ 'लोकरंजक' कदम उठा सकती हैं। केन्द्रीय बजट 2024-25 के समय भारतीय अर्थव्यवस्था महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है जिसमें तेज वृद्धि की संभावनाओं के साथ ही कुछ चुनौतियां भी बनी हुई हैं। जीडीपी वृद्धि पूर्वानुमान आशाजनक बने हुए हैं जिसका कारण विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से हुआ सुधार है। इनमें खासकर विनिर्माण, सेवायें व तकनीकी क्षेत्र शामिल हैं। लेकिन मुद्रास्फीति का दबाव, उच्च राजकोषीय घाटा तथा वैश्विक आर्थिक अनिश्चिततायें बड़ी चुनौतियां पेश करती हैं। सरकार ने अतीत में ढांचागत संरचना बढ़ाने, डिजिटलीकरण करने तथा स्वच्छ ऊर्जा पहलों के मामलों में सुनियोजित प्रयास किए हैं जिनसे टिकाऊ विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता प्रकट होती है। लेकिन इस प्रगति के बावजूद बेरोजगारी, आय असमानता तथा ग्रामीण क्षेत्रों में परेशानियां बनी हुई हैं जिनके कारण लक्षित राजकोषीय उपायों की आवश्यकता है। उम्मीद है कि आगामी बजट इन चुनौतियों का सामना करते हुए आर्थिक मजबूती को बढ़ावा देगा, निवेश प्रोत्साहित करेगा तथा पूरे देश में समावेशी प्रगति सुनिश्चित करेगा। यह अर्थव्यवस्था को सुसंगत बनाने तथा बीमार क्षेत्रों को ठीक करने का एक अवसर है। लोगों की प्रमुख चिन्ता मुद्रास्फीति बनी हुई है जिसे कठोर

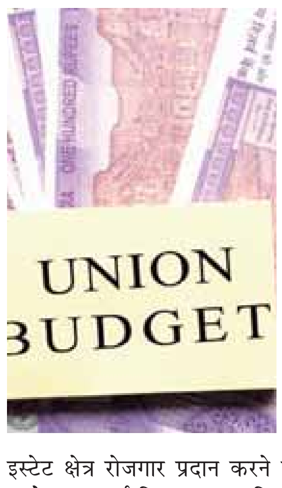

राजकोषीय नियोजन से नियंत्रण में रखा जा सकता है। राजग-3 के केन्द्रीय बजट को ढांचागत विकास तथा रोजगार सृजन को प्राथमिकता देते हुए सार्वजनिक-निजी सहयोग के माध्यम से विनिर्माण क्षेत्र को गति देने वाला होना चाहिए। व्यक्तिगत करों तथा पेंशन योजनाओं में भी बदलाव की उम्मीदें हैं जिनमें दीर्घकालीन टिकाऊपन तथा मध्य वर्ग को राहत को केन्द्र में रखा जा सकता है।

उद्योग जगत को सुधारों और प्रोत्साहनों से काफी उम्मीदें हैं ताकि वह फिर पटरी पर आ सकें। आर्थिक वृद्धि का एक प्रमुख कारक रियल इस्टेट क्षेत्र रोजगार प्रदान करने वाला प्रमुख क्षेत्र भी है। इसे तत्काल उद्योग का दर्जा दिया जाना चाहिए ताकि कम खर्च पर फाइनेंसिंग व कर लाभों तक उसकी पहुंच बन सके। सीमेंट और स्टील जैसी जरूरी सामग्रियों पर ज्यादा टैक्स तथा खासकर सीमेंट पर 28 प्रतिशत जीएसटी पर विचार किया जाना चाहिए। भारत का बिजली वाहन-ईवी क्षेत्र महत्वपूर्ण मोड़ पर है जिसे आगामी बजट से बहुत उम्मीदें हैं। सरकार को फर्मों को अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचने के लिए ईवी के प्रयोग को प्रोत्साहन देना चाहिए। नवीकरणीय ऊर्जा के विभिन्न आयामों पर वर्तमान 18 प्रतिशत जीएसटी के बजाय 5 प्रतिशत करने से 'हरित ऊर्जा' परियोजनाओं का खर्च घटेगा तथा देश भर में इनको तेजी से लागू करने को प्रोत्साहन मिलेगा। आगामी बजट से कर्मचारी कल्याण, औपचारिक रोजगार सृजन, क्रियान्वयन में जटिलता घटाने तथा कौशल की कमी को संबोधित करने की उम्मीद है। रोजगार सृजन तथा लोगों को खासकर तकनीक के क्षेत्र में आवश्यक कौशल को केन्द्र में रखा जाना चाहिए। बजट को तकनीकी ढांचे व संसाधनों पर ज्यादा धन लगाना चाहिए ताकि छात्रों को तकनीक-संचालित रोजगार बाजार के लिए तैयार किया जा सके। बजट को भारत के आर्थिक एजेंडे की दिशा सुनिश्चित करनी चाहिए जिसमें ढांचागत संरचना, रोजगार सृजन, स्वच्छ ऊर्जा व समग्र क्षेत्रीय सुधारों पर ध्यान दिया गया हो।

वृद्धि व क्षेत्रीय विकास को प्राथमिकता

हालांकि, अपने दम पर बहुमत न मिलने से भाजपा दबाव में है, पर यदि कांग्रेस नीत 'इंडिया' सरकार बनाने में सफल होता तो भारत को भयानक आर्थिक विभीषिका का सामना करना पड़ता।

ए.एस. मित्तल
(लेखक, उद्योग जगत से संबद्ध हैं)

चार जून को लोकसभा चुनाव, 2024 परिणाम आने के बाद केन्द्र 'राजकोषीय विभीषिका' की स्थिति से बचने में सफल हुआ है। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा अपने दम पर पूर्ण बहुमत प्राप्त करने में विफल रही, पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-राजग के 53 सांसदों के साथ 293 सांसद जुटा कर वह बहुमत पाने में सफल हुई तथा सरकार बनाई। दूसरी ओर देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' कुल 234 सांसदों का समर्थन ही प्राप्त कर सकी। यदि 'राजग' के केवल 38 सांसद 'इंडिया' समूह में चले जाते तो वह सत्ता तक पहुंच जाती। इस परिदृश्य में कांग्रेस को अप्रैल, 2024 में जारी अपने चुनाव घोषणापत्र-'न्याय पत्र' में किए गए वादे-गारंटियां पूरी करनी पड़तीं। इनका राजकोष पर भारी बोझ पड़ता।

'महालक्ष्मी' योजना के अंतर्गत प्रत्येक गरीब भारतीय परिवार को हर साल 100,000 रुपये अनुदान की बात पर गौर करें। यह बिना शर्त के आर्थिक सहायता सीधे परिवार की सबसे वृद्ध महिला के खाते में जानी थी। यदि परिवार में महिला न होती तो इस धनराशि को परिवार के सबसे वृद्ध व्यक्ति के खाते में जाना था। एक चुनावी रैली में राहुल गांधी ने घोषणा की थी, 'शुरुआत में हम आपको 100,000 रुपये वार्षिक देंगे, जबकि बाद में हम यह राशि बढ़ा कर 2,00,000 भी कर सकते हैं।' भारत में लगभग 400 मिलियन परिवार हैं। यदि हम इन परिवारों में केवल 10 प्रतिशत को ही गरीब मानें तो उनकी संख्या 40 मिलियन होती है। इस प्रकार इस योजना से सरकारी खजाने पर हर साल 400,000 करोड़ रुपये का बोझ पड़ता। यदि यह अनुदान बढ़ा कर 200,000 कर दिया जाता तो यह खर्च बढ़ कर हर साल 800,000 करोड़ हो जातज्ञ।

बजट पर इसके कारण पड़ने वाले भारी प्रभाव को देखते हुए घोषणापत्र में योजना के साथ दो शर्तें लगाई गई थीं। पहला, 'गरीब की पहचान आय पिरामिड के सबसे नीचे वाले परिवारों के आधार पर होगी।' दूसरा, 'इस योजना को चरणों में लागू किया जाएगा तथा हर साल लाभार्थी परिवारों की समीक्षा की जाएगी तथा गरीबी उन्मूलन पर इसके प्रभाव का आंकलन होगा।' ये शर्तें इस आधार पर परिभाषित की गई थीं कि शुरुआत में सभी 40 मिलियन परिवारों को इसमें शामिल नहीं किया जाता। इसके साथ ही पार्टी बोझ को देखते हुए कुछ लाभार्थियों को छोड़ सकती थी। लेकिन योजना के अंतर्गत मिलने वाली भारी धनराशि को देखते हुए एक भी गरीब परिवार एक बार लाभार्थी परिवार के दायरे में शामिल होने के बाद किसी प्रकार उससे बाहर न जाना चाहता।

ऐसा करने का कोई भी प्रयास भारी सामाजिक-आर्थिक तनाव का कारण बनता तथा लाभार्थियों व उनसे वंचित लोगों के बीच टकराव होता। इस कारण सभी 40 मिलियन गरीब परिवारों को हर साल 200,000 लाख रुपये न मिलते।

कांग्रेस की अन्य गारंटियों में 'युवा अप्रेंटिसशिप योजना'-वाईएएस शामिल थी जिसके अंतर्गत प्रत्येक डिप्लोमाधारक बेरोजगार नौजवान को हर साल 100,000 रुपये मिलने थे। वर्तमान समय में 15-29 वर्ष आयुवर्ग के कुल 260 मिलियन युवा हैं और बेरोजगारी दर 10 प्रतिशत है। यदि सभी 26 मिलियन बेरोजगार युवाओं को 100,000 रुपये सालाना दिए जाते तो इससे खजाने पर हर साल 260,000 करोड़ का बोझ पड़ता। 'अप्रेंटिसशिप' एक प्रकार की व्यवस्था है जिसके अंतर्गत किसी युवा को एक समय तक नया कौशल सिखाया जाता है ताकि वह एक उपयुक्त रोजगार या नौकरी प्राप्त कर सके। इस कालखंड में उसे स्टाइपेंड के रूप में एक निश्चित धनराशि मिलती है। तार्किक रूप से इस व्यवस्था में प्रशिक्षण काल समाप्त होने के बाद स्टाइपेंड की कोई आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। लेकिन कांग्रेस ने इसकी कोई रूपरेखा नहीं दी थी कि प्रशिक्षण और उसके बाद अप्रेंटिसशिप पूरी कर चुके युवाओं को किन बिजनेसों में स्थान मिलेगा।

ऐसे परिदृश्य में हर साल 100,000 रुपये प्राप्त करने वाला नौजवान हमेशा वैसा ही बना रहता। इसके परिणामस्वरूप केन्द्र को लगातार हर साल 260,000 करोड़ रुपये का बोझ उठाना पड़ता।कांग्रेस ने न्यूनतम समर्थन मूल्य-एमएसपी की कानूनी गारंटी का वादा किया था। किसन इसे उन सभी 26 फसलों के लिए चाहते थे जिन पर वर्तमान समय में एमएसपी दिया जाता है। अंतत: यह सभी फसलों, यानी सभी कृषि उत्पादों पर लागू होता। सरकार निजी क्षेत्र को एमएसपी पर खरीद के लिए बाध्य नहीं कर सकती, इसलिए उसे सारी फसलें खरीदनी पड़तीं। इससे हर साल खजाने पर 33,00,000 करोड़ रुपये का बोझ पड़ता। कांग्रेस ने 3 मिलियन सरकारी नौकरियों का वादा किया था। यदि औसत वेतन हर महीने 50,000 रुपये मान लिया जाए तो इसे खजाने पर 180,000 करोड़ का बोझ हर साल पड़ता।

यदि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून-मनरेगा के अंतर्गत मजदूरी बढ़ा कर 400 रुपये प्रति दिन कर दी जाए तो इससे लगभग 80,000 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। कांग्रेस ने छात्रों को एक बार कर्ज माफी का वादा भी किया था जिससे लगभग 120,000 करोड़ का बोझ पड़ता। इस प्रकार यदि कुल मिला कर देखा जाए तो कांग्रेस की 'गारंटी योजनाओं' से केन्द्र सरकार पर हर साल 47,40,000 करोड़ रुपये का असाधारण बोझ पड़ता। यदि एक बार छात्रों को माफ किए जाने वाले कर्ज का बोझ छोड़ दिया जाए तो इससे हर साल खजाने पर 46,20,000 करोड़ का बोझ पड़ता।

यह धनराशि 2024-25 के अंतरिम केन्द्रीय बजट में प्रस्तावित 47,66,000 करोड़ रुपये के लगभग बराबर है। इसके साथ ही यह 11,00,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च से चार गुना अधिक है। 2024-25 में केन्द्र सरकार की कर्ज के अलावा कुल प्राप्तियां लगभग 30,80,000 करोड़ थीं। इनमें करों से होने वाली प्राप्तियां 26,02,000 करोड़ हैं। इस प्रकार केवल बहु-प्रचारित 'महालक्ष्मी' योजना पर होने वाला खर्च सारी प्राप्तियों तथा लगभग एक तिहाई कर प्राप्तियों को अपने भीतर समेट लेता। वर्तमान समय में राजकोषीय घाटा 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद-जीडीपी का 5.1 प्रतिशत है। यदि इसमें 'कांग्रेसी गारंटियों' का अतिरिक्त खर्च जोड़ लिया जाए तो यह जीडीपी का 19.1 प्रतिशत हो जाएगा। यह 2020-21 में हुए 9.2 प्रतिशत घाटे से दूना है, जब अर्थव्यवस्था विनाशकारी कोरोनावायरस वैश्विक महामारी के दुष्प्रभाव से पंगु हो गई थी।

यह सोच कर ही भय पैदा हो जाता है कि कांग्रेस की सभी 'गारंटियां' लागू होने के बाद केन्द्र का खर्च लगभग 187,35,000 करोड़ हो जाता। वर्तमान समय में केन्द्र का कर्ज जीडीपी का 57 प्रतिशत है।

राजकोषीय दायित्व एवं बजट प्रबंधन कानून-एफआरबीएम में संशोधन के बाद इसे 2024-25 में घटा कर 40 प्रतिशत किया जाना है। इसके बजाय हम 100 प्रतिशत से अधिक की ओर बढ़ रहे हैं। भारत के मजबूत आर्थिक आधारों, जीवन्त वृद्धि गतिशीलता तथा राजकोषीय मजबूती पर ध्यान देने से वैश्विक रेटिंग एजेंसियों, जैसे एसएंडपी ने हमारी सावरेन रेटिंग बढ़ाई है। इससे देश लगभग डेढ़ शताब्दी बाद 'स्थिर' से 'सकारात्मक' श्रेणी में आने में सफल हुआ है। यदि दुर्भाग्य से 'कांग्रेसी गारंटियां' लागू हो जातीं तो 'राजकोषीय व्यावहारिकता' मिट्टी में मिल जाती। ऐसी स्थिति में राजकोषीय विभीषिका पैदा होती, कर्ज बेलगाम हो जाता, ब्याज की दरें आसमान छूने लगतीं, मुद्रास्फीति बहुत बढ़ जाती, निवेश घट जाता तथा आर्थिक गतिविधियां कम हो जातीं।

'कांग्रेसी गारंटियों' यज्ञ 'खैरातों' के कारण करोड़ों लोगो को कमाने की जरूरत न रहती और वे अपनी सभी जरूरतें पूरी करने के लिए सरकारी खैरातों की ओर देखते रहते। संक्षेप में इससे भारत 'आर्थिक विनाश' की ओर आगे बढ़ता। हालांकि, अपने दम पर पूर्ण बहुमत न मिलने से भाजपा दबाव में है, पर यदि कांग्रेस नीत 'इंडिया' समूह को सत्ता मिल जाती तो भारत निश्चित रूप से आर्थिक विनाश का शिकार बन जाता।

वैश्विक राजनीति में सिनेमा की भूमिका

चैतन्य के प्रसाद
(लेखक, डीएफएफ के पूर्व एडीजी हैं)

फिल्में सिर्फ मनोरंजन से कहीं आगे निकल गई हैं; वे अब वैश्विक राजनीति और सांस्कृतिक संबंधों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। रचनात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से, फ़िल्में सॉफ्ट पावर डायनेमिक्स और भू-राजनीतिक समीकरणों को पोषित करने और विकसित करने के लिए प्रमुख हितधारकों से युक्त पारिस्थितिकी तंत्र का उपयोग करती हैं। भू-राजनीति के क्षेत्र में, फ़िल्में कला से कहीं ज़्यादा हैं; वे देशों द्वारा अपनी सॉफ्ट पावर दिखाने और दुनिया भर में अपने प्रभाव का विस्तार करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शक्तिशाली उपकरण हैं। अपने फ़िल्म उद्योगों के माध्यम से, राष्ट्र ऐसी कहानियाँ साझा करते हैं जो वैश्विक रूप से गूंजती हैं, उनकी पहचान को दर्शाती हैं और कूटनीतिक साधनों के रूप में काम करती हैं। फ़िल्में विभिन्न देशों की सामाजिक गतिशीलता में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं, जो अंतरराष्ट्रीय संबंधों को गहराई से प्रभावित करती हैं। आज, हम एक बहुध्रुवीय दुनिया में रहते हैं जहां सत्ता की गतिशीलता अस्थिर है, और विभिन्न हितधारक, धारणाएं, विचारधाराएं, रणनीतियां, नेटवर्क, इंटरफ़ेस और अंत:क्रियाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

आज हम जिस चुनौती का सामना कर रहे हैं, वह एक जटिल पहेली को जोड़ना है, जहां इस पहेली के हर टुकड़े की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। भौगोलिक सीमाएं तेज़ी से धुंधली हो गई हैं, वैश्वीकरण, संचार को बढ़ाने और एक नए युग की शुरुआत करने के लिए धन्यवाद, जहां प्रौद्योगिकी इन अंत:क्रियाओं को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

नए खिलाड़ियों के उभरने का श्रेय सॉफ्ट पावर डायनेमिक्स की अवधारणा को दिया जा सकता है। जोसेफ एस. नाई द्वारा गढ़ा गया यह विचार संस्कृति, राजनीतिक आदर्शों और नीतियों के माध्यम से आकर्षित करने और मनाने की क्षमता का वर्णन करता है। इस संदर्भ में, सिनेमा सॉफ्ट पावर का एक अनिवार्य घटक बन गया है। एक माध्यम और मंच के रूप में सिनेमा, वैश्विक स्तर पर धारणाओं, दृष्टिकोणों और भू-राजनीतिक रुख को डिकोड करते हुए सॉफ्ट पावर डायनेमिक्स को स्थापित करने

के लिए उत्प्रेरक का काम करता है। बड़े पर्दे पर चित्रण नीतिगत बहस की गतिशीलता, वैश्विक मुद्दों और बहुध्रुवीयता और त्वरित संचार से बंधे वैश्विक ढांचे में विचारों के प्रबंधन में नई सोच को शामिल करता है। अतीत में कई फिल्मों ने बहुआयामी गतिशीलता और विभिन्न पारिस्थितिकी प्रणालियों, राष्ट्रों और व्यक्तियों पर प्रभाव को दर्शाया है। सिनेमा और विदेश नीति का इंटरफेस किसी अवधारणा या विचार की वैश्विक अपील को मजबूत करता है, जिससे सांस्कृतिक कूटनीति के लिए एक गतिशील रूपरेखा तैयार होती है। एक माध्यम के रूप में सिनेमा ने द्विपक्षीयता की गतिशीलता में एक नया उपकरण जोड़ा है, बेहतर सांस्कृतिक समझ के साथ-साथ एक नए दृष्टिकोण, विचारधारा और हस्तक्षेप के चित्रण में रचनात्मक उपकरणों का उपयोग। सिनेमा सहयोग, सहकारिता, सामंजस्य, समन्वय और अभिसरण के एक वाहन के रूप में उभरा है – सिनेमा के 5 पहलू वैश्विक मोर्चे पर, सिनेमा बाधाओं को तोड़ता है, बाधाओं को पार करता है, और पुराने और नए दोनों खिलाड़ियों की रचनात्मकता पर पनपता है। यह अब केवल पश्चिमी या यूरोसेंट्रिक आख्यानों को पूरा नहीं करता है, बल्कि एक विविध वैश्विक परिप्रेक्ष्य को अपनाता है, जो सिनेमा की धारणाओं को आकार देने और वैश्विक शक्ति गतिशीलता में एक नरम स्पर्श जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हाल के वर्षों में भू-राजनीति में सिनेमा का महत्व काफी बढ़ गया है, सरकारें तेजी से ऐसी फिल्म परियोजनाओं को वित्तपोषित कर रही हैं जो उनके राष्ट्रीय हितों और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती हैं। कई देश अपने फिल्म उद्योगों को अपनी वैश्विक छाप को आकार देने के लिए सॉफ्ट पावर के एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उपयोग करते हैं। फिल्मों का प्रभाव उनकी वैश्विक उपस्थिति से बहुत बढ़ जाता है, स्ट्रीमिंग सेवाओं के उदय के कारण जिसने फिल्म वितरण में क्रांति ला दी है, जिससे छोटे बाजारों की फिल्मों के लिए दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचना आसान हो गया है। नेटफ्लिक्स, अमेज़ॅन प्राइम और हुलु जैसे प्लेटफ़ॉर्म ने विभिन्न देशों की फिल्मों तक पहुँच को लोकतांत्रिक बना दिया है, जिससे दुनिया भर के फिल्म निर्माताओं को पारंपरिक वितरण पर निर्भर हुए बिना अपनी सांस्कृतिक कहानियों को प्रदर्शित करने की अनुमति मिलती है।

सिनेमा अपने आकर्षक आख्यानों के माध्यम से जनमत को प्रभावित करके और अंतर्राष्ट्रीय नीतियों को आकार देकर सत्ता संरचनाओं को पार कर जाता है। फिल्में चर्चाओं और राजनीतिक विश्लेषण के लिए मंच के रूप में काम करती हैं, जिससे बातचीत शुरू होती है जो सामाजिक परिवर्तन को प्रेरित कर सकती है। फिल्म निर्माता और अभिनेता सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अंतर्राष्ट्रीय बातचीत को सुविधाजनक बनाने के लिए अपने काम का उपयोग करके महत्वपूर्ण प्रभाव वाले राजदूत के रूप में कार्य करते हैं। सिनेमा नए विचारों और अवधारणाओं के लिए एक मंच बन गया है, जो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों के माध्यम से एकीकरण को बढ़ावा देता है। आज की दुनिया में सिनेमा की भूमिका अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण है। यह कहानी कहने के माध्यम से विचारों को संप्रेषित करने और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को प्रभावित करने के लिए एक कूटनीतिक उपकरण और एक सम्मोहक माध्यम के रूप में कार्य करता है। अपने दर्शकों से परे, सिनेमा का दुनिया भर के वैश्विक नेताओं, नीति निर्माताओं और समुदायों पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है। यह एक दूत के रूप में कार्य करता है, जो मानव जीवन की जटिलताओं को प्रतिबिंबित करने वाली आकर्षक कहानियों के माध्यम से शांति, सहानुभूति और एकजुटता के संदेश फैलाता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सिनेमा अब समकालीन समाज में मनोरंजन से आगे निकल गया है। राष्ट्र विश्व मंच पर अपने एजेंडे और दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए सिनेमा की शक्ति को एक उपकरण के रूप में पहचान रहे हैं, जो कूटनीति में इसके महत्व को रेखांकित करता है।

आप की बात

वृक्षारोपण अभियान

महामारी के बाद इस वर्ष गरमी ने आम आदमी को वनों की महत्ता समझाई है। भट्टी की तरह तपते घरों में कूलर और एसी भी ठंडी हवा नहीं दे पाए। अन्य सालों के मुकाबले इस वर्ष 1.5 डिग्री गरमी में बढोत्तरी हुई है जो चिंता जनक है। मुसीबत यह है कि स्वस्थ पर्यावरण तो हर आदमी चाहता है मगर उसके संरक्षण के लिए वह कतई जागरूक नहीं है और इसमें अपनी समुचित भूमिका नहीं निभाता है। मकानों, मॉलों और शानोशौकत वाली सुविधाओं के निर्माण के नाम पर आम मानवजाति वृक्ष और प्रकृति की सुंदरता के विनाश के लिए उतारू है। लगातार घटते वन क्षेत्र से धरती भट्टी की तरह तप रही है। ऐसे में इंदौर में 51 लाख पौधों का रोपण एक मिसाल बन सकता है बशर्ते पूरे पौधे वृक्ष बनने तक संरक्षित हो। इसके लिए सरकार से ज्यादा आम आदमी की जवाबदारी बनती है। अगर एक साल पौधों का समय-समय पर रखरखाव हो गया तो यह तय है कि ऐसे पौधों से सालों साल खुशहाली मिलती रहेगी। खुशी की बात है कि अब कार्पोरेट ने भी वृक्षारोपण का महत्व समझा है और एक बड़ा उद्योग घराना वृक्षारोपण के लिए लाखों पौधे देने जा रहा है। कार्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के अंतर्गत अन्य उद्योगपतियों को भी इस दिशा में अवश्य ही समय रहते कदम उठाने चाहिए।

– **अमृतलाल मारू,** इंदौर

लोकतंत्र की स्थिति

लोकतंत्र की स्थिति पर दुनिया भर के विद्वान विचार-विमर्श करते रहते हैं। लगभग 195 देशों वाली इस दुनिया में सिर्फ 30 देश ऐसे हैं जहाँ पूर्णत: लोकतंत्र काम कर रहा है। यहां शासकों के बजाय लोगों की राय को महत्व मिलता है। उनमे से भी 10 देश ऐसे हैं जहाँ की नागरिकता पाने के लिए हर कोई लालायित रहता है। स्वयं को लोकतंत्र बताने वाले अनेक देश आज तानाशाही में बदल गए हैं। पडोसी पाकिस्तान की सरकार ने तहरीके इंसाफ़ पर प्रतिबंध लगाने और उसके नेताओं इमरान ख़ान, आरिफ़ अल्वी और कासिम सूरी के खिलाफ कार्रवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया है जिससे उनको देशद्रोही घोषित किया जा सकता है। पाकिस्तानी अदालतों ने इमरान खान को अनेक आरोपों में बरी कर दिया है और उनको जनता का समर्थन भी प्राप्त है, लेकिन सेना उनको आजाद नहीं छोड़ना चाहती है। पाकिस्तान में लोकतंत्र के साथ यह खिलवाड़ नया नहीं है क्योंकि अपने गठन के बाद से वह अधिकांश समय परोक्ष या परोक्ष रूप से फौजी शासन में रहा है। लोकतंत्र के साथ छेड़छाड़ न केवल उस देश की जनता को अधिकारों से वंचित करती है, बल्कि कभी-कभी विश्व शांति के लिए खतरा भी पैदा करती है।

– **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

गेमिंग की लत

बच्चों में गेमिंग की लत एक गंभीर समस्या के रूप में सामने आई है। युवाओं में ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ती लत से चिंतित केंद्र सरकार ने मार्च में इसे बेहतर ढंग से समझने, आवेगपूर्ण व्यवहार पर अंकुश लगाने और स्वस्थ डिजिटल आदतों को बढ़ावा देने के लिए एक अध्ययन का फैसला किया था। विशेषज्ञों का कहना है कि हाल में यह प्रवृत्ति बहुत व्यापक हो गई है। अब तक सरकारी अध्ययन के बारे में और कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन गेमिंग की बढ़ती लत से नौजवानों और बच्चों का जीवन और भविष्य तेजी से बरबाद हो रहा है। अत: समस्या से निपटने के कदम तत्काल उठाए जाने चाहिए। एक रास्ता सभी प्रकार के वीडियो गेम्स, ऑनलाइन सट्टे वाले गेम्स और अश्लील सामग्री पर तुरंत सख्त पाबंदी लगा दी जाए। चीन में गेम खेलने का समय नियंत्रित किया जा रहा है। लेकिन हमारे यहां इसे रोकने का व्यापक तंत्र नहीं है। विडंबना है कि ऐसे गेमों के विज्ञापन को आजादी मिली है जिसमें अनेक सेलेब्रिटी भी शामिल हो जाते हैं। गेम्स के विज्ञापनों पर तत्काल प्रतिबंध जरूरी है। इसके साथ ही छात्रों, शिक्षकों व बच्चों के माता-पिता में गेम्स के खिलाफ एक जागरूकता अभियान चलाने के तरीके खोजने चाहिए।

सुभाष बुडावन वाला, रतलाम

सीढ़ियों का महत्व

लिफ्ट के युग में सीढ़ियों से चढ़कर जाना बुजुर्ग क्या युवा भी पसंद नहीं करते हैं। लिफ्ट का ही दूसरा रूप एसकेलेटर है। जो कि सीढ़ियों की तरह ही बिना श्रम किए आपको ऊपर नीचे लाती ले जाती है। लेकिन इसके नकारात्मक असर भी होते हैं। आरामतलबी की वजह से अनेक किशोरों और युवाओं में मोटापे की समस्या घर कर रही है। इसके बावजूद सभी को लिफ्ट ही चाहिए। वैसे सीढ़ियों पर चढ़ना और उतरना केवल भौतिक क्रिया के बजाय साहित्य, कल्पना और दर्शन का विषय भी रहा है। सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ते-चढ़ते पता नहीं कब जीवन की शाम आ जाती है। अनेक लोगों को वैभव व समृद्धि के शिखर पर पहुंचने पर चढ़ने का परिश्रम व्यर्थ होता नजर आता है, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। अत: जीवन की सीढ़ियों पर भी हमें अपने लक्ष्य तक पहुंचने के बाद वह जमीन भी देखनी चाहिए जहां से शुरुआत हुई थी। खुद प्रगति और समृद्धि की सीढ़ियों पर चढ़ने में सफलता के बाद हमें दूसरों को भी उन पर चढ़ने में सहायता करनी चाहिए। इससे ही पूरा देश और समाज भी प्रगति और जीवन का आनन्द उठाने में सफल होंगे।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

मंडी परिषद में भी लागू होगी ई-आक्शन प्रणाली: मुख्यमंत्री

चारों कृषि विश्वविद्यालयों में स्थापित होंगे टिशू कल्चर लैब

- अब नगरीय क्षेत्रों में भी बनेंगे हाट-पैठ
- मंडी समिति में खाद्य तेलों पर यूजर चार्ज समाप्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के संचालक मंडल की 170वीं बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा किसानों का हित संरक्षण सुनिश्चित करते हुए विभिन्न दिशा-निर्देश दिए गए। राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद द्वारा किसानों के हित का ध्यान रखते हुए किये जा रहे प्रयासों की सीएम ने सराहना की। उन्होंने कहा कि मंडी शुल्क को न्यूनतम करने के बाद भी राजस्व से संग्रह में मंडियों का अच्छा योगदान है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में जहां 1553 करोड़ की आय हुई थी, वहीं 2023-24 में लगभग 1862 करोड़ की आय हुई। वहीं वर्तमान वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में लगभग 400 करोड़ का राजस्व संग्रहीत हो चुका है। मंडी शुल्क न्यूनतम होने के बाद भी मंडियों से राजस्व संग्रह में हुई बढ़ोतरी सराहनीय है। यह राजस्व किसानों के हित में ही व्यय किया जाए। सीएम ने कहा कि मंडी किसानों के लिए है। दूरदराज से किसान अपनी फसल लेकर यहां आता है। ऐसे में यहां उनकी सुविधा और सुरक्षा के सभी प्रबंध होने चाहिए। मंडियों में साफ-सफाई, जल निकासी की अच्छी व्यवस्था हो। प्रकाश की समुचित व्यवस्था हो। जलभराव की स्थिति न हो। शौचालय/पेयजल के पर्याप्त इंतज़ाम रखें। यहां किसानों के लिए विश्राम कक्ष और सस्ते दर वाली कैंटीन की व्यवस्था भी कराई जाए। मंडी परिसर में कहीं भी अतिक्रमण नहीं होना चाहिए। जिस दुकान का जितना क्षेत्र है, उसका फैलाव उस सीमा के अंदर ही होना चाहिए। इस व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू कराएं। नव स्थापित प्रसंस्करण इकाई को मंडी शुल्क से छूट देने की व्यवस्था का सरलीकरण किया जाना चाहिए। वर्तमान में इकाई स्थापना के दिनांक से छह माह के भीतर मंडलायुक्त के समक्ष आवेदन करना होता है, जिसे मंडलायुक्त द्वारा रिपोर्ट के लिए जिला मैजिस्ट्रेट को भेजा जाता है। इस व्यवस्था का सरलीकरण करते हुए इकाई द्वारा आवेदन सीधे जिला मैजिस्ट्रेट के समक्ष ही किया जाए और जिला मैजिस्ट्रेट द्वारा अगले 7 दिनों में रिपोर्ट के लिए मंडी समिति को भेज दिया जाए। गोरखपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बरीपाल और मुरादाबाद की मंडी समिति में खाद्य तेलों पर यूजर चार्ज लिए जाने की व्यवस्था है। व्यापारियों के हित में इसे समाप्त किया जाना चाहिए। यदि कोई व्यापारी वर्ष भर में मंडी की दुकान से जितने मूल्य के खाद्य तेलों का व्यापार करे, न्यूनतम उतने ही मूल्य के कृषि उत्पाद, जिन पर मण्डी शुल्क या यूजर चार्ज लिया जाता है, का भी भी व्यापार करे तो उनसे खाद्य तेल पर यूजर चार्ज न लिया जाए। मंडी परिषद एवं मंडी समितियों में विभिन्न विभागीय सम्पत्तियों की नीलामी को शुचितापूर्ण और पारदर्शी बनाने के लिए मैनुअल के स्थान पर ई-ऑक्शन व्यवस्था लागू किया जाए। जनप्रतिनिधियों द्वारा ग्रामीण अंचलों के अतिरिक्त कतिपय नगरीय क्षेत्रों में भी हाट-पैठ निर्माण कराये जाने की माँग की जाती रही है। इसका सम्मान करते हुए जिन नगर पंचायत, नगर पालिका अथवा नगर निगम में स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप अच्छे हाट-पैठ बनाए जाएं। नए अधिसूचित नगरीय निकायों को प्राथमिकता दें। हाट-पैठ बनने के बाद संबंधित मंडी समिति द्वारा इसे नगर पंचायत, नगर पालिका अथवा नगर निगम को हस्तान्तरित कर दिया जाए। हाट-पैठ के संचालन/ अनुरक्षण/ साफ-सफाई तथा परिसम्पत्तियों की सुरक्षा व्यवस्था का दायित्व संबंधित नगरीय निकाय का होगा।

सीएम योगी ने विधानसभा अध्यक्ष के घर पहुंचकर जाना उनका हाल

- तबियत बिगड़ने पर पिछले महीने की गई थी सतीश महाना की ओपन हॉर्ट सर्जरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के घर पहुंचे। सीएम ने उनका हालचाल जाना। तबियत बिगड़ने पर जून में विधानसभा अध्यक्ष का गुरुग्राम में ऑपरेशन हुआ था। सीएम योगी मंगलवार सुबह विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के 16-कालिदास मार्ग लखनऊ स्थित आवास पहुंचे। यहां महाना के परिजनों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका हालचाल जाना, फिर विधानसभा अध्यक्ष के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

2023-24 में 17 प्रतिशत तक बढ़ा यूपीपीसीएल का राजस्व

- रेवेन्यू कलेक्शन में भी यूपीपीसीएल ने हासिल की उपलब्धि
- पीक डिमांड के बावजूद 15 मार्च से 30 जून 2024 तक प्रदेश भर में सुनिश्चित की गई 24 घंटे विद्युत आपूर्ति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप उत्तर प्रदेश विद्युत निगम लि. (यूपीपीसीएल) प्रदेश में बेहतर विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के साथ-साथ रेवेन्यू कलेक्शन के क्षेत्र में भी लगातार वृद्धि कर रहा है। 2023-24 में उसका रेवेन्यू कलेक्शन 2022-23 की तुलना में 17 प्रतिशत से अधिक रहा है। 2022-23 में जहां यूपीपीसीएल का रेवेन्यू कलेक्शन 59,635 करोड़ रुपए रहा था तो वहीं, 2023-24 में यह 17.63 प्रतिशत बढ़कर 70,153 करोड़ रुपए पहुंच गया है। इसके अतिरिक्त 2023-24 में प्रदेश में विद्युत कनेक्शन की संख्या करीब 3.46 करोड़ और कुल लोड 73,835 मेगावाट पहुंच गया।

हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष हुई बैठक में यूपीपीसीएल ने बताया कि 2023-24 में विभाग का रेवेन्यू कलेक्शन 17.63 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 70,153 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस दौरान कलेक्शन एफिशिएंसी और बिलिंग एफिशिएंसी में भी काफी सुधार हुआ है। कलेक्शन एफिशिएंसी जहां 2022-23 में 93.42 प्रतिशत थी तो वहीं 2023-24 में यह 99.54 प्रतिशत पर पहुंच गई। वहीं बिलिंग एफिशिएंसी 2022-23 के 83.35 प्रतिशत की तुलना में 2023-24 में सुधरकर 84.44 प्रतिशत पर पहुंच गई। बिलिंग एफिशिएंसी का मतलब विद्युत उपभोक्ताओं को सही और समय पर बिजली के बिल दिए जाने से है, जबकि कलेक्शन एफिशिएंसी का मतलब उपभोक्ताओं से बिजली बिल के सही समय पर वसूली से है। 2023-24 में प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं की कुल संख्या 3.46 करोड़ के करीब पहुंच गई है। 2022-23 में यह संख्या करीब 2.37 करोड़ तो 2021-22 में 3.16 करोड़ से अधिक थी। मौजूदा उपभोक्ताओं में 60 प्रतिशत उपभोक्ता ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। वहीं,प्रदेश में घरेलू उपभोक्ताओं की संख्या 87 प्रतिशत, कॉमर्शियल एवं इंडस्ट्रियल उपभोक्ता 7 प्रतिशत,कृषि उपभोक्ता 4 प्रतिशत है। रेवेन्यू कलेक्शन में घरेलू उपभोक्ताओं का हिस्सा 39 प्रतिशत है, जबकि इंडस्ट्रियल का 22 प्रतिशत, गवर्नमेंट का 13 प्रतिशत, नॉन डॉमेस्टिक का 12 प्रतिशत, बल्क सप्लाई, टेंपरेरी कनेक्शन का 9 प्रतिशत और कृषि का 5 प्रतिशत भागीदारी है। लोड की बात करें तो 2022-23 की तुलना में इसमें भी काफी वृद्धि हुई है। 2022-23 में जहां यह 70,137 मेगावाट था, वहीं 2023-24 में बढ़कर यह 73,835 मेगावाट पहुंच गया। यूपीपीसीएल के अध्यक्ष आशीष कुमार गोयल के अनुसार, इस वर्ष भीषण गर्मी को देखते हुए मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर 15 मार्च से 30 जून तक प्रदेश भर में पीक डिमांड के बावजूद 24 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराई गई है। इस दौरान जिला मुख्यालय स्तर पर, तहसील मुख्यालय, महानगर और ग्रामीण स्तर पर 24 घंटे विद्युत आपूर्ति की गई है। उन्होंने बताया कि 2024-25 में पीक डिमांड 30,618 मेगावाट तक पहुंची, जो रिकॉर्ड है। इससे पूर्व 2023-24 में पीक डिमांड 29043 मेगावाट रही थी। 13 जुलाई 2024 तक एवरेज डिमांड में 16 प्रतिशत की वृद्धि रही।

पौधरोपण अभियान में लगेंगे सहजन के 55 लाख पौधे

- हर आंगनबाणी केंद्र और पीएम आवास लाभार्थी के घर के सामने होगा पौधरोपण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार हर बार की तरह इस बार भी पौधरोपण का रिकार्ड बनाने जा रही है। 20 जुलाई को एक दिन में 36.50 करोड़ पौधों के रोपण से यह रिकॉर्ड बनेगा। हर साल लगभग इसी सीजन में किए जाने वाले पौधरोपण का मकसद प्रदेश में हरितिमा बढ़ाना, पर्यावरण को स्वच्छ व सुंदर बनाना, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को कम करना है। साथ ही योगी सरकार इस अभियान के जरिये लोगों की सेहत का भी ख्याल रखती है। यही वजह है कि अपनी तमाम खूबियों के कारण पोषण का पावर हाउस और चमत्कारिक पौध कहे जाने वाले सहजन के पौधरोपण पर खास ध्यान देती है। इस बार के पौध रोपण अभियान में भी सहजन के 55 लाख पौधे लगाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश है कि हर आंगनवाड़ी केंद्र, प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को सहजन के पौधे दिए जाएं। यही नहीं विकास के मानकों पर पिछड़े आकांक्षात्मक जिलों में हर परिवार को सहजन के कुछ पौधे लगाने को भी प्रेरित किया जाए। गृह वाटिका के पीछे भी सीएम की यही सोच रही। दरअसल अगर लोग सहजन की खूबियों को जान जाएं और उनका सेवन करें तो यह कुपोषण के खिलाफ एक सफल जंग सरीखा होगा। अब तो केंद्र सरकार भी सहजन की खूबियों की मुरीद हो चुकी है। पिछले साल केंद्र ने राज्यों को निर्देश दिया था कि वे पीएम पोषण योजना में स्थानीय स्तर पर सीजन में उगने वाले पोषक तत्वों से भरपूर पालक, अन्य शाक-भाजी एवं फलियों के साथ सहजन को भी शामिल करें।

दुनिया में जहां-जहां कुपोषण की समस्या है, वहां सहजन का वजूद है। यही वजह है कि इसे दैवीय चमत्कार भी कहते हैं। दक्षिणी भारत के राज्यों आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और कर्नाटक में इसकी खेती होती है। साथ ही इसकी फलियों और पत्तियों का कई तरह से प्रयोग भी। तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय ने पीकेएम-1 और पीकेएम-2 नाम से दो प्रजातियां विकसित की हैं। पीकेएम-1 यहां के कृषि जलवायु क्षेत्र के अनुकूल भी है। यह हर तरह की जमीन में हो सकता है। बस इसे सूरज की भरपूर रोशनी चाहिए। सहजन की खूबियां यहीं खत्म नहीं होतीं। चारे के रूप में इसकी हरी या सूखी पत्तियों के प्रयोग से पशुओं के दूध में डेढ़ गुने से अधिक और वजन में एक तिहाई से अधिक की वृद्धि की रिपोर्ट है। यही नहीं इसकी पत्तियों के रस को पानी के घोल में मिलाकर फसल पर छिड़कने से उपज में सवाया से अधिक की वृद्धि होती है। सहजन सिर्फ एक पौधा नहीं है बल्कि खुद में पोषण का पावरहाउस है। इसकी पत्तियों एवं फलियों में 300 से अधिक रोगों की रोकथाम के गुण होते हैं। इनमें 92 तरह के विटामिन्स, 46 तरह के एंटी ऑक्सीडेंट, 36 तरह के दर्द निवारक और 18 तरह के एमिनो एसिड मिलते हैं।

तुलनात्मक रूप से सहजन के पौष्टिक गुण

विटामिन सी- संतरे से सात गुना
विटामिन ए- गाजर से चार गुना
कैल्शियम- दूध से चार गुना
पोटैशियम- केले से तीन गुना
प्रोटीन- दही से तीन गुना।

आजमगढ़ का ईनामी अपराधी तबरेज महाराष्ट्र से गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आजमगढ़ जिले से वांछित और 50 हजार रुपए के ईनामी अपराधी तबरेज को एसटीएफ ने मुम्बई के धारावी बस स्टैंड से गिरफ्तार किया। तबरेज मुडियार, थाना फूलपुर, जनपद आजमगढ़ का रहने वाला है और वर्तमान में मुकुन्द नगर, मुम्बई में रह रहा था। अभिसूचना संकलन के दौरान ज्ञात हुआ कि थाना फूलपुर, जनपद आजमगढ़ में पंजीकृत गैंगेस्टर एक्ट के मुकदमे का वांछित अपराधी तबरेज मुम्बई में रहता है। इस सूचना पर एसटीएफ की एक टीम मुम्बई रवाना हुई। टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर तबरेज को धारावी बस डिपो के बगल में राजीव गांधी नगर, थाना धारावी, मुम्बई से गिरफ्तार कर कर लिया। जिसे ट्रांजिट रिमांड पर यूपी लाया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त तबरेज ने पूछताछ पर बताया कि उसका एक गिरोह है, जो पिछले कई वर्षों से गाड़ियों की चोरी करता है। यह गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर गाड़ियों चुराता था और कुछ दिन बाद उसे लोगों को बेच देता था। 6 सिंतबर 2022 को अपने गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर बोलेरो गाड़ी चोरी किया था। उसी बोलेरो से यह लोग कहीं जा रहे थे, तब तक स्थानीय पुलिस द्वारा इनको गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। जेल से छूटने के बाद यह मुम्बई चला गया और वहां पर ओला गाड़ी चलाता था।

सपा प्रतिनिधिमंडल कल जाएगा सुल्तानपुर

लखनऊ। सपा प्रमुख अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मण्डल गुरुवार 18 जुलाई को जनपद सुल्तानपुर जायेगा। जनपद सुल्तानपुर के कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के नगर पंचायत लम्भुआ निवासी विजय बरनवाल का रेलवे ट्रैक पर शव पड़ा मिला तथा दूसरी घटना जनपद सुल्तानपुर के थाना कूरेभार अन्तर्गत गुप्तारगंज बाजार में गल्ला व्यवसायी राजेश उर्फ रोहित जायसवाल की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों घटनाओं की जांच तथा शोकाकुल परिवार से मिलने हेतु प्रतिनिधि मण्डल जनपद सुल्तानपुर पहुंचेगा।

भाजपा सरकार नए-नए कानून बनाकर कर रही उत्पीड़न: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि केन्द्र से जब तक भाजपा बेदखल नहीं होगी तब तक भारत के संविधान पर खतरा बना रहेगा। भाजपा सरकार के रहते न आरक्षण के प्राविधान बचेंगे और न सामाजिक न्याय मिलेगा। किसानों की आय दुगनी नहीं होगी। नौजवानों की बेरोजगारी बनी रहेगी। भाजपा सरकार नए-नए कानून बनाकर निर्दोशों का उत्पीड़न कर रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने यह बात मंगलवार को पार्टी मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में जनता ने भाजपा को सबक सिखाया है। अब भाजपाई एक-दूसरे को कोस रहे हैं।

यादव ने कहा कि अयोध्या ने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा दी है। अयोध्या के निर्णय से सारे देश का सम्मान बढ़ा है। अयोध्या को लेकर भाजपा नेताओं को नींद नहीं आ रही है। वे हताश-निराश है। भाजपा को अपनी करनी भोगनी पड़ रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में पीडीए इंडिया गठबंधन की जीत के बाद अब 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता भाजपा का सफाया करेंगे।

यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार ने अयोध्या में पहले भी विकास कार्य किए थे। फिर समाजवादी सरकार बनने पर अयोध्या को वर्ल्ड क्लास बेस्ट सिटी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि वैसे भी समाजवादी सरकार ने जो काम किए वे टिकाऊ है और आज भी वैसे ही दिख रहे हैं। समाजवादी सरकार में जो लैपटॉप छात्र-छात्राओं को दिये गये थे वे आज भी चल रहे हैं। अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि आने वाले उपचुनाव में भी हमारे कार्यकर्ता भाजपा को हराने का काम करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जोर देकर कहा कि साइकिल चुनाव चिह्न और समाजवादी झंडा को याद रखना है।

इस अवसर पर करतलिया बाबा आश्रम, संत तुलसीदास घाट अयोध्या के महंत रामदास जी महाराज (बालयोगी) ने अखिलेश यादव के उज्जवल भविष्य की शुभकामना की और जीवन में सदा सफलता का आशीर्वाद दिया। अयोध्या के महंत ने अखिलेश यादव सहित अवधेश प्रसाद सांसद फैजाबाद-अयोध्या, राजेन्द्र चौधरी राष्ट्रीय सचिव तथा श्याम लाल पाल प्रदेश अध्यक्ष को राम नामी ओढ़ाकर सम्मानित किया।

ध्यान बांटने के लिए केवल दिखावटी कार्य कर रही सरकार : मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में डिजिटल अटेंडेंस को लेकर चल रहे शिक्षकों के आंदोलन को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में ज़रूरी बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव होने के कारण वहां बदहाली की शिकायतें आम रही हैं, जिस पर समुचित बजटीय प्रावधान करके उन गंभीर समस्याओं का उचित हल करने के बजाय सरकार उस पर से ध्यान बांटने के लिए केवल दिखावटी कार्य कर रही है, जो उचित नहीं है। मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर आगे लिखा कि शिक्षकों की डिजिटल हाज़िरी भी सरकार का ऐसा ही नया कदम लगता है जो जल्दबाजी में बिना पूरी तैयारी के ही थोप दिया गया है। इससे कहीं ज्यादा जरूरी है शिक्षकों की सही व समुचित संख्या में भर्ती के साथ ही बुनियादी सुविधाओं का विकास ताकि अच्छी गुणवत्ता वाली पढ़ाई सुनिश्चित हो सके।

पुलिस हिरासत में मौत की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जनपद जालौन में विगत दिनों राजकुमार नामक व्यक्ति की पुलिस हिरासत में रहस्यमय तरीके से हुई मौत के मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी से भेंट की। राय ने डीजीपी से मिलकर प्रदेश में पुलिस हिरासत में हो रही मौतों के साथ-साथ लूट-हत्या, महिला उत्पीड़न, पश्चिमी यूपी के जिले अलीगढ़ और शामली में मॉब लंचिंग की घटनाओं पर उनका ध्यान आर्कषित कराया। इस संबंध में उन्होंने डीजीपी को ज्ञापन सौंपा एवं तत्काल प्रभाव से प्रदेश में कानून व्यवस्था कायम किए जाने तथा दोषी पुलिसकर्मियों पर त्वरित कठोर कार्यवाही के लिए अनुरोध किया। राय ने कहा हैकि प्रदेश में पुलिस हिरासत में हो रही मौतें लगातार बढ़ रही हैं। लोकसभा में पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार, देश में हर दिन 6 लोगों की मौत पुलिस हिरासत में हो रही हैं। इस मामले में उत्तर प्रदेश नम्बर वन पर है। वर्ष 2021-22 में अकेले उत्तर प्रदेश में 501 लोगों की पुलिस हिरासत में मौत हुई है जो कि प्रदेश में व्याप्त अराजकता का प्रतीक है।

कांग्रेस मुख्यालय में केक काटकर मनाया गया प्रमोद तिवारी का जन्मदिन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी के जन्मदिन के मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय पर वरिष्ठ कांग्रेसजनों, नेताओं/कार्यकर्ताओं द्वारा केक काटकर जन्मदिन मनाया और उनके दीर्घायु होने की कामना की गई। प्रमोद तिवारी के जन्मदिन के अवसर पर पूर्व पार्षद, पूर्व प्रदेश प्रवक्ता शैलेंद्र तिवारी बबलू ने सिविल अस्पताल में मरीजों को फल वितरण किया, प्रदेश मुख्यालय पर वरिष्ठ नेता द्विजेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश महासचिव मुकेश सिंह चौहान, वरिष्ठ नेता अमरनाथ अग्रवाल, वीरेंद्र मदान, बबलू पांडे, संपूर्णानंद मिश्रा, प्रदेश प्रवक्ता अंशू अवस्थी, प्रवक्ता सचिन रावत, देवेंद्र प्रताप सिंह, राजेश सिंह, आरती बाजपेई, डॉ शहजाद, सिद्धार्थ प्रिय श्रीवास्तव डॉक्टर सीमा, सुधांशु बाजपेई आदि उपस्थित रहे।

ब्लॉक स्तर की सड़कों के कायाकल्प का 88.27 प्रतिशत कार्य पूर्ण

- वर्ष 2024 में अब तक ब्लॉक मुख्यालयों को जोड़ने वाले 2 लेन सड़क के कुल 162 कार्यों में से 143 हुए पूरे, 13 अन्य कार्य भी दिसंबर 2024 तक होंगे पूरे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हुए उसे उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में योगी सरकार लगातार प्रयासरत है। एक ओर, प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के लिए योगी सरकार प्रदेश में औद्योगिक विकास पर फोकस कर रही है, वहीं प्रदेश के नागरिकों को उत्तम परिवहन सुविधाएं देने के लिए अच्छी सड़कों के संजाल को भी विकसित कर रही है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में पिछले 7 वर्षों में रोड इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति में व्यापक बदलाव आया है। चाहें नेशनल हाइवे हों, स्टेट हाइवे हों, मुख्य जनपदीय मार्ग (एमडीआर) हों या फिर ब्लॉक व गांवों को जोड़ने वाली सड़कें हों, सभी का समेकित विकास हो रहा है। सीएम योगी के विजन अनुसार तैयार की गई विस्तृत कार्ययोजना पर काम तेजी से जारी है और इसी का परिणाम है कि ब्लॉक मुख्यालयों को जोड़ने वाली 2 लेन सड़कों से संबंधित 88.27 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गए हैं। शेष कार्यों को भी जनवरी 2025 की पहली तिमाही के अंदर पूरा कर लिया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग के आंकड़ों के अनुसार, ब्लॉक स्तर के सड़कों और मुख्य तौर पर ब्लॉक मुख्यालय को जोड़ने वाले 2 लेन सड़क के कुल 162 कार्य प्रदेश में पूर्ण किए जाने हैं। इनमें से 88.27 प्रतिशत यानी 143 कार्यों को अब तक पूरा किया जा चुका है। शेष 8 कार्यों को सितंबर तक तथा 5 कार्यों को दिसंबर तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इस प्रकार, इस वर्ष के अंत तक 13 लंबित कार्यों को पूर्ण कर लिया जाएगा जबकि शेष 6 कार्यों को वर्ष 2025 की पहली तिमाही में पूर्ण कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इन सभी कार्यों को निर्धारित समायवधि के अंदर पूरा करने पर योगी सरकार का विशेष फोकस है और यही कारण है कि ब्लॉक स्तर पर सड़क निर्माण व पुनर्विकास की योजनाओं को तेजी से पूरा किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग के आंकड़ों से इस बात की जानकारी मिलती है कि प्रदेश में अंतर्राज्यीय सीमा वाले मार्गों के विकास कार्यों को भी योगी सरकार तेजी से पूर्ण करने की ओर बढ़ रही है। प्रदेश में अंतर्राज्यीय सीमा वाले मार्गों के विकास के कुल 102 कार्यों को पूर्ण किया जाना है जिसमें से 86 कार्यों को पूर्ण कर लिया गया है, जो कि कुल कार्यों का लगभग 85 प्रतिशत है। फिलहाल, कुल 16 विकास कार्य निर्माणाधीन हैं, इनमें से 8 कार्यों को वर्ष 2024 के दिसंबर महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा जबकि शेष 8 कार्यों को वर्ष 2025 की पहली तिमाही में पूर्ण कर लिया जाएगा।

सावन में हर सोमवार विभिन्न स्वरूपों में दर्शन देंगे बाबा विश्वनाथ

- दर्शन में श्रद्धालुओं को न हो परेशानी, चाक चौबंद व्यवस्था में जुटा मंदिर प्रशासन
- 22 जुलाई से 19 अगस्त तक चलेगा महादेव का अतिप्रिय सावन मास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ वाराणसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रावण मास में काशी विश्वनाथ धाम में आने वाले भक्तों के सुमग दर्शन व सुरक्षा का निर्देश दिया है। वहीं दर्शन में श्रद्धालुओं को भी परेशानी न हो, इसके लिए मंदिर प्रशासन चाक चौबंद व्यवस्था में जुटा है। 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्रावण मास के सभी सोमवार को महादेव अलग-अलग रूपों में दर्शन देंगे। इस वर्ष सावन में पांच सोमवार पड़ रहे है। प्रत्येक सोमवार को बाबा विश्वनाथ का अलग अलग स्वरूपों में श्रृंगार किया जाएगा। महादेव का अति प्रिय सावन मास इस वर्ष 22 जुलाई (सोमवार) से प्रारंभ होकर 19 अगस्त (सोमवार) तक चलेगा।

शिवमय काशी सावन में अलग ही रंग में दिखती है। श्रावण माह के सभी सोमवार को बाबा अपने विभिन्न स्वरूपों में दर्शन देंगे। प्रत्येक सोमवार को उनके अलग-अलग स्वरूपों में श्रृंगार किया जाएगा। गौरी शंकर स्वरूप का श्रृंगार, अर्धनारीश्वर स्वरूप का श्रृंगार, बाबा का अपने परिवार माता पार्वती, कार्तिकेय और गणेश जी के साथ श्रृंगार होगा। इसके अलावा बाबा का रुद्राक्ष श्रृंगार व श्रावण पूर्णिमा वार्षिक झूला श्रृंगार भी किया जाएगा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि इस वर्ष सावन के सभी पांचों सोमवार को बाबा का श्रृंगार उनके अलग अलग स्वरूपों का किया जायेगा। बाबा के दर्शन के लिए आने वाले भक्त श्री काशी विश्वनाथ का निम्न स्वरूपों का दर्शन कर पाएंगे।

सोमवार और श्रृंगार का रूप

- 22 जुलाई -2024-पहला सोमवार-बाबा के चल प्रतिमा का श्रृंगार
- 29 जुलाई-2024-दूसरा सोमवार-गौरी शंकर (शंकर पार्वती) श्रृंगार
- 5 अगस्त 2024-तीसरा सोमवार-अर्धनारीश्वर श्रृंगार
- 12 अगस्त-2024-चौथा सोमवार-रुद्राक्ष श्रृंगार
- 19 अगस्त -2024-पांचवा सोमवार- शंकर पार्वती गणेश श्रृंगार एवं श्रावण पूर्णिमा वार्षिक झूला श्रृंगार

सीडीओ ने समस्त विभागाध्यक्षों को दिए निर्देश, शीघ्र ही समस्त कार्यालय करेंगे ई-ऑफिस प्रणाली पर कार्य

कानपुर देहात। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का एक अभिन्न अंग होने के नाते ई.ऑफिस सरकारी कार्यालयों में एक सरलीकृत, उत्तरदायी, प्रभावी, जवाबदेह और पारदर्शी कार्यप्रणाली प्राप्त करने का माध्यम है। ई.ऑफिस की गति और दक्षता न केवल विभागों को सूचित और त्वरित निर्णय लेने में सहायता करती है बल्कि उन्हें पेपरलेस भी बनाती है। यह एक डिजिटल वर्क प्लेस सॉल्यूशन है, जो ओपन आर्किटेक्चर पर बनाया गया है, जो इसे सरकारी कार्यालयों में प्रतिकृति के लिए एक मानक पुनरू प्रयोज्य उत्पाद बनाता है। इस प्रणाली को जनपद स्तर पर संचालित करने हेतु सीडीओ लक्ष्मी एन की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सभी विभागाध्यक्षों के साथ बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने सभी अधिकारियों को आज ही अपने नोडल विभागों के माध्यम से आईडी बनाये जाने हेतु निर्देशित किया। ई.ऑफिस के प्रमुख घटकों के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए जिला सूचना विज्ञान अधिकारी विकास गुप्ता द्वारा बताया गया कि यह एक कार्यप्रवाह आधारित प्रणाली है जो एक अधिक कुशल इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली के साथ.साथ फ़ाइलों की मौजूदा मैन्युअल हैंडलिंग की सुविधाओं का विस्तार करती है। इसमें एक फाइल में काम करने के सभी चरण शामिल हैं, स्कैनिंग, इलेक्ट्रॉनिक डायरीकरण, फाइल निर्माण, नोटिंग निर्माण, नोटिंग और ड्राफ्ट पर डिजिटल हस्ताक्षर, प्रेषण, तेजी से प्रसंस्करण और फाइलों और रसीदों की आवाजाही, फाइलों और रसीदों को बंद करना और अंत में अभिलेखों का अभिलेख शामिल है। उन्होनें बताया कि ई.ऑफिस के माध्यम से एक कार्यालय में दस्तावेजों के केंद्रीय भंडार की अवधारणा को हम साकार कर सकते हैं। यह उपयोगकर्ताओं को वर्कफ़्लो में इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज़ बनाने और प्रबंधित करने के साथ.साथ संस्करण (ट्रैकिंग इतिहास) प्रदान करता है जिसे आसानी से देखा जा सकता हैए खोजा जा सकता है, साझा किया जा सकता है और प्रकाशित किया जा सकता है। यह सामग्री को तार्किक रूप से व्यवस्थित करता है और एक संगठन में सामग्री निर्माण और प्रस्तुति को मानकीकृत करता है। यह एपीएआर की प्रस्तुति और प्रसंस्करण में देरी को कम करने में मदद करता है और एपीएआर के संचलन को ट्रैक करके पारदर्शिता सुनिश्चित करता है। सिस्टम एक डैशबोर्ड सुविधा भी प्रदान करता है जो सेवा नियंत्रण प्राधिकरण को स्थिति की निगरानी करने में सक्षम बनाता है जैसे अधिकारियों की पोस्टिंग, विभिन्न स्तरों पर लंबितता आदि।

पेड़ काट रहा मजदूर की करंट से मौत

सुमेरपुर। थाना क्षेत्र के नरायनपुर गांव के एक होटल में खड़े यूकेलिप्टस के पेड़ काट रहा एक मजदूर की ऊपर से निकले हाई टेंशन लाइन की चपेट में आकर मौत हो गयी। साथी मजदूर की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। कानपुर जनपद के रमईपुर गांव निवासी अब्दुल हसन ने बताया कि नरायनपुर के प्रेम इलाइची होटल के पीछे खड़े पेड़ों की कटान के लिये ठेकेदार रमशाद निवासी रावतपुर कानपुर के साथ छोटे पुत्र कल्लू भी कटान करने आया था। पेड़ काटते समय यूकेलिप्टस का एक लंबा पेड़ ऊपर से निकली हाईटेंशन लाइन में छू गया। पेड़ गीला होने और नीचे हरी घास व नमी के चलते छोटे निवासी रावतपुर करेंट लगने से जमीन मे गिर पड़ा और उसकी मौत हो गयी। मजदूर को मृत देख ठेकेदार रमशाद मौके से रफूचक्कर हो गया। तब साथी मजदूर ने घटना से पुलिस को अवगत कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा है।

डीएम ने की सखी वन स्टॉप सेंटर, बाल विवाह रोकथाम, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की समीक्षा

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह की अध्यक्षता में मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति एवं सखी वन स्टॉप सेंटर, बाल विवाह रोकथाम, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की त्रैमासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुए। बैठक में डीएम द्वारा मिशन वात्सल्य योजनान्तर्गत जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति, सखी वन स्टॉप सेंटर, बाल विवाह रोकथाम, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, विशेष किशोर पुलिस इकाई मानव तस्करी सेल के कार्यों की समीक्षा तथा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की वार्षिक कार्ययोजना की समीक्षा की गयी, डीएम द्वारा विशेष किशोर पुलिस इकाई तथा समस्त थाने के बाल कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया गया कि बच्चों से सम्बन्धित समस्त मामलों में संवेदनशीलता से बाल मित्र जैसा व्यवहार करते हुये त्वरित कार्यवाही की जाये साथ ही बाल विवाह, बालश्रम के सम्बन्ध में आमजनमानस को जागरूक किये जाने, विकास खण्ड ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाली बैठकों में 1098 चाइल्ड लाइन एवं 181.महिला हेल्पलाइन नम्बर का प्रचार.प्रसार कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी रेनू यादव द्वारा बताया गया कि मिशन ग्रात्सल्य योजनान्तर्गत जनपद स्तर ब्लॉकस्तर, नगर पालिका एवं ग्राम स्तर पर बाल कल्याण एवं संरक्षण समितियों का गठन है। प्रत्येक समिति में प्रथम त्रैमासिक बैठक आहूत की गयी है। समिति की बैठक के माध्यम से विभागीय योजनाओं जैसे.मुख्यमंत्री कन्या सुमगला योजना उप्र मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड एवं सामान्य) निराश्रित महिला पेंशन योजना, प्रवर्तकता कार्यक्रम (स्पॉन्सरशिप) योजना का प्रचार प्रसार किया जाता है एवं संदर्भित योजना में लाभार्थी का आवेदन करवाया जाता है साथ ही यह भी बताया गया कि जनपद में चाइल्ड हेल्पलाइन माह फरवरी से स्थापित किया गया है।

संदिग्धः रिटायर्ड कैप्टन के घर पचास लाख की चोरी

फतेहपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के आवास विकास कालोनी निवासी सेवानिवृत्त सैनिक कैप्टन हरिशंकर के घर हुई पचास लाख रुपये की चोरी को लेकर सुबह से तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म रहा। इतनी बड़ी चोरी की घटना की जानकारी मकान मालिक को तब हुई, जब उनकी पत्नी किसी काम से तीसरी मंजिल की छत पर गईं। छत से वापस नीचे आते समय उनकी निगाह तीसरी मंजिल में बने स्टोर रूम की ओर गई तो ताला खुला देख वह उसके अंदर पहुंची, जहां रखे बाक्सों में बीच के बाक्स का ताला टूटा मिला। इसकी जानकारी उन्होने पति रिटायर्ड कैप्टन को दी। कैप्टन हरिशंकर सिंह चौहान के अनुसार तीसरी मंजिल में बने स्टोर रूम में तीन बाक्स रखे हुई थे। इन बाक्सों में बीच वाले बाक्स में मकान खरीदने के लिये पचास लाख की रकम रखी हुई थी। उन्होने बताया कि चोर ने केवल उसी बाक्स का ताला तोड़ा है जिसमें रुपये रखे हुए थे। अन्य किसी तरह का न तो चोरी करने वाले कोई नुकसान किया और न ही सामान आदि ही बिखेरा।

उन्होने इसकी सूचना कोवताली पुलिस को दी। सूचना पाते ही पुलिस बल के साथ कोवताली प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र सिंह व सीओ सिटी मौके पर पहुंचे। उन्होने पूरे मकान को देखा। छत पर चढ़ कर चोर के घर में घुसने की स्थिति का जायजा लिया, लेकिन कहीं से भी चोर के मकान में घुसने की कोई गुंजाईश नहीं दिखी। इस बीच फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच कर सभी जगह से साक्ष्य संकलन के उद्देश्य से फिंगर प्रिंट आदि लिये। पुलिस ने घटना को संदिग्ध मानते हुए परिवार के कई सदस्यों आदि को कोवताली ले जाकर पूछताछ शुरू की। घटना की जानकारी स्थानीयों को भी तब हुई जब पुलिस आदि पहुंची। घटना में बाहर से किसी के आने-जाने की गुंजाईश नहीं दिखाई पड़ी तो लोगों का शक परिवार के सदस्यों पर जाने लगा।

बीडीसी तथा डीडीसी के वैधानिक रूप से रिक्त पदों पर उप निर्वाचन हेतु समय सारणी निर्गत

कानपुर देहात। राज्य निर्वाचन आयोग, उप्र, लखनऊ की अधिसूचना के अनुक्रम में इस जनपद के क्षेत्र पंचायत सदस्यों तथा जिला पंचायत सदस्यों के वैधानिक रूप से रिक्त स्थानों/पदों, जो न्यायालय के स्थगनादेश से बाधित न हो, पर उप निर्वाचन हेतु जनपद स्तर पर सूचना दिनांक 16 जुलाई, 2024 को जारी करने के निर्देश दिये गये हैं। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पं0) कानपुर देहात, उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पचांयत (सदस्यों का निर्वाचन) नियमावली, 1994 के नियम 15 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये जनपद कानपुर देहात के विकास खण्ड झींझक के क्षेत्र पंचायत सदस्य (वार्ड संख्या 7 बनीपारा जिनई) के रिक्त पद/स्थान पर उप निर्वाचन राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कराये जाने का आदेश दिया गया है।

नाम निर्देशन पत्रों को जमा करने का अन्तिम दिनांक व समय 22 जुलाई, 2024 (पूर्वाहन 10.00 बजे से अपराहन 4.00 बजे तक) नाम निर्देशन पत्रो की जाँच का दिनांक व समय 23 जुलाई, 2024 (पूर्वाहन 10.00 बजे से कार्य की समाप्ति तक), उम्मीदवारी वापस लेने का दिनांक व समय 24 जुलाई 2024 पूर्वाहन 10.00 बजे से अपराह्व 3.00 बजे तक।ए प्रतीक आवंटन का दिनांक व समय 24 जुलाई 2024 अपराह्व 3.00 बजे से कार्य समाप्ति तक। मतदान का दिनांक व समय 6 अगस्त 2024 प्रातः 7.00 से अपराह्व 5.00 बजे तक। मतगणना का दिनांक व समय 8 अगस्त 2024 प्रातः 8.00 बजे से कार्य समाप्ति तक। जिलाधिकारी की उक्त सूचना के अनुसार निर्वाचन अधिकारी (आरओ) सम्बन्धित क्षेत्र पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र का पूर्ण विवरण देते हुये अपने स्तर से सार्वजनिक सूचना दिनांक 18 जुलाई, 2024 को निर्गत करेगें और उसकी प्रति जिलाधिकारी को तत्काल प्रेषित करेगें। सार्वजनिक सूचना निर्गत होने के साथ ही नामांकन/नामांकन पत्रों की बिक्री का कार्य प्रारम्भ हो जायेगा। उक्त उप निर्वाचन उप्र क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत (सदस्यों का निर्वाचन) नियमावली, 1994 के अनुसार सम्पन्न होगा। इस निर्वाचन में वही प्रक्रिया अपनायी जायेगी, जो आयोग द्वारा निर्धारित एवं निर्देशित है। क्षेत्र पंचायत सदस्य पद के नामांकन पत्रों का विकय, नामांकन पत्रों को दाखिल करने, उनकी जांच करने, उम्मीदवारी वापस लेने तथा चुनाव चिन्ह आवंटन एवं मतों की गणना तथा परिणाम की घोषणा सम्बन्धित विकास खण्ड मुख्यालय पर की जाएगी। उपर्युक्त समय सारणी के मध्य पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों पर भी सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेगें और निर्धारित समय सारणी के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

ट्रक की चपेट में आकर पुत्र की मौत, मां गंभीर

फतेहपुर। खागा कोतवाली क्षेत्र के पूर्वी बाईपास ओवर ब्रिज के समीप सोमवार की दोपहर ट्रक की चपेट में आ जाने से जहां 18 वर्षीय युवक की मौके पर मौत हो गई, वहीं मां गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे परिजन जिला अस्पताल से झांसी के लिए रेफर करवा लिया। जानकारी के अनुसार झांसी जनपद के थाना समथर गांव लोहारी निवासी राजू का पुत्र सुनील अपनी मां भारती के साथ बाइक से झांसी से जौनपुर मुगरा जा रहे थे। बताते हैं कि पूरा परिवार वहां रहकर पानी के बताशे बेंचने का काम करते थे। बाइक जैसे ही खागा कोतवाली के बाईपास ओवर ब्रिज के समीप पहुंची तभी ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दिया जिससे पुत्र की मौके पर मौत हो गई। वहीं मां गंभीर रूप से घायल हो गई। सरकारी एंबुलेंस से महिला को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां परिजनों ने चिकित्सकीय उपचार के बाद महिला को झांसी के लिए रेफर करवा लिया।

क्विक न्यूज

महिला समेत तीन घायल, अस्पताल में भर्ती

मौदहा (हमीरपुर)। क्षेत्र में हुई अलग.अलग सड़क दुर्घटना में एक महिला सहित तीन लोग घायल होगये। सभी घायलों को लहुलुहान हालत में राहगीरों की मदद से कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया प्राथमिक उपचार के उपरांत हालत में सुधार न होने पर चिकित्सकों ने सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। कोतवाली क्षेत्र के कपसा गांव निवासी अनिल 30 वर्ष पुत्र कल्लू सोमवार की दोपहर बाद गांव जाते समय भैंस्ता के निकट बाइक का संतुलन खो सड़क गिर घायल हो गया लहूलुहान हालत में राहगीरों की मदद से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया प्राथमिक उपचार के उपरांत हालत में सुधार न होने पर चिकित्सकों ने सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। इसी प्रकार सुनैचा गांव निवासी बबली पत्नी मंगल एमंगल पुत्र झल्लू नेशनल हाईवे में सोमवार की शाम बाइक का संतुलन को देने से सड़क पर गिर घायल हो गए लहूलुहान हालत में राहगीरों की मदद से कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया प्राथमिक उपचार के उपरांत हालत में सुधार न होने पर चिकित्सकों ने सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

मेडिकल स्टोर संचालक ने लगायी फांसी

कुरारा (हमीरपुर)। कस्बा कुरारा के मेन बाजार निवासी युवक ने सूने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बीती शाम जब बड़ा भाई घर आया तो घटना की जानकारी हुई।कस्बा के मुख्य बाजार में टीन शेड के पास में विनय गुप्ता का मेडिकल स्टोर संचालित है। इनके तीन पुत्र है। सबसे बड़ा मयंक गुप्ता दूसरे नंबर का सुमित गुप्ता तथा तीसरा पुत्र योगेश गुप्ता (25) है। रविवार की रात 9 बजे तक सबसे छोटा पुत्र योगेश मेडिकल स्टोर में बैठा रहा था। इसके बाद वह दिखाई नही दिया। सोमवार को मेडिकल स्टोर बंद रहा। इसका बड़ा भाई मयंक गुप्ता छोटे भाई सुमित का इलाज कराने कानपुर गया था। सोमवार को शाम मयंक गुप्ता वापस घर आया तो घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला। तब उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस की मौजूदगी में दरवाजा खोला गया तो योगेश पंखे में फांसी लगाकर लटक रहा था। बाजार में लोगो की भीड़ एकत्र हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया है। घटना के समय वह घर में अकेला था।

दूल्हे ने पौधरोपण कर पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

कुरारा (हमीरपुर)। विकास खंड क्षेत्र के बेजे इस्लाम पुर गांव में बारात निकासी के दौरान दूल्हे ने पौध रोपण किया।तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। क्षेत्र के बेजे इस्लाम पुर ; मलहराद्व गांव निवासी दूल्हा रमाकांत यादव पुत्र लल्लू की बारात की निकासी के दौरान गांव स्थित शिव मंदिर व कालका मंदिर में एक ब्रक्ष अपनी मां के नाम रोपण किया। तथा दूसरा पौधा अपने पिता के नाम रोपण कर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। इसके बाद गांव में निकासी निकली। ब्रक्षारोपण के दौरान सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष अनार सिंह यादव, कमल यादव, प्रेम नारायण यादव, अनिल यादव,फूल सिंह यादव, राजेश यादव, तथा रूबी यादव सहित महिला, व पुरुष मौजूद रहे।

पौधरोपण करता दूल्हा

संदिग्ध परिस्थितियों में तालाब में डूबकर युवक की हुई मौत

गुरसहायगंज (कन्नौज)। देरशाम शौच क्रिया की बात कहकर गये युवक की तालाब में डूबकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस की मौजूदगी में मृतक के शव को ग्रामीणों द्वारा तालाब से बाहर निकलवाया गया। घटना की खबर पर परिजनों में कोहराम मच गया। कोतवाली पुलिस नें मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया। मंगलवार की सुबह क्षेत्र के ग्राम पनगवां स्थित तालाब में गांव के ही प्रवेश कुमार सैनी पुत्र वीरेंद्र कुमार सैनी का शव पडे होनें की खबर पर ग्रामीणों में हडकम्प मच गया। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस द्वारा ग्रामीणों की मदद से युवक के शव को तालाब से बाहर निकलवाया गया। वहीं मौके पर मौजूद परिजनों में कोहराम मच गया। रोते बिलखते परिजनों ने बताया कि प्रवेश कुमार सैनी सोमवार की रात्रि 10:30 बजे शौच क्रिया जानें की बात कहकर घर से गया था। वहीं ग्रामीणों में चर्चा थी कि मृतक युवक की शराब के नशे में तालाब में डूबकर मृत्यु हो गई है।

युवती समेत दो ने फांसी लगाकर दी जान

फतेहपुर। ललौली थाना क्षेत्र के दसौली गांव निवासी राम सुफल निषाद की 18 वर्षीय पुत्री खुशबू ने सोमवार की देर शाम घर के अंदर उस वक्त फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली जब घर के सभी लोग खेतों पर काम करने चले गए थे। वापस लौटकर आए तो देखा कि कमरे में खुशबू का शव फांसी पर लटका था, जिसे देखते ही घर में कोहराम मच गया। इसी प्रकार सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अजगवां आकूपुर निवासी सुखराम का 50 वर्षीय पुत्र गया प्रसाद ने मंगलवार की सुबह घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शवो को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सांप के काटने से डेयरी कर्मचारी की मृत्यु

फर्रूखाबाद। डेयरी कर्मचारी की सांप के काटनें से हालत बिगड़ गयीद्य जब उसके साथी उसे लेकर लोहिया अस्पताल पंहुचे तो उपचार के बाद चिकित्सक नें मृत घोषित कर दिया। जनपद फ़िरोजाबाद के बहारोल भोगापुर निवासी 23 वर्षीय अभ्युदय मिश्रा पुत्र चंद्रशेखर मिश्रा बीते 1 जनवरी 2024 से मोहम्मदाबाद के निसाई स्थित आनंदा डेरी पर कार्यरत कर्मचारी था। मिली जानकारी के मुताबिक बीती रात लगभग 8 बजे वह लघुशंका के लिए गया था जहाँ उसे सांप नें दाएं पैर की छोटी ऊँगली में काट लिया। जिस पर कर्मचारियों नें सर्प को मौके पर ही मार दिया। इसके बाद गंभीर हालत में उसे 9 बजकर 11 मिनट पर लोहिया अस्पताल में भर्ती किया गया। जहाँ उपचार के बाद लगभग चिकित्सक नें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर मृतक की माँ गुड्डो देवी, पिता चन्द्रशेखर व अन्य परिजन मौके पर पंहुचे। उनका रो.रो कर बुरा हाल हो गया। मृतक अभ्युदय दो भाई था।

जिलाधिकारी, एएसपी ने कावड़ यात्रा के लिए गंगा, रामगंगा क्षेत्र का किया निरीक्षण

फर्रूखाबाद। जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह व पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी द्वारा सावन माह में होने बाली कॉवड यात्रा व गँगा स्नान के मद्देनजर संयुक्त रूप से पांचाल घाट व पांचाल घाट से रामगँगा पुल तक कांवड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि नगर मजिस्ट्रेट व सीओ सिटी अपनी देखरेख में पांचाल घाट पर स्नान बाले क्षेत्र में दोनों तरफ बैरिकेटिंग कराये,गहरे पानी बाले स्थानों पर पानी गहरा है स्नान प्रतिवंधित है के चेतावनी बोर्ड लगाये जाये,घाट पर प्रकाश व सफाई की व्यवस्था ग्राम पंचायत द्वारा की जाएगीए चौराहे से घाट तक प्रकाश व सफाई की व्यवस्था नगर पालिका द्वारा की जाएगी, गँगा के दोनों तरफ पी0ए0सिस्टम लगाया जाये।

जिलाधिकारी द्वारा रामगंगा पुल से पांचाल घाट पुल तक रोड की पटरी को सही करने व रोड के गड्ढो को भरने के निर्देश दिये गय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी को यात्रा के दौरान डबरी, जमापुर मोड़ए राजेपुर व अमृतपुर पर 24-7 मेडिकल कैम्प संचालित करने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिये गये।

जारों शिक्षको ने निकाला मार्च, डिजिटल हाजरी का विरोध, सौपा एडीएम को ज्ञापन

फर्रूखाबाद। शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक संयुक्त मोर्चा ने अपनी सात सूत्री मांगों को लेकर विकास भवन से कलक्टरेट तक मार्च निकाला। शिक्षक आन लाइन स्कूल खोलने एवम बंद करने की हाजिरी प्रेरणा एप से देने का विरोध कर रहे हैं। कलक्टरेट पहुंचकर मुख्य मंत्री को संबोधित ज्ञापन एडीएम को सौपा। आनलाइन डिजिटल शिक्षको की सेवा की परिस्थितियों के दृष्टिगत अव्यवहारिक नियमों व सेवा शर्तों के विपरीत है। इसे तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाय। सभी शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मियो को अन्य कर्मचारियों की भांति प्रतिवर्ष 30 अर्जित अवकाश, हाफ डे सीएल, अवकाश अवधि में विभागीय सरकारी कार्य हेतु बुलाने पर प्रतिकार अवकाश अवश्य प्रदान किया जाय। अर्जित अवकाश की व्यवस्था न होने के कारण शिक्षक विवाह, 13 दिवसीय संस्कार, परिजन के अस्पताल में भर्ती आदि में कौन सा अवकाश लेंगे।

समस्त शिक्षको कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल की जाय क्योंकि अभी हमारे कई शिक्षक साथी सेवानिवृत हुए हैं। जिनकी पेंशन मात्र 1000/2000 बन रही है कैसे बुढ़ापा काटेंगे,जब उन्हें धन की सबसे ज्यादा जरूरत होगी। सभी विद्यालयों में प्रधानाचार्य पद बहाल करते हुए वर्षो से लंबित प्रोन्नति प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण की जाए और पदोन्नति प्राप्त शिक्षको पदोन्नति तिथि से ग्रेट पे के अनुरूप न्यूनतम मूल वेतन 17140/18150 निर्धारित किया जाए। शिक्षक, शिक्षिकाओं को उनके मूल जनपद ऐच्छिक जनपद में स्थानांतरण का अवसर दिया जाए। शिक्षामित्र, अनुदेशक जो वर्षो से अल्प मानदेय पर विभाग को पूर्णकालिक सेवाएं दे रहे हैं। उन्हें नियमित किया जाए और जब तक यह कार्य पूर्ण नहीं होता समान कार्य समान वेतन के आधार पर मानदेय निर्धारित किया जाए। बिहार की तरह उन्हें भी चिकित्सीय अवकाश का लाभ भी दिया जाय।

यातायात पुलिस ने स्कूलों में चलाया यातायात जागरूकता

● यातायात संबंधी सही जबाब देने पर बच्चों को किया पुरूस्कृत

संवाददाता। कन्नौज

बच्चो को यातायात के नियमों की जानकारी देते प्रभारी।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशानुसार व अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. संसार सिंह के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. प्रियंका वाजपेई के नेतृत्व में यातायात प्रभारी आफाक खां द्वारा प्रधानाचार्य के सहयोग से जागरण पब्लिक स्कूल कन्नौज में यातायात कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें यातायात प्रभारी द्वारा छात्र एवं छात्राओं को यातायात नियमों की महत्वपूर्ण एवं रोचक जानकारी दी गई।

यातायात प्रभारी द्वारा छात्र-छात्राओं को सडक दुघर्टनाओं के चार कारण बतानें के उपरान्त कहा कि मोटर वाहन अधिनियम में वर्ष 2019 के संशोधन में धारा 199 क जोड़ी गई है। जिसमें नाबालिग् बच्चों द्वारा वाहन चलाने पर उनके अभिभावकों के विरुद्ध चालानी प्रक्रिया अमल में लाई जा रही है। जिसमें अभिभावकों का चालान पच्चीस हजार रुपए का किया जा रहा है।

वाहन का रजिस्ट्रेशन एक वर्ष के लिए रद्द किया जा रहा है। और जिस नाबालिग का चालान हो रहा है। अब उसका ड्राइविंग लाइसेंस पच्चीस वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद ही बनेगा। इसलिए यातायात पुलिस द्वारा अपील की जाती है कि नाबालिग छात्र-छात्राएं सड़कों पर वाहन न चलाएं। और अभिभावकों से भी अपील की जाती है कि अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने के लिए न दें। प्रभारी द्वारा छात्र-छात्राओं से यातायात संबंधी सवाल किए गए। सही जवाब देने वाले छात्र एवं छात्राओं को निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक कन्नौज के पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया गया। पुरस्कार पाकर छात्र एवं छात्राओं द्वारा जनपद कन्नौज के पुलिस अधीक्षक एवं यातायात पुलिस की इस पहल की सराहना की गई।

सीडीओ ने टीएचआर प्लांट, गो आश्रय स्थलो का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

लखीमपुर खीरी। सीडीओ अभिषेक कुमार ने ब्लॉक नकहा की टीएचआर प्लांट जगसड़ इकाई और दो अस्थायी गो आश्रय स्थलो का स्थलीय निरीक्षण किया, संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए। सीडीओ ने टीएचआर प्लांट में कराये जा रहे निर्माण की प्रक्रियाए उससे सम्बन्धित दस्तावेजों की देखरेख की जानकारी ली। दस्तावेजों में मिली विसंगतियों को जल्द सही करने के लिए निर्देशित किया। प्लांट में साफसफाई व्यवस्था और सामान का रख.रखाव उचित नहीं मिला, जिसके लिए बीडीओ को नयी रैक बनाने के लिए निर्देशित किया।

सीडीओ ने डीएमएम को टीएचआर प्लांट का साप्ताहिक निरीक्षण करने के निर्देशित किया। इसके बाद उन्होंने ब्लॉक नकहा के ग्राम परसा और भीरा घासी में स्थित अस्थायी गौ आश्रय स्थल का भी स्थलीय निरीक्षण किया। अस्थायी गौशाला परसा में 200 जानवर पाये गयेए जिसमें 02 जानवर बीमार पाये गये। जिनका ईलाज कराया जा रहा था। पशुओं की संख्या के सापेक्ष टीन शेड कम पाए गये। सीडीओ ने गोवंश की संख्या देखते हुए एक टीन शेड बढ़ाने के लिए निर्देशित किया। गौशाला में जमे कीचड़ को जल्द से साफ करा कर वहां बालू डलवाने के निर्देशित किया। अस्थायी गौ आश्रय स्थल भीरा घासी के निरीक्षण में 196 पशु संरक्षित पाये गएए जिनमें 06 नये जानवर लिये जाने के कारण उनके पास ईयर टैग नहीं थे। इसके लिए सीडीओ ने पशु चिकित्सा अधिकारी को तत्काल ईयर टैग लगाने का निर्देश दिए। सीडीओ ने गौशालाओं में कम्पोस्ट पिट गोबर प्रबंधन के लिए विशेष प्रयास करनेए गौशाला में साफसफाई को बेहतर करने के लिए खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान जानवरों के पीने के लिए पानी की व्यवस्था और खाने के लिए हरा चारा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध मिला। पीने के पानी हेतु अतिरिक्त हैड बनाने के लिए निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्रम रोजगार विपिन कुमार चौधरी, बीडीओ प्रदीप कुमार चौधरी व अन्य अधिकारीए कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनपदवासियों के सहयोग के लिए जिला प्रशासन 24 घंटे तत्परः जिलाधिकारी

● दैवीय आपदा की स्थितियों में सरल जानकारियो का रखें विशेष ध्यान

लखीमपुर खीरी। जनपद खीरी के निवासियों से आग्रह करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि यदि किसी भी प्रकार की दैवीय आपदा जैसे- बिजली गिरना, सांप काटना या बाढ़ आना। ऐसी स्थितियों में कुछ सरल जानकारियो का विशेष ध्यान रखें। प्रशासन 24 घंटे जनपदवासियों के सहयोग के लिए तत्पर है। खुद को बचाएं और नजदीकी लोगों को भी इन जानकारियो के बारे में बताएं।

बाढ़ के पानी में बच्चों को खेलने, तैरने न दें

डीएम ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि अपने बच्चों को अकेले तालाब व नदी में नहाने व खेलने न देंए परिवार का कोई बड़ा सदस्य बच्चों के साथ अवश्य जाये। आगामी वर्षा के मौसम में तालाबों में जलस्तर बढ़ने से दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कृपया सभी विशेष ध्यान रखें। यदि आपके क्षेत्र में बाढ़ आ जाती है तो कृपया ध्यान रखें कि बाढ़ के पानी से दूरी बनाए रखें। बच्चों को बाढ़ के पानी में खेलनेए तैरने न दें। बाढ़ के पानी के संपर्क में आए खाने.पीने की वस्तुओं का सेवन बिलकुल न करें। यदि आपको उल्टी, बुखार, दस्त, आंखों में खुजली की शिकायत होती है। तो कृपया नजदीकी बाढ़ चौकी में संपर्क कर वहां अपना उपचार कराए।

बिजली गिरे तो क्या करें इन बातों का रखें ध्यान

डीएम ने बताया कि अगर बिजली गिरती है तो कृपया पक्के मकान के अंदर ही रहे और मकान के दरवाजे, बरामदे, और छत से दूरी बनाकर रखें। यदि आप रास्ते में कहीं जा रहे हैंए तो अपने वाहन के अंदर ही रहे। यदि आप खेत खलिहान में हैंए तो कृपया तुरंत अपने पैरों के नीचे कुछ सूखे पत्तेए प्लास्टिकए लकड़ी या बोरे रख ले। यदि आप कहीं सुरक्षित स्थान से दूर है, तो कृपया अपने कानों को बंद करके उकडू की स्थिति में आए।

सांप ने काट लिया तो घबराएं नहीं, नजदीकी अस्पताल लेकर जाएं

डीएम ने बताया कि यदि आपके यहां किसी को सांप काट जाता है। तो कृपया घबराएं नहीं, उसको नजदीकी अस्पताल लेकर जाएं। किसी भी ओझा या तांत्रिक के झाड़.फूंक के लिए ना लेकर जाएं। यह ध्यान रखें जिस अंग पर सांप काटा है, उसे मुड़ने ना दें और कसाव वाली वस्तुएं जैसे बेल्ट, जूता इनको ढीला खोल दे।

वाल्मीकि घोटाला को लेकर कर्नाटक विस में हंगामा

नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री के इस्तीफा मांगा

भाषा। बेंगलुरु

राज्य संचालित कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम से 187 करोड़ रुपए की कथित हेराफेरी के मामले को लेकर लगातार दूसरे दिन भी मंगलवार को विधानसभा में हंगामा हुआ। विपक्ष के नेता आर अशोक ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के इस्तीफे की मांग की। भाजपा नेता अशोक ने कहा कि वाल्मीकि निगम में लूट के लिए कांग्रेस सरकार जवाबदेह है। उन्होंने वाल्मीकि निगम के लेखा अधीक्षक चंद्रशेखर पी. की आत्महत्या के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया और इसकी जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की निष्पक्षता पर सवाल उठाए।

चंद्रशेखर के आत्महत्या करने के बाद कथित घोटाला सामने आया था। अशोक ने कहा, अनुसूचित जनजाति समुदाय को उसका हक नहीं मिला है क्योंकि समुदाय के कल्याण के लिए रखे गए 187 करोड़ रुपए लूटकर तेलंगाना ले जाया गया। वह पैसा कौन वापस देगा? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अनुसूचित जनजाति समुदाय के लाभार्थियों को राशि देनी है जो इसका इंतजार कर रहे हैं। समुदाय के कल्याण के लिए रखा गया पैसा कुछ लोगों के पास चला गया। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए रखी गई धन राशि की लूट फोनपे, गूगल पे और अन्य ऑनलाइन भुगतान माध्यम के जरिए की गई।

अशोक ने कहा, इस वित्तीय अनियमितता की सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गहन जांच होनी चाहिए। वित्त विभाग की जानकारी में रहे बिना इतना बड़ा घोटाला नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के पास वित्त विभाग का प्रभार है और उन्हें नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए। विधानसभा में, अशोक द्वारा मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग के बाद सत्तापक्ष और विपक्षी सदस्यों के बीच तीखी बहस हुई। अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री बी नागेंद्र ने घोटाले के सिलसिले में अपने खिलाफ आरोप लगाए जाने के बाद 6 जून को इस्तीफा दे दिया था। वह वर्तमान में ईडी की हिरासत में हैं। चंद्रशेखर के परिवार की दशा और दयनीय स्थिति का जिक्र करते हुए, अशोक ने कहा कि अधिकारी की पत्नी तमाम मुश्किलों के बावजूद न्याय के लिए लड़ रही है। उन्होंने दावा किया, अपमान के डर से निर्दोष चंद्रशेखर ने अपनी जान दे दी... अगर उन्होंने आत्महत्या नहीं की होती तो पूरे 187 करोड़ रुपए तेलंगाना खटाखट चला गया होता।

प्रदेश भाजपा प्रमुख एवं शिकारीपुरा से विधायक बी वाई विजयेंद्र ने दावा किया कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के उत्थान के लिए अन्य निगमों की निधि या तो उपयोग के बिना रह गई या कम उपयोग की गई। उनके इस बयान पर, मंत्रियों सहित सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायकों ने कड़ी आपत्ति जताई। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि जब कोई आयोग या कोई जांच एजेंसी मामले की जांच कर रही है तो विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव नहीं लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हम यह नहीं कह सकते कि अमुक मंत्री और अधिकारी इसमें शामिल हैं, जबकि तीन एजेंसियां इसकी जांच कर रही हैं – सीबीआई, ईडी और अब हमारा विशेष जांच दल (एसआईटी)।

नौसेना ने थिंक के नए संस्करण की घोषणा की, 2024 के लिए विकसित भारत विषय

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने मंगलवार को अपनी राष्ट्रीय स्तर की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, थिंक के नवीनतम संस्करण की घोषणा की, इस वर्ष प्रतियोगिता का विषय विकसित भारत है। नौसेना के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि यह कार्यक्रम बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने और युवा मस्तिष्क को प्रेरित करने का एक विशिष्ट अवसर प्रदान करने के साथ-साथ ही हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने और देशभक्ति की भावना को भी बढ़ावा देता है। पहले दो संस्करणों यानी थिंक-22 और जी-20 थिंक (जिसमें पिछले साल जी-20 देशों ने भाग लिया) की शानदार सफलता ने भारतीय नौसेना को यह पहल जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया है। थिंक 2024 का विषय विकसित भारत है, जो भारत सरकार के स्वतंत्रता के 100 वर्ष होने के उपलक्ष्य में वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के दृष्टिकोण के अनुरूप है। बयान में कहा गया कि यह प्रतियोगिता छात्रों की सामान्य जागरूकता के परीक्षण की अवधारणा को आगे बढ़ाती है। यह युवा मस्तिष्कों को ज्ञानवान बनाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए छात्रों में जागरूकता फैलाने वाला एक मंच है। इस प्रतियोगिता में देश के कक्षा 9 से 12 तक के सभी छात्र भाग ले सकते हैं।

उच्चतम न्यायालय में दो न्यायाधीश नियुक्त, शीर्ष न्यायालय में होगी न्यायाधीशों की अधिकतम संख्या

भाषा। नई दिल्ली

न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह और न्यायमूर्ति आर महादेवन को मंगलवार को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया। उनके शपथ ग्रहण करने के बाद उच्चतम न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश सहित कुल न्यायाधीशों की संख्या फिर से 34 हो जाएगी। शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की स्वीकृत अधिकतम संख्या 34 है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स के जरिए इन नियुक्तियों की घोषणा की। जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एन कोटिश्वर सिंह मणिपुर से शीर्ष न्यायालय में नियुक्त होने वाले पहले न्यायाधीश बन गए हैं।

उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने 11 जुलाई को न्यायमूर्ति महादेवन के साथ उनके नाम की सिफारिश करते हुए कहा था, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में उनकी नियुक्ति से पूर्वोत्तर को प्रतिनिधित्व मिलेगा और विशेष रूप से वह उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने वाले, मणिपुर राज्य से पहले न्यायाधीश होंगे। न्यायमूर्ति सिंह मूल रूप से मणिपुर के रहने वाले हैं। उन्हें अक्टूबर 2011 में गौहाटी उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। मणिपुर उच्च न्यायालय के गठन के बाद उन्हें वहां स्थानांतरित कर दिया गया।

फरवरी 2023 में उन्हें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। वह 65 वर्ष की आयु हो जाने पर फरवरी 2028 में पदमुक्त होंगे। न्यायमूर्ति महादेवन वर्तमान में मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश हैं। पदोन्नति के लिए उनके नाम की सिफारिश करते हुए कॉलेजियम ने कहा था कि न्यायमूर्ति महादेवन तमिलनाडु राज्य के एक पिछड़े समुदाय से हैं। उनकी नियुक्ति से (उच्चतम न्यायालय की) पीठ में विविधता आएगी।

उसने कहा था, कॉलेजियम ने इस तथ्य पर उचित संज्ञान लिया है कि न्यायमूर्ति महादेवन मद्रास उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीशों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं, जिनमें वे न्यायाधीश भी शामिल हैं जिन्हें मद्रास उच्च न्यायालय के बाहर मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। इसमें कहा गया है, इस स्तर पर कॉलेजियम ने पिछड़े समुदाय को प्रतिनिधित्व देने के लिए न्यायमूर्ति महादेवन की उम्मीदवारी को प्राथमिकता दी है। न्यायमूर्ति महादेवन का जन्म 10 जून 1963 को हुआ था और वे जून 2028 में पदमुक्त होंगे।

राजस्थान में जनसंख्या नियंत्रण नीति के बयानों को लेकर सियासत गरमाई

जयपुर। राजस्थान में जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण के लिए कानून या नीति बनाने की मांग को लेकर भाजपा नेताओं के बयानों पर राजनीति गरमा गई है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक जहां विकास से जुड़े कारणों का हवाला देते हुए जनसंख्या नियंत्रण विधेयक की मांग कर रहे हैं वहीं कांग्रेस का आरोप है कि यह पहल एक विशेष समुदाय को निशाना बनाने के लिए की जा रही है। भाजपा के विधायक बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि संतुलन और विकास के लिए जनसंख्या नियंत्रण विधेयक लाया जाना चाहिए।

हवामहल (जयपुर) सीट से विधायक बालमुकुंदाचार्य के बयान का एक वीडियो सोमवार को सामने आया था जिसमें वह कहते सुने जा सकते हैं कि एक समुदाय विशेष में लोगों की चार बेगम और 36 बच्चे हैं और इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती। बालमुकंदाचार्य ने विधानसभा परिसर में मंगलवार को संवाददाताओं से बातचीत में इस बात पर जोर दिया कि जनसंख्या वृद्धि नियंत्रण कानून बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनसंख्या वृद्धि की वजह से जो समस्याएं उत्पन्न होती हैं उनसे सब अवगत हैं और यह मांग आज से नहीं, बहुत समय से है।

विधायक ने कहा कि अब जिस प्रकार से जनसंख्या में वृद्धि हो रही है वह विकास की गति में अवरोधक है। उन्होंने कहा समृद्ध और विकसित देश बनाना है तो सभी की सहमति से जनसंख्या नियंत्रण कानून बनना चाहिए जो सभी के लिए हितकारी रहेगा। बालमुकुंदाचार्य ने कहा, मैंने मेरे विधानसभा क्षेत्र में एक ई रिक्शा चलाने वाले से बातचीत की तो पता चला कि उसकी 13 संतान हैं। उन्होंने कहा एक बहन मेरे कार्यालय में आई थीं और कहा कि वह अपने पति की तीसरी पत्नी हैं और वह चौथी शादी करने जा रहा है उसे रोको।

विधायक ने कहा, मैंने उससे कहा कि अब तो कानून बन गया, आप पुलिस थाने जाओ.. महिला थाने में जाओ। उन्होंने कहा, यह सरकारी या गैर-सरकारी लाभ की बात नहीं है। बात यह है कि देश के विकास में, कुछ वर्ग कुछ परिवार ऐसे हैं जो कहते हैं हम दो हमारे दो और कुछ ऐसे हैं जो कहते हैं कि जो हो रहा है भगवान कृपा से हो रहा है, उसे होने दो।

विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के शासनकाल में गरीबों के कल्याण के लिए अनगिनत योजनाएं हैं और बिना किसी भेदभाव के सब को उनका लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने तीन तलाक की समस्याओं का समाधान माताओं, बहनों की पीड़ा देखकर ही निकाला। भाजपा विधायक ने कहा, मोदी के आने के बाद बिना तुष्टीकरण और भेदभाव के सर्वांग भारत का विकास हो रहा है.. उस विकास में सबको सहभागी बनना चाहिए, योगदान देना चाहिए। इससे पहले रविवार को, शहरी विकास और आवास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने भी कहा था कि केंद्र सरकार के स्तर पर प्रयास किया जा रहा है कि जिन जोड़ों के दो या तीन से अधिक बच्चे हैं उन्हें सरकारी सुविधाओं का लाभ नहीं मिलना चाहिए।

इन टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राज्य में भाजपा सरकार की मंशा जनसंख्या के बारे में चिंता करने के बजाय केवल एक विशेष समुदाय को निशाना बनाने की है। उन्होंने कहा कि अगर जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण का कानून बनता है तो कांग्रेस इसका स्वागत करेगी लेकिन भाजपा का मकसद सिर्फ एक समुदाय को निशाना बनाना है। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, भाजपा की वर्तमान सरकार राजनीतिक दृष्टिकोण से और किसी वर्ग विशेष को लक्षित करने के उद्देश्य से बात करती है। आज भी मुख्यमंत्री ने जनसंख्या वृद्धि पर चिंता व्यक्त की और अप्रत्यक्ष रूप से किसी एक समुदाय पर निशाना साधा। अगर जनसंख्या नियंत्रण वृद्धि का कानून आया तो हम स्वागत करेंगे। लेकिन इनका (भाजपा) का उद्देश्य जनसंख्या नियंत्रण से अधिक किसी संप्रदाय विशेष को निशाना बनाने का है। उन्होंने कहा, मैं मुख्यमंत्री से अनुरोध करूंगा कि इस प्रकार निशाना साधने के बजाय हिंदू समाज और अन्य समाजों के गरीब तबकों के लोगों को दो वक्त की रोटी देने की चिंता करें ताकि जो हिंदू समाज वर्तमान में जिंदा है वो तो सुरक्षित रह सके।

वाल्मीकि निगम और एमयूडीए घोटालों में शामिल हैं सिद्धरमैया, इस्तीफा दें: भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम और मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में घोटालों में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की संलिप्तता का दावा करते हुए सोमवार को उनके इस्तीफे की मांग की। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सिद्धरमैया को मामले में निष्पक्ष जांच के लिए तत्काल इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि उनके पास राज्य का वित्त विभाग भी है और वह दोनों निगमों में उनके इशारे पर हुई वित्तीय अनियमितताओं को रफा-दफा करने की कोशिश कर रहे हैं।

करंदलाजे ने आरोप लगाया, उन्होंने (सिद्धरमैया) न केवल वाल्मीकि विकास निगम से, बल्कि राज्य के हर निगम से पैसा लिया है। इसकी जांच होनी चाहिए। सिद्धरमैया के कहने पर वाल्मीकि विकास निगम से हैदराबाद को 187 करोड़ रुपए अवैध रूप से अंतरित किए गए। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और गरीबों के धन का इस्तेमाल तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए किया गया। उन्होंने कहा, वह एमयूडीए भूमि घोटाले में भी शामिल हैं। सिद्धरमैया की पत्नी को 50-50 के अनुपात वाली योजना के तहत भूखंड आवंटित किए गए और वह घोटालों को दबाने और रफा-दफा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें तत्काल इस्तीफा देना चाहिए, ताकि निष्पक्ष जांच हो सके।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि कर्नाटक कांग्रेस और उसके आलाकमान के लिए एटीएम बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान राज्य के लोगों को जो गारंटी दी थी, उसके क्रियान्वयन के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति उप योजना निधि का इस्तेमाल किया जा रहा है।

राज्य सरकार संचालित कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड से जुड़ा कथित अवैध धन अंतरण घोटाला, तब प्रकाश में आया जब इसके लेखा अधीक्षक चंद्रशेखरन पी ने 26 मई को आत्महत्या कर ली और सुसाइड नोट में कथित भ्रष्टाचार का उल्लेख किया।

सुसाइड नोट में निगम के बैंक खाते से 187 करोड़ रुपए के अनधिकृत अंतरण का आरोप लगाया गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यह भी दावा किया कि कुल राशि में से 88.62 करोड़ रुपए जानी-मानी आईटी कंपनियों और हैदराबाद स्थित एक सहकारी बैंक समेत अन्य के विभिन्न खातों में अंतरित किए गए।

घोटाले के संबंध में अपने खिलाफ आरोपों के बाद अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री बी नागेंद्र ने छह जून को अपना इस्तीफा दे दिया था। वह फिलहाल ईडी की हिरासत में हैं। एमयूडीए मामला प्राधिकरण द्वारा भूमि खोने वालों को भूखंडों के फर्जी आवंटन से जुड़ा है, जिसमें सिद्धरमैया की पत्नी पार्वती को दिए गए भूखंड शामिल हैं। एमयूडीए ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ जमीन के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे, जहां एमयूडीए ने एक आवासीय लेआउट विकसित किया था। विवादास्पद योजना में लेआउट बनाने के लिए अधिग्रहीत अविकसित भूमि के बदले भूमि खोने वालों को विकसित भूमि का 50 प्रतिशत आवंटित करने की परिकल्पना की गई है। भाजपा की प्रदेश इकाई और जनता दल (सेक्युलर) ने इन दोनों मामलों में सिद्धरमैया के इस्तीफे और सीबीआई जांच की मांग की है।

राज्य प्रवासी मजदूरों का राशन कार्ड का सत्यापन एक माह में पूरा करें: कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राशन कार्ड जारी करने के लिए ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत प्रवासी मजदूरों के सत्यापन में देरी के लिए मंगलवार को राज्यों को फटकार लगाई और उन्हें यह कवायद चार सप्ताह के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने केंद्र को उन राज्यों को खाद्यान्न जारी करने का भी निर्देश दिया, जिन्होंने प्रवासी मजदूरों का सत्यापन पूरा कर लिया है। सत्यापन में देरी को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कहा कि यदि राज्य निर्धारित समय के भीतर सत्यापन प्रक्रिया पूरी करने में विफल रहते हैं तो वह संबंधित सचिवों को तलब करेगी। सत्यापन चार महीने में क्यों पूरा नहीं हो सका? ए तो हद हो गई। चार महीने बाद भी आप यह कर रहे हैं और यह कहने की हिम्मत कर रहे हैं कि इसके लिए और दो महीने चाहिए...हम निर्देश देते हैं कि पूरा सत्यापन चार सप्ताह में पूरा किया जाए।

पति को मुकदमे से छूट संबंधी प्रावधान के खिलाफ याचिकाएं सूचीबद्ध करेगा न्यायालय

भाषा। नई दिल्ली

वैवाहिक बलात्कार

उच्चतम न्यायालय इस विवादास्पद कानूनी प्रश्न से संबंधित याचिकाओं को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर मंगलवार को सहमत हो गया कि क्या अपनी बालिग पत्नी को यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करने वाले पति को बलात्कार के अपराध वाले मुकदमे से छूट मिलनी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह की दलीलों का संज्ञान लिया कि संबंधित याचिकाओं को कुछ प्राथमिकता दी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि याचिकाओं पर सुनवाई की जाएगी। उन्होंने संकेत दिया कि उन पर 18 जुलाई को सुनवाई हो सकती है।

हाल ही में लागू भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत भी एक पुरुष द्वारा अपनी पत्नी के साथ यौन संबंध या यौनाचार बलात्कार की श्रेणी में नहीं आता है, बशर्ते वह नाबालिग नहीं है। बीएनएस की धारा 63 (बलात्कार) के अपवाद-दो में कहा गया है कि किसी पुरुष द्वारा अपनी पत्नी के साथ यौन संबंध या यौनाचार बलात्कार की श्रेणी में नहीं आता है, यदि पत्नी की उम्र 18 वर्ष से कम नहीं है।

शीर्ष अदालत ने 16 जनवरी, 2023 को भारतीय दंड संहिता के संबंधित प्रावधान पर आपत्ति जताने वाली कई याचिकाओं पर केंद्र से जवाब मांगा था, जिसके तहत बालिग पत्नी से जबरन यौन संबंध बनाने के मामले में पति को अभियोजन से छूट प्राप्त है। शीर्ष अदालत ने 17 मई को इस मुद्दे पर बीएनएस के प्रावधान को चुनौती देने वाली एक समान याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया था।

नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, एक जुलाई से प्रभावी हुए हैं, जिन्होंने पुराने आपराधिक कानूनों का स्थान लिया है। पीठ ने कहा था, हमें वैवाहिक बलात्कार से संबंधित मामलों को सुलझाना है। इससे पहले, केंद्र ने कहा था कि इस मुद्दे के कानूनी और सामाजिक निहितार्थ हैं, और सरकार इन याचिकाओं पर अपना जवाब दाखिल करना चाहेगी। इनमें से एक याचिका इस मुद्दे पर 11 मई, 2022 को दिल्ली उच्च न्यायालय के खंडित फैसले से संबंधित है। यह अपील एक महिला द्वारा दायर की गई है, जो दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष याचिकाकर्ताओं में से एक थी।

राहुल गांधी के पास मानहानि की शिकायत पर शीघ्र निर्णय पाने का वैध अधिकार है : उच्च न्यायालय

भाषा। मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पास राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ उनकी कथित टिप्पणियों के लिए 2014 की मानहानि की शिकायत पर गुण-दोष के आधार पर शीघ्र निर्णय पाने का वैध अधिकार है। न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चह्वाण की एकल पीठ ने 12 जुलाई को दिए आदेश में कहा कि संविधान का अनुच्छेद 21 हर किसी को त्वरित सुनवाई का अधिकार प्रदान करता है और एक स्वतंत्र व निष्पक्ष सुनवाई आवश्यक है।

अदालत ने आरएसएस कार्यकर्ता को आपराधिक मानहानि की एक लंबित शिकायत में नए और अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की अनुमति देने वाले मजिस्ट्रेट के आदेश को रद्द करने की राहुल की याचिका को स्वीकार करते हुए यह टिप्पणी की। इस आदेश की विस्तृत प्रति मंगलवार को उपलब्ध हुई। आरएसएस कार्यकर्ता राजेश कुंटे ने 2014 में भिवंडी में मजिस्ट्रेट अदालत में मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें दावा किया गया था कि कांग्रेस नेता ने एक भाषण के दौरान झूठा और अपमानजनक बयान दिया था कि महात्मा गांधी की हत्या के लिए संघ जिम्मेदार है।

मजिस्ट्रेट अदालत ने 2023 में कुंटे को राहुल गांधी के भाषण की प्रतिलिपि प्रस्तुत करने की अनुमति दी। राहुल का भाषण 2014 में दायर उनकी उस याचिका का हिस्सा था, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ जारी समन को रद्द करने की मांग की थी। कुंटे ने तर्क दिया कि प्रतिलिपि को अपनी याचिका में शामिल करके, राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से भाषण और इसकी सामग्री का स्वामित्व प्राप्त कर लिया है।

कांग्रेस नेता ने मजिस्ट्रेट के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी न्यायमूर्ति चह्वाण ने अपने आदेश में कुंटे पर सवाल उठाया और कहा कि उनके आचरण के कारण इस मामले में अनावश्यक रूप से देरी हो रही है तथा उसे लंबा खींचा जा रहा है। उच्च न्यायालय ने कहा, प्रतिवादी संख्या 2 (कुंटे) भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के मद्देनजर शिकायत के गुण-दोष के आधार पर उस पर जल्द से जल्द निर्णय पाने के याचिकाकर्ता (राहुल गांधी) के वैध अधिकार को रोकने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

संविधान का अनुच्छेद 21 त्वरित सुनवाई का अधिकार प्रदान करता है। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के आदेश को रद्द करते हुए कहा था कि ऐसा प्रतीत होता है कि मजिस्ट्रेट ने कुंटे को साक्ष्य के रूप में दस्तावेजों पर भरोसा करने की अनुमति देते समय आपराधिक न्यायशास्त्र के मूल सिद्धांत की पूरी तरह से अवहेलना की है।

पीठ ने मजिस्ट्रेट को यह भी निर्देश दिया कि वह शिकायत पर शीघ्र निर्णय लें और उसका निपटारा करें क्योंकि यह एक दशक से लंबित है। राहुल गांधी ने अपनी याचिका में दावा किया कि 2021 में उच्च न्यायालय की एक अन्य पीठ ने कुंटे को मामले में कोई भी नया दस्तावेज जमा करने की इजाजत नहीं दी थी। हालांकि, इसके बावजूद मजिस्ट्रेट ने शिकायत के हिस्से के रूप में दस्तावेज जमा करने की अनुमति दी। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि कुंटे को इस स्तर पर नए दस्तावेज प्रस्तुत करने की अनुमति देने वाला मजिस्ट्रेट का आदेश पूरी तरह से अवैध और पूर्वाग्रही है।

पेज 1 का शेष

जम्मू कश्मीर...

28 अप्रैल को उधमपुर के बसंतगढ़ इलाके में एक ग्राम रक्षा गार्ड की हत्या के बाद सुरक्षा बल इलाके में कड़ी निगरानी रख रहे थे। 12 जून को चत्तरगल्ला दर्रे में भीषण गोलीबारी में सेना के पांच जवान और एक विशेष पुलिस अधिकारी घायल हो गए थे, जिसके बाद डोडा में आतंकवाद विरोधी अभियान तेज कर दिया गया था। अगले दिन गंदोह में एक अन्य मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया था। कठुआ हमले के बाद, 9 जुलाई को किश्तवाड़ जिले की सीमा से सटे घड़ी भगवा जंगल में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के बाद आतंकवादी भागने में सफल रहे। 26 जून को जिले के गंदोह इलाके में एक दिन के ऑपरेशन में तीन विदेशी आतंकवादी मारे गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 जून को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के तुरंत बाद जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी हमलों में अचानक वृद्धि देखी गई। उनका शपथ ग्रहण समारोह रियासी जिले में एक तीर्थयात्री बस पर हुए क्रूर हमलों में से एक के साथ हुआ था। नौ लोग मारे गए और 41 अन्य घायल हो गए। आतंकवादी हिंसा की घटनाओं में वृद्धि के मद्देनजर, भारतीय सेना उन विदेशी आतंकवादियों को खत्म करने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ संयुक्त और समन्वित अभियान चला रही है, जो घुसपैठ कर उधमपुर, डोडा, किश्तवाड़ और के ऊपरी इलाकों में घूम रहे हैं।

रक्षा मंत्रालय...

में उल्लेखनीय परिणाम मिले हैं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण को साकार करने के प्रयासों को आगे बढ़ाया है। डीपीएसयू पांचवीं जनहित याचिका में उल्लिखित वस्तुओं का स्वदेशीकरण मेक प्रक्रिया या एमएसएमई सहित उद्योग से जुड़े इन-हाउस विकास सहित विभिन्न मार्गों के माध्यम से करेंगे। इससे अर्थव्यवस्था में विकास को गति मिलेगी, रक्षा क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। इसके अलावा, इससे शिक्षा जगत और अनुसंधान संस्थानों की भागीदारी के कारण घरेलू रक्षा उद्योग की डिजाइन क्षमताओं में वृद्धि होगी।

बिहार के लिए...

गंगवार ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे कैमरों से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल टावर का भी हमलोग अवलोकन कर रहे हैं और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। अधिकारी ने बताया, उन्हें संदिग्ध स्थिति में वहां घूमते हुए पाया गया। हालांकि, मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान का खुलासा नहीं किया गया है। गंगवार ने कहा, जांच में स्थानीय पुलिस की सहायता के लिए विशेष कार्यबल (एसटीएफ) की एक टीम को दरभंगा भेजा गया है। फोरेंसिक विशेषज्ञों और श्वान दस्तों को जांच में लगाया गया है। उन्होंने कहा कि घर में तीन मोटरसाईकिल भी मिली है, जिसकी जांच की जा रही है के तीनो दोपहिया किसके हैं। उन्होंने कहा कि सहनी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतक के सीने और पेट पर किसी तेज धार हथियार से हमला कर गहरे घाव किए गए हैं। इससे पहले, दरभंगा जिले के घनश्यामपुर थाने के जिरात गांव में स्थित सहनी के आवास का निरीक्षण करने पहुंचे पुलिस उपमहानिरीक्षक बाबूराम ने बताया था कि मौके पर कमरे में तीन खाली ग्लास मिले हैं। उन्होंने बताया, घर के पीछे से अलमारी की बरामदगी से शुरू में हमलोगों को लगा था यह मामला चोरी का होगा। लेकिन बाद में जो महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं वह चोरी से अलग संकेत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जीतन सहनी की हत्या की घटना को अत्यंत दुखद बताया तथा पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने पुलिस महानिदेशक को मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

तमिलनाडु...

नाम तमिलर काची (एनटीके) के मदुरै जिले के उप सचिव बालसुब्रमण्यन की हत्या, चेन्नई में बहुजन समाज पार्टी के राज्य प्रमुख के. आर्मस्ट्रांग की हत्या के कुछ दिनों बाद हुई है। हालांकि, पुलिस ने राजनीतिक कारणों से बालसुब्रमण्यन की हत्या की आशंका से इनकार किया है।

पेपर लीक...

की अपनी प्राथमिकी, परीक्षा में कथित अनियमितताओं की व्यापक जांच से संबंधित है। नीट-यूजी का आयोजन एनटीए द्वारा सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए किया जाता है।

सरकार ने...

इसलिए कोई भी सांसद बैठक में शामिल नहीं हो सकेगा। तृणमूल कांग्रेस 21 जुलाई को उन 13 कांग्रेस समर्थकों की याद में शहीद दिवस मनाती है, जो 1993 में राज्य सचिवालय राइटर्स बिल्डिंग तक मार्च निकाले जाने के दौरान कोलकाता पुलिस द्वारा की गई गोलीबारी में मारे गए थे। ममता बनर्जी उस समय कांग्रेस की युवा शाखा की प्रदेश इकाई की अध्यक्ष थीं। उन्होंने। जनवरी, 1998 को तृणमूल कांग्रेस के गठन के बाद भी हर साल शहीद दिवस मनाना जारी रखा। इस दिन वह एक रैली को भी संबोधित करती हैं। संसद का मानसून सत्र 22 जुलाई से शुरू होने वाला है और यह 12 अगस्त तक प्रस्तावित है। बजट 23 जुलाई को पेश किया जाएगा।18वीं लोकसभा के गठन के बाद पहले संसद सत्र में विपक्षी गठबंधन इंडिया यानी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस ने हाल ही में नीट विवाद, मणिपुर की स्थिति और महंगाई जैसे मुद्दों को उठाया था और नारेबाजी व शोरगुल के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित हुई थी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जवाब के दौरान दोनों सदनों में विरोध प्रदर्शन भी हुए थे। लोकसभा में प्रधानमंत्री के जवाब के दौरान विपक्षी सांसदों ने मणिपुर पर बयान देने की मांग करते हुए नारेबाजी की जबकि राज्यसभा में विपक्ष ने बहिर्गमन किया था।

ईवीएम...

वीवीपैट पर्चियों की गिनती आयोग द्वारा निर्धारित वीवीपैट पर्चियों की गिनती की प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी। 4 जून को परिणामों की घोषणा के बाद ईवीएम की जली हुई मेमोरी/माइक्रोकंट्रोलर की जांच और सत्यापन के लिए लोकसभा के लिए कुल आठ और विधानसभा चुनावों के लिए तीन आवेदन प्राप्त हुए थे।

मोदी के...

विभागों को वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को ध्यान में रखते हुए यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी वेबसाइटों में सुधार करना चाहिए कि वे उपयोगकर्ता के अनुकूल हों। नागरिकों के जीवन पर जल जीवन मिशन के प्रभाव का अध्ययन करने की कवायद की जानी चाहिए। सचिवों को बताया गया कि आईजीओटी पर उपलब्ध क्षमता निर्माण पाठ्यक्रमों और मॉड्यूल का पूरा लाभ उठाने के लिए अधिकारियों को प्रोत्साहित करने के लिए उपयुक्त प्रोत्साहन तैयार किए जाने चाहिए। गौबा ने कहा कि मंत्रालयों और विभागों को अपने आईटी सिस्टम को पर्याप्त रूप से लचीला बनाने और साइबर सुरक्षा दिशानिर्देशों और प्रोटोकॉल का ईमानदारी से पालन सुनिश्चित करने के लिए अपने अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के लिए कदम उठाने चाहिए। यह निरंतर प्रयास रहना चाहिए। उन्होंने कहा, मेरा भारत, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), भारत स्काउट्स और गाइड और अन्य समान पहलों को राष्ट्र निर्माण में युवाओं को पर्याप्त अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से समन्वित किया जाएगा। इसके लिए एक व्यापक कार्य योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा।

आईएएस पूजा...

से पहले अकादमी में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया जाता है। एमबीबीएस पूरा करने के बाद, पूजा 2021 में सिविल सेवा परीक्षा में शामिल हुईं और 821वीं रैंक हासिल करते हुए प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार पास किया। बाद में यूपीएससी ने उन्हें 'अंधत्व और मानसिक बीमारी' से पीड़ित होने के दिव्यांगता के दावे की पुष्टि करने के लिए दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में मेडिकल जांच कराने के लिए कहा, एक ऐसी बीमारी जिसने उन्हें बेंचमार्क दिव्यांगता वर्ग वाले व्यक्तियों के तहत लाभ दिया। हालाँकि, उन्होंने अप्रैल और अगस्त 2022 के बीच छह मौकों पर मेडिकल चेक-अप के लिए कॉल नहीं की। पूजा ने इससे पहले बेंचमार्क दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) श्रेणी के तहत अहमदनगर जिला सिविल अस्पताल द्वारा 2018 और 2021 में प्रदान किए गए दो प्रमाण पत्र यूपीएससी को जमा किए थे।

आयात कम करने के लिए उच्च उपज वाली दलहन, तिलहन विकसित करें: कृषि मंत्री

भाषा। नई दिल्ली

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के वैज्ञानिकों से दलहन और तिलहन की उच्च उपज वाली किस्में विकसित करने का आह्वान किया, ताकि घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सके और आयात पर निर्भरता घटाई जा सके। 96वें आईसीएआर स्थापना एवं प्रौद्योगिकी दिवस को संबोधित करते हुए चौहान ने अन्य देशों की तुलना में भारत में सोयाबीन की कम उत्पादकता का जिक्र किया। उन्होंने सोयाबीन फसल और सूरजमुखी के बीजों के तहत खेती के रकबे में क्रमिक गिरावट का भी उल्लेख किया। चौहान ने कहा, हम पर्याप्त मात्रा में चावल और गेहूं उपजा रहे हैं, लेकिन दलहन और खाद्य तेलों का आयात कर रहे हैं। हम इस मुद्दे का समाधान कैसे करेंगे? ...कम अवधि वाली और अधिक उपज देने वाली नई किस्में विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि किसान कम उत्पादकता और कम लाभ देने वाली फसलें उगाने को इच्छुक नहीं हैं। मंत्री ने आईसीएआर से अभियान के तहत फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने और किसानों को दलहन और तिलहन की खेती के बारे में शिक्षित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कृषि में विविधता लाने से किसानों की आय चौगुनी हो सकती है, इसे हासिल करना असंभव कार्य नहीं है। प्रयोगशाला से भूमि तक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की खाई को स्वीकार करते हुए, चौहान ने आईसीएआर अनुसंधान संस्थानों और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के बीच सहयोग का सुझाव दिया। उन्होंने यह भी कहा कि आईसीएआर के बजट का केवल 20 प्रतिशत ही अनुसंधान पर खर्च किया जाता है, जबकि बाकी कर्मचारियों के वेतन पर खर्च होता है। उन्होंने अनुसंधान खर्च बढ़ाने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने आईसीएआर से संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान को तेज करने का आग्रह किया। उन्होंने पशुओं में खुरपका और मुंहपका रोग से निपटने के लिए समाधान और डेयरी किसानों के लिए किफायती आईवीएफ टीकों के विकास का आह्वान किया।

पारंपरिक हलवा समारोह में शामिल हुईं वित्त मंत्री

भाषा। नई दिल्ली

बजट दस्तावेज को अंतिम रूप देने का आखिरी चरण माना जाने वाला पारंपरिक हलवा समारोह मंगलवार को हुआ। इसके साथ वित्त वर्ष 2024-25 के बजट दस्तावेज को अंतिम रूप देने का काम शुरू हो गया है। बजट 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया जाएगा। इस समारोह में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शामिल हुईं और उन्होंने परंपरा के तौर पर हलवा बांटा। यह हर साल होने वाला समारोह है जिसमें हलवा तैयार किया जाता है और बजट की तैयारी में शामिल रहे वित्त मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को परोसा जाता है। यह समारोह दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक के बेसमेंट में आयोजित किया जाता है। यहीं पर प्रिंटिंग प्रेस है। वित्त मंत्रालय नार्थ ब्लॉक में ही स्थित है। इसमें वित्त

बजट दस्तावेज को अंतिम रूप देने का काम शुरू

मंत्री और अन्य उच्च पदस्थ अधिकारी शामिल हुए। वित्त मंत्रालय ने ट्विटर पर लिखा है, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की मौजूदगी में केंद्रीय बजट 2024-25 के लिए बजट तैयारी प्रक्रिया का अंतिम चरण यहां पारंपरिक हलवा समारोह के साथ शुरू हुआ। इस दौरान वित्त मंत्री ने बजट प्रेस का दौरा भी किया और संबंधित अधिकारियों को शुभकामनाएं देने के अलावा तैयारियों की समीक्षा की। पिछले तीन पूर्ण केंद्रीय बजट और अंतरिम बजट की तरह, 2024-25 का बजट भी कागज रहित यानी डिजिटल रूप में होगा। वार्षिक वित्तीय विवरण (जिसे बजट के रूप में जाना जाता है) अनुदान मांगें, वित्त विधेयक आदि सहित केंद्रीय बजट के सभी दस्तावेज केंद्रीय बजट मोबाइल ऐप पर उपलब्ध होंगे। समारोह में सीतारमण के अलावा, वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी और वित्त सचिव टी वी सोमनाथन, आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ और वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। दरअसल हलवा समारोह केंद्र सरकार के बजट की तैयारी में शामिल वित्त मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को अलग रखने की प्रक्रिया है। यानी बाहर की दुनिया से वे पूरी तरह अलग-थलग होते हैं। ए अधिकारी और कर्मचारी संसद में बजट पेश होने तक नॉर्थ ब्लॉक के बेसमेंट में ही रहते हैं। जहां पूरी गोपनीयता रखी जाती है। वित्त मंत्री के लोकसभा में अपना बजट भाषण पूरा करने के बाद ही वे बाहर आते हैं।

ईडी ने बिहार काडर के आईएएस अधिकारी, पूर्व विधायक के परिसरों पर छापेमारी की

भाषा। पटना

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिहार काडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी संजीव हंस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पूर्व विधायक गुलाब यादव के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में मंगलवार को बिहार, दिल्ली और पुणे में कई परिसरों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।हंस 1997 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और वर्तमान में बिहार ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव के रूप में कार्यरत हैं। सूत्रों ने बताया कि एजेंसी यह छापेमारी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत कर रही है और उसकी यह जांच भ्रष्टाचार एवं जबरन वसूली के आरोपों से जुड़ी है। उन्होंने बताया कि राज्य की राजधानी पटना में हंस और यादव के घरों सहित करीब 22 परिसरों पर छापेमारी की जा रही है।

सीएसआईआर की पहली महिला महानिदेशक कलैसेल्वी को दो साल का सेवा विस्तार

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की महानिदेशक के रूप मे एन कलैसेल्वी का कार्यकाल दो वर्ष के लिए बढ़ा दिया। कलैसेल्वी इस पद पर नियुक्त होने वाली पहली महिला है। उन्हें अगस्त 2022 मे नियुक्त किया गया था। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक आदेश मे कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने कलैसेल्वी की महानिदेशक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद-सह-सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीजी,सीएसआईआर-सह-सचिव, डीएसआईआर) के रूप मे कार्यकाल के विस्तार को सामान्य नियमों और शर्तो के अनुसार सात अगस्त 2024 से आगे दो साल की अवधि के लिए अनुमति दे दी है।

भाजपा बहुराष्ट्रीय कंपनी की तरह काम कर रही है, उसे रोबोट चाहिए: सारंगी

रांची। झारखंड मे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व नेता कुणाल सारंगी ने मंगलवार को पार्टी नेतृत्व पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह एक बहुराष्ट्रीय कंपनी की तरह काम कर रही है और उसे इशारों पर काम करने वाले रोबोट चाहिए। सारंगी ने सात जुलाई को भाजपा छोड़ दी थी और कहा कि पार्टी को प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओ की जरूरत नही है। उन्होने पीटीआई-भाषा से कहा, यह अब अलग विचार वाली पार्टी नही रही और नेताओं और कार्यकर्ताओं को मुख्यालय के निर्देशों का पालन करना पड़ता है। भाजपा एक बहुराष्ट्रीय कंपनी की तरह काम कर रही है जहां एक संरचना है और हर किसी को इसका पालन करना होता है। इसमे केवल आदेशों का पालन करने के लिए रोबोट की आवश्यकता होती है। यहां नवाचार या चीजों को अलग तरीके से करने की इजाजत नही है।

तेलंगाना सरकार एक लाख रुपए तक के कृषि ऋण 18 जुलाई को माफ करेगी

हैदराबाद। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार एक सरकारी योजना के तहत 18 जुलाई को एक लाख रुपए तक के कृषि ऋण माफ करेगी।मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने पहले घोषणा की थी कि सरकार इस साल 15 अगस्त तक दो लाख रुपए तक के कृषि ऋण को माफ करेगी।एक आधिकारिक विज्ञप्ति मे मंगलवार को कहा गया कि 18 जुलाई को एक समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमे किसानो के कृषि ऋण खातो मे पैसे जमा किए जाएंगे। कार्यक्रम मे मंत्री और विधायक भी शामिल होगे। इसमे कहा गया कि अगर कृषि ऋण माफी के लिए जमा की गई राशि (किसानो के) अन्य खातो मे जमा की जाती है तो बैंकरो के खिलाफ सख्त कार्वाई की जाएगी।

मौलाना तौकीर रजा ने इस्लाम अपनाने वाले युवक-युवतियों के सामूहिक निकाह के लिए प्रशासन से अनुमति मांगी

भाषा। बरेली-संभल (उप्र)

इत्तेहाद ए मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) ने इस्लाम अपनाने वाले दूसरे धर्म के युवक-युवतियों के सामूहिक निकाह के लिए प्रशासन से अनुमति मांगी है, जिसका हिंदू नेताओं ने विरोध किया है। इस बीच, पुलिस का दावा है कि बिना जिला प्रशासन की अनुमति के यदि किसी ने कोई कार्यक्रम आयोजित किया और किसी ने माहौल खराब करने की कोशिश की तो सख्त विधिक कार्वाई होगी। वहीं संभल के एक मुस्लिम धर्मगुरु ने आईएमसी के धर्म परिवर्तन के लिए कार्यक्रम आयोजित करने को शरीयत के खिलाफ करार दिया है। आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा ने सोमवार की शाम पत्रकारों से कहा कि हिंदू से मुस्लिम बने युवक-युवतियों का निकाह कराएंगे और पहले चरण में पांच जोड़ों का निकाह होगा, जिसमें युवक एवं युवतियां धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी कर एक-दूसरे का दामन थामेंगे। मौलाना ने कहा, सामूहिक निकाह समारोह 21 जुलाई को सुबह 11 बजे खलील हायर सेकेंडरी स्कूल में होगा। इसके लिए प्रशासन से भी अनुमति मांगी है। बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने बताया कि नगर मजिस्ट्रेट को धर्म परिवर्तन संबंधी निकाह कार्यक्रम की अनुमति के लिए आवेदन किया गया है। इसके लिए संबंधित थाना क्षेत्र और अभिसूचना सूचना शाखा से रिपोर्ट मांगी गई है। उन्होंने कहा, बरेली शहर और ग्रामीण क्षेत्र की जनता को आश्वस्त किया गया है कि कानून व्यवस्था के साथ किसी को भी खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। बिना जिला प्रशासन की अनुमति के यदि किसी ने कोई कार्यक्रम आयोजित किया और किसी ने माहौल खराब करने की कोशिश की तो सख्त विधिक कार्वाई होगी। बरेली के नगर मजिस्ट्रेट राजीव शुक्ला ने बताया कि आईएमसी की ओर से संगठन प्रभारी नदीम कुरैशी ने कार्यक्रम आयोजन की अनुमति के लिए 11 जुलाई को एक पत्र दिया है। मौलाना तौकीर का दावा है कि उनके पास निकाह के लिए धर्म परिवर्तन करने वाले करीब 23 युवक-युवतियों के आवेदन आ चुके हैं। इनमें आठ लड़के और 15 लड़कियां शामिल हैं, इन्होंने अपने रिश्ते पहले से तय किए हुए हैं। उन्होंने कहा, इनका निकाह करवाने के साथ ही धर्म परिवर्तन की औपचारिक प्रक्रिया भी पूरी की जानी है। इसी के तहत इनमें से पांच जोड़ों का चयन पहले चरण में किया गया है। मौलाना ने कहा कि प्रशासन को इसमें कोई एतराज होना नहीं चाहिए, क्योंकि वे लोग कोई गैरकानूनी काम नहीं कर रहे हैं। तौकीर ने कहा कि बहुत से लड़के लड़कियां हैं जो साथ पढ़ाई और काम कर रहे हैं तथा उनके संबंध भी बन गए हैं।

सहारनपुर में धार्मिक ग्रंथ पढाने वाले शिक्षक ने नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म किया, गिरफ्तार

सहारनपुर (उप्र)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के सदर बाजार थाना क्षेत्र मे धार्मिक ग्रंथ पढाने वाले एक शिक्षक (ट्यूटर) ने कथित तौर पर 15 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ कई बार दुष्कर्म किया, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार इसकी जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (नगर) अभिमन्यु मांगलिक ने पीटीआई-भाषा से बताया कि थाना सदर बाजार क्षेत्र के रक्खा कालोनी निवासी अफजाल (28) नामक आरोपी एक नाबालिग छात्रा को धार्मिक ग्रन्थ पढाने के लिए उसके घर जाता था और उसने छात्रा से कई बार डराधमका कर कथित तौर पर दुष्कर्म किया। मांगलिक ने बताया कि दो दिन पहले ही छात्रा ने अपने माता-पिता से शिकायत की कि अफजाल सर से पढ़ाई नही करूंगी, क्योंकि वह मुझे बैड टच करते हैं। उन्होंने बताया कि छात्रा की मां ने जब उससे गहराई से पूछताछ की तो उसने सारी सच्चाई अपनी मां को बताई, इस पर माता-पिता पीडिता को लेकर थाना सदर बाजार पहुंचे और ट्यूटर अफजाल के विरुद्ध थाने में तहरीर दी।

क्विक न्यूज

एआईपीईएफ का सीतारमण को पत्र, बिजली क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल हो

नई दिल्ली। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर फेडरेशन (एआईपीईएफ) ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक पत्र भेजकर देश के सभी राज्यो और केंद्र शासित प्रदेशो मे बिजली निगमो मे कार्य कर रहे सभी बिजलीकर्मियो के लिए एक समान पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने की मांग की है। एआईपीईएफ ने बयान में कहा कि पत्र की प्रतिलिपि सभी राज्यो के मुख्यमंत्रियो को भी दी गई है। एआईपीईएफ के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने कहा, एनपीएस (नई पेंशन प्रणाली) के तहत कर्मचारी के वेतन से 10 प्रतिशत राशि काटी जाती है और 14 प्रतिशत राशि सरकार या नियोक्ता द्वारा दी जाती है। उन्होंने कहा, यह राशि एलआईसी और कुछ अन्य संस्थाओ के माध्यम से बाजार मे निवेश की जाती है। कर्मचारी की सेवानिवृति के समय बाजार मे जो भी होगा, वह राशि वापस कर दी जाएगी और बाजार मूल्य के हिसाब से पेंशन दी जाएगी। यह राशि बहुत कम है। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर, पुरानी पेंशन योजना मे पेंशन, अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत है और जब भी वेतन संशोधन होता है, तो पेंशन भी संशोधित होती है। इसके अलावा पेंशनभोगी की मृत्यु होने पर उसकी पत्नी को पारिवारिक पेंशन मिलती है। पुरानी पेंशन योजना मे पेंशन देना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों से कोई अंशदान नही काटा जाता। पत्र में एआईपीईएफ ने कहा कि देश के सभी विद्युत निगमो मे एकरूपता लाने के लिए यह आवश्यक है कि केंद्र सरकार सभी राज्यो को निर्देश जारी करे कि बिजली निगमो मे कार्यरत कर्मचारियो एवं अभियंताओ के लिए एक समान पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू की जाए। पत्र में कहा गया है कि हाल ही मे राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड की सरकारो ने ऊर्जा निगमो मे काम करने वाले सभी कर्मचारियो और इंजीनियरो के लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू कर दी है। इस प्रकार विभिन्न राज्यो मे ऊर्जा निगमो मे इस मामले मे कोई एकरूपता नही है। तीन राज्यो मे पुरानी पेंशन लागू है और अन्य अलग-अलग प्रदेशो मे सीपीएफ, ईपीएफ या एनपीएस लागू है।

सरकार ने खुदरा विक्रेताओं से दालों पर लाभ मार्जिन कम करने को कहा

नई दिल्ली। सरकार ने कहा है कि पिछले एक महीने मे प्रमुख थोक बाजारो मे लगभग चार प्रतिशत की गिरावट के अनुपात मे अरहर, उड़द और चना दालो की खुदरा कीमतो मे गिरावट नही आई है। ऐसे मे सरकार ने खुदरा विक्रेताओ से उपभोक्ताओ को राहत प्रदान करने के लिए उचित लाभ मार्जिन वसूलने को कहा है। सरकार ने चेतावनी दी है कि वह बाजार खिलाड़ियो द्वारा सट्टेबाजी और मुनाफाखोरी के खिलाफ सख्त कार्वाई करेगी। मंगलवार को उपभोक्ता मामलो के विभाग ने दालो के मूल्य परिदृश्य पर चर्चा करने के लिए रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) के साथ एक बैठक आयोजित की। उपभोक्ता मामलो के विभाग की सचिव निधि खरे की अध्यक्षता मे हुई बैठक मे अरहर और चने के लिए स्टॉक सीमा के अनुपालन की भी समीक्षा की गई। बैठक मे आरएआई, रिलायंस रिटेल, डी-मार्ट, टाटा स्टोर्स, स्पेंसर, आरएसपीजी और वी-मार्ट के प्रतिनिधियो ने भाग लिया। आरएआई के 2,300 से अधिक सदस्य हैं, तथा देशभर मे इसकी 6,00,000 से अधिक खुदरा दुकाने है। एक सरकारी बयान के अनुसार, सचिव ने सूचित किया कि पिछले एक महीने मे प्रमुख मंडियो मे चना, तुअर और उड़द की कीमतो मे चार प्रतिशत तक की गिरावट आई है, लेकिन खुदरा कीमतो मे ऐसी कोई गिरावट नही देखी गई है। बयान मे कहा गया है कि उन्होने थोक मंडी कीमतो और खुदरा कीमतो के बीच भिन्न प्रवृत्तियो की ओर इशारा किया, जिससे लगता है कि खुदरा विक्रेताओ को अधिक लाभ मार्जिन मिल रहा है। वर्तमान मूल्य परिदृश्य और खरीफ फसल के उत्पादन को ध्यान मे रखते हुए खरे ने खुदरा उद्योग से दालो की कीमतो को उपभोक्ताओ के लिए किफायती बनाए रखने के सरकार के प्रयासो मे हरसंभव सहायता प्रदान करने को कहा। बयान मे कहा गया है कि खुदरा उद्योग के प्रतिभागियो ने भरोसा दिया कि वे अपने खुदरा मार्जिन मे आवश्यक समायोजन करेंगे और उपभोक्ताओ को किफायती कीमतो पर कीमते उपलब्ध कराने के लिए इसे नाममात्र के स्तर पर बनाए रखेंगे। खरे ने जोर देकर कहा कि बड़ी श्रृंखला के खुदरा विक्रेताओ सहित भंडारण करने वाली सभी इकाइयों की स्टॉक स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निर्धारित सीमाओ का उल्लंघन न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि स्टॉक सीमा का उल्लंघन, बेईमानी से सट्टेबाजी और बाजार कारोबारियो की ओर से मुनाफाखोरी के लिए सरकार कड़ी कार्वाई करेगी। खरे ने इस बात का उल्लेख किया चालू खरीफ मौसम मे दालो की बुवाई का काम मजबूत है।

गोवा में विशेषज्ञ पैनल ने की पुर्तगाली शासनकाल में नष्ट किए मंदिरों के लिए स्मारक बनाने की सिफारिश

पणजी। एक विशेषज्ञ समिति ने पुर्तगाली शासनकाल के दौरान नष्ट किए गए मंदिरो के लिए गोवा मे एक स्मारक और राज्य के प्राचीन विरासत मंदिरो की झलक प्रदर्शित करने के लिए एक संग्रहालय के निर्माण की सिफारिश की है। समिति की रिपोर्ट विधानसभा मे पेश की गई। रिपोर्ट मे समिति ने दावा किया है कि पुर्तगाली शासको ने गोवा में एक हजार से अधिक मंदिरो को नष्ट कर दिया था। गोवा के पुरातत्व मंत्री सुभाष फल देसाई ने सोमवार को सदन में कहा कि उनका विभाग स्मारक के निर्माण के लिए उपयुक्त स्थल देख रहा है। उन्होने एक अतारांकित प्रश्न के उत्तर के तहत, पुर्तगाली शासन के दौरान नष्ट किए गए मंदिरो के पुनर्निर्माण के लिए विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट सदन मे प्रस्तुत की। उन्होंने कहा, विशेषज्ञ समिति की सिफारिश के अनुसार, विभाग आगे के शोध को सुविधाजनक बनाने को संबंधित पुस्तको के अंग्रेजी में अनुवाद के लिए गोवा गजेटियर और ऐतिहासिक अभिलेख विभाग के साथ संपर्क में है। वर्ष 2023 में गठित समिति की रिपोर्ट मे सिफारिश की गई है कि पूर्व-पुर्तगाली शासनकाल में गोवा में बड़ी संख्या मे मंदिरो को पुर्तगालियों द्वारा नष्ट किए गए जाने को ध्यान मे रखते हुए, पुराने पुर्तगाली विजय क्षेत्र मे किसी भी स्थान पर एक मंदिर स्मारक (स्मारक देवालय) का निर्माण किया जाना चाहिए ...। समिति ने यह भी कहा कि गोवा की समृद्ध मंदिर संस्कृति से संबद्ध गांवो के आसपास पुरातात्विक साक्ष्य और अवशेष बिखरे पड़े है। इन पर ध्यान नही दिया जा रहा है। हम आधुनिकीकरण की प्रक्रिया मे अपनी पुरानी मंदिर विरासत को तेजी से खो रहे है।

टाटा प्ले का मानसून का साथी , जुड़ेंगे लोग

मुंबई। टाटा प्ले बिंज पर बारिश के मौसम के लिए विभिन्न ओटीटी मंचों के बेहतरीन कार्यक्रमों का संग्रह पेश किया गया है। अगर आप अपनी जेब पर भार डाले बिना ये कार्यक्रम देखना चाहते हैं, तो इसका हल टाटा प्ले बिंज के पास है। इस अकेले ऐप पर आप एक ही छत के नीचे सबसे कम सदस्यता शुल्क में 30 से ज्यादा राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय ऐप्स के कार्यक्रम देख सकते हैं। इस मौसम में अमेजन प्राईम के पंचायत एवं अन्य कार्यक्रम, डिज़्नी+ हॉटस्टार पर लीजेंड्स ऑफ हनुमान, सोनी लिव के गुल्लक और ओटीटी की दुनिया के कई अन्य बेहतरीन कार्यक्रम टाटा प्ले बिंज पर देखिए। इसलिए टाटा प्ले बिंज डाउनलोड करके बारिश के मौसम को और ज्यादा मनोरंजक बनाईये !मिर्जापुर (सारे सीजन) अमेजन प्राईम वीडियो मिर्जापुर एक दिलचस्प भारतीय अपराध थ्रिलर है, जो उत्तर प्रदेश के एक अराजकतापूर्ण शहर की कहानी पेश करता है। इस सीरीज में गुड्डू और बबलू पंडित ताकत, ड्रग्स, और हिंसा की दुनिया में उतर पड़ते हैं, जिस पर एक निर्दयी माफिया डॉन, कालीन भैया का राज चलता है। इस सीरीज में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, विक्रांत मस्से, दिव्येन्दु, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुग्गल, विजय वर्मा आदि से सशक्त अभिनय किया है। सनफ्लॉवर (सभी सीजन) - जी5 सनफ्लॉवर अपनी तरह की एक अलग मौत की गुत्थी पर आधारित सीरीज है। इसमें पहले धारावाहिक से ही दिलचस्पी बन जाती है। इसमें सनफ्लॉवर नाम की एक मध्यमवर्गीय आवासीय संस्था के निवासियों का दैनिक जीवन दिखाया गया है। गुल्लक (सभी सीजन) - सोनी लिव गुल्लक एक काल्पनिक मिश्रा परिवार के रोजमर्रा के जीवन की कहानी है।

प्रसिद्ध लेखक के घर चोरी करने के बाद चोर ने पश्चाताप किया, सामान लौटाया

मुंबई। एक चोर को उस समय पछतावा हुआ जब उसे पता चला कि उसने एक प्रसिद्ध मराठी लेखक के घर से कीमती सामान चुराया था। पश्चाताप करते हुए चोर ने चुराया गया सामान लौटा दिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चोर ने रायगढ़ जिले के नेरल में स्थित नारायण सुर्वे के घर से एलईडी टीवी समेत कीमती सामान चुराया था। मुंबई में जन्मे सुर्वे एक प्रसिद्ध मराठी कवि और सामाजिक कार्यकर्ता थे। अपनी कविताओं में शहरी मजदूर वर्ग के संघर्षों को स्पष्ट रूप से दर्शाने वाले सुर्वे का 16 अगस्त 2010 को 84 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। सुर्वे की बेटी सुजाता और उनके पति गणेश घारे अब इस घर में रहते हैं। वह अपने बेटे के पास विरार गए थे और उनका घर 10 दिनों से बंद था। इसी दौरान चोर घर में घुसा और एलईडी टीवी समेत कुछ सामान चुरा ले गया। अगले दिन जब वह कुछ और सामान चुराने आया तो उसने एक कमरे में सुर्वे की तस्वीर और उन्हें मिले सम्मान आदि देखे। चोर को बेहद पछतावा हुआ। पश्चाताप स्वरूप उसने चुराया गया सामान लौटा दिया। इतना ही नहीं, उसने दीवार पर एक छोटा सा नोट चिपकाया, जिसमें उसने महान साहित्यकार के घर चोरी करने के लिए मालिक से माफी मांगी। नेरल पुलिस थाने के निरीक्षक शिवाजी धवले ने बताया कि सुजाता और उनके पति जब रविवार को विरार से लौटे तो उन्हें यह नोट मिला। उन्होंने बताया कि पुलिस टीवी और अन्य वस्तुओं पर मिले उंगलियों के निशान के आधार पर आगे की जांच कर रही है। बचपन में माता-पिता को खो चुके सुर्वे मुंबई की सड़कों पर पले-बढ़े थे। उन्होंने घरेलू सहायक, होटल में बर्तन साफ करने, बच्चों की देखभाल करने, पालतू कुत्तों की देखभाल, दूध पहुंचाने, कुली और मिल मजदूर के रूप में काम किया था। अपनी कविताओं के माध्यम से सुर्वे ने श्रमिकों के संघर्ष को बताने का प्रयास किया।

बीआरएस ने कांग्रेस में शामिल हुए 10 विधायकों को अयोग्य करार देने के लिए विस अध्यक्ष को दी अर्जी

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने मंगलवार को तेलंगाना विधानसभा के स्पीकर जी. प्रसाद कुमार को अर्जी देकर उन 10 विधायकों की सदस्यता समाप्त करने की अपील की जो सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव और अन्य विधायकों ने यहां विधानसभा में अध्यक्ष को अर्जी दी। रामाराव ने बताया कि विधानसभा अध्यक्ष ने भरोसा दिया कि वह याचिका पर गौर करेंगे और कानून एवं संविधान के सुसंगत प्रावधानों के तहत फैसला करेंगे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हमें अब भी विधानसभा अध्यक्ष पर भरोसा है। हमें उम्मीद है कि वह फैसला करेंगे। अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो हम उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के बेटे रामाराव ने कहा कि शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में व्यवस्था दी थी कि विधानसभा अध्यक्ष को अयोग्यता की अर्जी पर तीन महीने के भीतर फैसला लेना चाहिए और इससे प्रसाद कुमार को अवगत कराया गया। रामाराव ने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संविधान की रक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे करते हैं लेकिन वह पाला बदलने वाले विधायकों की पीठ थपथपा रहे हैं। बीआरएस के प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष से अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने और विपक्षी पार्टी के विधायकों को नजर अंदाज करने की भी शिकायत की। कांग्रेस के पिछले साल दिसंबर में सत्ता में आने के बाद से बीआरएस के 10 विधायकों ने पाला बदला है जिससे विपक्षी पार्टी को अयोग्यता याचिका दाखिल करनी पड़ी है। बीआरएस के 10 विधायकों के अलावा छह विधान पार्षद भी पाला बदलकर कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। बीआरएस की आलोचना का जवाब देते हुए कांग्रेस नेताओं ने पूर्व में कहा था कि के. चंद्रशेखर राव नीत पार्टी को दलबदल पर बात करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि बीआरएस ने भी सत्ता में रहने के दौरान दूसरे दलों के विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल किया था। पिछले साल हुए 119 सदस्ईय विधानसभा के चुनाव में बीआरएस को 39 सीट मिली थी जबकि कांग्रेस 64 सीट पर जीत दर्ज कर सत्ता में आई थी। हालांकि, सिकंदराबाद छावनी से निर्वाचित हुईं बीआरएस सदस्य जी लस्या नंदिता की सड़क हादसे में मौत के बाद हुए उपचुनाव में कांग्रेस को जीत मिली और इस प्रकार सदन में उसके सदस्यों की संख्या बढ़कर 65 हो गई।

कर्नाटक : उत्तर कन्नड़ जिले में भूस्खलन में चार लोगों की मौत, तीन अन्य की तलाश जारी

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में शिरूर गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर मंगलवार को हुए भूस्खलन में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य की स्थिति के बारे में अभी तक पता नहीं चला है। कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने बताया कि भूस्खलन राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर हुआ। गौड़ा ने कहा कि भूस्खलन की चपेट में सात लोग आए, जिनमें एक ही परिवार के चार सदस्य भी शामिल हैं। एक पुलिस अधिकारी ने पीटीआई भाषा को बताया, "हमने अब तक चार शव बरामद किए हैं, जिनमें लक्ष्मण नाइक (47) और उनकी पत्नी शांति नाइक (36) का शव भी शामिल है। वे राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर एक भोजनालय चलाते थे। अन्य लोगों की खोज के लिए तलाश अभियान जारी है। मंत्री के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि रोशन (11), अवंतिका (6) और जगन्नाथ (55) की तलाश जारी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सड़क किनारे बने भोजनालय पर पहाड़ी का एक हिस्सा गिर गया। तीन गैस टैंकर के चालक चाय पीने के लिए भोजनालय में रुके थे।

सिंधिया ने दूरसंचार क्षेत्र के विकास पर चर्चा की

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी, भारती एयरटेल के संस्थापक तथा चेयरमैन सुनील भारती मित्तल और वोडाफोन आइडिया के प्रबंध निदेशक तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अक्षय मूंदड़ा के साथ दूरसंचार उद्योग के लिए विकास की रूपरेखा तैयार करने पर विचार-विमर्श किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के तीसरे कार्यकाल में सिंधिया के साथ दूरसंचार क्षेत्र के दिग्गजों की यह पहली बैठक थी। साथ ही मोबाइल दूरसंचार सेवाओं के शुल्क में 10-27 प्रतिशत की वृद्धि के बाद दूरसंचार प्रमुखों के साथ यह मंत्री की पहली बैठक थी। बैठक के दौरान सिंधिया ने उपभोक्ताओं और राष्ट्र के हितों को साधते हुए सहयोगात्मक तरीके से दूरसंचार क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि दूरसंचार मंत्रालय, दूरसंचार परिचालकों और इस क्षेत्र के अन्य भागीदारों के साथ चर्चा के दौरान चिन्हित मुद्दों पर तय समयसीमा के भीतर कार्वाई योजना पर काम करेगा।उन्होंने अपने मंत्रालय की छह समितियों में से तीन के साथ बैठक की।बैठक के बाद सिंधिया ने संवाददाताओं से कहा, हमने इन समितियों के लिए एक गहन एजेंडा की पहचान की है। अब इन समितियों के सदस्य और हम मिलकर काम करेंगे। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं की सलाहकार समिति की बैठक में उद्योग निकाय सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) के महानिदेशक एस पी कोचर भी मौजूद थे। सिंधिया ने कहा कि इन समितियों की पहली प्रस्तुति के लिए अलग-अलग कार्यक्रम हैं, जो अगले कुछ सप्ताहों में होंगे। उन्होंने कहा, इसके बाद हम प्रत्एक व्यक्तिगत मुद्दे पर विचार करेंगे, विवरण पर गहनता से ध्यान देंगे और एक कार्ययोजना, समयसीमा और कार्वाई योग्य बिंदु तैयार करेंगे, ताकि उद्योग को आगे बढ़ाया जा सके। सूत्रों के अनुसार चर्चा लगभग आधे घंटे तक हुई, जिसमें मंत्री ने संकेत दिया कि ग्राहकों का हित दूरसंचार क्षेत्र के विकास के केंद्र में होना चाहिए।

एनआईए ने अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी गिरोह के चार संदिग्ध सदस्यों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने नौकरियों का लालच देकर भारतीय युवाओं को तस्करी के माध्यम से विदेश भेजने के सिलसिले में चार प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को जारी एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गई।बयान के अनुसार इन आरोपियों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया और उनकी पहचान दिल्ली के मंजूर आलम उर्फ गुड्डू, बहादुरगढ़ (हरियाणा) के साहिल और आशीष उर्फ अखिल तथा सीवान (बिहार) के पवन यादव उर्फ अफरोज उर्फ अफजल के रूप में हुई है। एनआईए की जांच में खुलासा हुआ है कि ए लोग एक संगठित तस्करी गिरोह का हिस्सा हैं जो भारतीय युवाओं को आकर्षक नौकरी दिलाने का लालच देकर उन्हें तस्करी के माध्यम से दूसरे देशों में भेजता है।एनआईए के बयान में कहा गया है, तस्करी के माध्यम से बाहर भेजे जाने वाले इन युवकों से लाओस, गोल्डेन ट्राएंगल सेज तथा दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र के अन्य स्थानों पर फर्जी कॉल सेंटर में जबरन काम करवाया जाता था और इस पूरे धंधे में भारत के विभिन्न हिस्सों, लाओस एवं अन्य देशों में सक्रिय विदेशी नागरिकों का एक विशाल नेटवर्क सक्रिय था। एनआईए ने कहा कि इन कॉल सेंटर के माध्यम से युवकों को निवेश घोटाले, रिलेशनशिप घोटाले , क्रिप्टोकरेंसी घोटाले जैसी अवैध ऑनलाइन गतिविधियां करने के लिए बाध्य किया जाता था।

इजराइल की गाजा पर बमबारी, 60 से अधिक मरे

● महिलाओं और बच्चों की संख्या ज्यादा

भाषा। दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)

इजराइल द्वारा सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात एवं मंगलवार को गाजा पट्टी के मध्य क्षेत्र पर की गई बमबारी में महिलाओं और बच्चों सहित 60 से अधिक लोगों की मौत हो गई। इनमें से एक हमला इजराइल द्वारा घोषित सुरक्षित क्षेत्र में भी किया गया। इजराइल ने सबसे घातक हमला दोपहर में किया जो मुवासी के दक्षिणी शहर खान यूनिस के बाहर एक गैस स्टेशन के पास हुआ। मुवासी एक तटीय क्षेत्र है, जो मानवीय सुरक्षित क्षेत्र का हिस्सा है, जहां इजरायली सेना ने फलस्तीनियों को अन्यत्र हमलों से बचने के लिए शरण लेने के लिए कहा है। खान यूनिस के नसर अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि हमले में 17 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि इलाके में शरणार्थियों के लिए तंबू लगाए गए हैं। इजराइल की सेना ने इस हमले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। यह हमला उसी इलाके में हुआ, जहां गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा था कि शनिवार को हुए हमले में 90 से ज्यादा से फलस्तीनियों की मौत हो गई थी। इजराइल ने कहा था कि हमला हमास के शीर्ष सैन्य कमांडर मोहम्मद देइफ को निशाना बनाकर किया गया था। यह हमले ऐसे समय किए गए हैं जब इजराइल और हमास संघर्ष विराम के नवीनतम प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं।

हवाई हमले, 17 की मौत : अस्पताल के अधिकारी

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)। दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर के बाहरी सुरक्षित क्षेत्र पर इजराइल की ओर से किए गए हवाई हमले में 17 फलस्तीनियों की मौत हो गई है। अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नसर अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि हवाई हमले के दौरान गोले मुवासी के गैस स्टेशन पर गिरे जहां पर गाजा के अन्य इलाकों में हुए हमले के बाद फलस्तीनियों ने शरण ले रखी है और इलाके में शरणार्थियों के लिए तंबू लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि इलाका मानवीय सुरक्षित क्षेत्र के अंतर्गत आता है जहां पर इजराइली सेना ने विस्थापित होकर आए फलस्तीनियों को शरण लेने के लिए कहा है।

ओमान की एक मस्जिद में गोलीबारी, पांच लोगों की मौत

दुबई। ओमान की एक शिया मस्जिद में कई हमलावरों द्वारा की गई गोलीबारी में पांच लोगों की मौत हो गई और एक पुलिस अधिकारी सहित कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान की सरकार ने दावा किया है कि इस घटना में उसके चार नागरिक मारे गए हैं और 30 घायल हो गए हैं। रॉयल ओमान पुलिस ने एक बयान में कहा कि यह गोलीबारी ओमान की राजधानी मस्कट के वादी कबीर इलाके में सोमवार रात को हुई। ओमान की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि तीन हमलावर मारे गए। एजेंसी ने जानकारी दी इस घटना में विभिन्न देशों के 28 नागरिक घायल हो गए हैं। गोलीबारी की यह घटना आशूरा की पूर्व संध्या पर हुई। आशूरा पैगंबर मुहम्मद के नवासे इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाया जाता है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वह इमाम बारगाह अली बिन अबू तालिब मस्जिद पर हुए कायराना आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है।

Karnataka Bank Ltd. 100
Your Family Bank. Across India.

पंजी. और मुख्य कार्यालय पी.बी. नं. 599, महावीर सर्कल कंकनाडी मंगलुरु – 575002	फोन: 0824-2228488/104 ईमेल: legal.recovery@ktkbank.com वेबसाइट: www.karnatakabank.com सीआईएन: L85110KA1924PLC001128

कानूनी और वसूली विभाग

1. मैसर्स ब्लैकबेरी ओवरसीज प्रा. लि., इसके निदेशकों द्वारा प्रतिनिधित्व, क) श्री सुब्बांशु जैन ख) श्रीमती निकिता जैन, पंजीकृत कार्यालय: जी–11 नॉर्थ स्क्वायर मॉल, नेताजी सुभाष प्लेस पीतमपुरा, नई दिल्ली, दिल्ली – 110034	2. श्री सुब्बांशु जैन पुत्र स्वर्गीय सुनील जैन 3. श्रीमती निकिता जैन पुत्री स्वर्गीय सुनील जैन 4. श्रीमती ममता जैन पत्नी स्वर्गीय सुनील जैन, सभी क्र. सं (2) से (4) निवासी: 1603, कूंचा सेठ दरीबा कलां, जैन मंदिर के पास दिल्ली – 110006 5. स्वर्गीय सुनील जैन, कानूनी उत्तराधिकारी श्री सुब्बांशु जैन, श्रीमती निकिता जैन, श्रीमती ममता जैन द्वारा प्रतिनिधित्व

महोदय,
(i) ओवरड्राफ्ट ऋण खाता सं. 560700010000 2301 दिनांक 20–11–2021 के लिए 60,000.00 रुपये (ii) पीएस – अवधि ऋण खाता सं. 560001800004101 दिनांक 23.11.2021 के लिए 67,00,000.00 रुपये (iii) पीएस–अवधि ऋण खाता सं. 560700180000 4501 दिनांक 11.11.2021 के लिए 5,00,00,000.00 रुपये (iv) पीएस–अवधि ऋण खाता सं. 560700180000 4601 दिनांक 11.11.2021 के लिए 74,44,000.00 रुपये, नई दिल्ली–पूर्व में प्राप्त की जाने वाली सुविधा है। आप नं. 1, मैसर्स ब्लैकबेरी ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कैलाश शाखा, इसके निदेशकों द्वारा प्रतिनिधित्व, आप नं. 2, श्री सुब्बांशु जैन और आप नं. 3, श्रीमती निकिता जैन उधारकर्ता हैं और आप नं. 2, श्री सुब्बांशु जैन और आप नं. 3, श्रीमती निकिता जैन सह–दायित्वकर्ता/गारंटर हैं और आपने प्रासंगिक समय पर और यहां तक कि अब तक ऋण सुविधाओं का लाभ उठाया है। श्री सुनील जैन (अब दिवंगत) भी सह–दायित्वधारकों/गारंटरों में से एक थे। अब उनका प्रतिनिधित्व आप (नं. 2) श्री सुब्बांशु जैन और आप (नं. 3) श्रीमती निकिता जैन और आप सं. 4, श्रीमती ममता जैन को 11.11.2021 से 09.10.2023 को गैर–निष्पादित परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है और संबंधित पक्षों को बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा 22.05.2024 को वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) और (3) के तहत विस्तृत मांग नोटिस जारी करके सरफासी अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू की गई है। स्पीड पोस्ट द्वारा उपरोक्त पते पर पावती सहित भेजा गया उक्त मांग नोटिस बिना वितरित किए वापस आ गया है। इसलिए, हमने सरफासी अधिनियम 2002 में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए इस नोटिस के माध्यम से मांग नोटिस की सामग्री प्रकाशित की है। दिनांक 21.02.2024 को शेष राशि 7,01,79,360.14 रुपये, अर्थात (i) ओवरड्राफ्ट ऋण खाता संख्या–560700010000 2301 के अंतर्गत 66,466.00 रुपये, 01.04.2024 से प्रभावी 13.93% प्रति वर्ष चक्रवृद्धि ब्याज दर के साथ, (ii) पीएस–टर्म ऋण खाता सं. 560700180000 4101 के अंतर्गत 43,69,438.61 रुपये, 01.05.2024 से प्रभावी 9.25% प्रति वर्ष चक्रवृद्धि ब्याज दर के साथ, (iii) रु. 5,70,36,498.53 पीएस–टर्म लोन खाता सं. 560700180000 4501 के तहत भविष्य की ब्याज दर /15.76% प्रति वर्ष, 11.05.2024 से प्रभावी मासिक चक्रवृद्धि ब्याज के साथ (iv) रु. 87,06,957.00 पीएस–टर्म लोन खाता संख्या 560700180000 4601 के तहत भविष्य की ब्याज दर @15.76% प्रति वर्ष, 11.05.2024 से प्रभावी मासिक चक्रवृद्धि ब्याज के साथ, आपको इस पेपर के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर इसका भुगतान करने के लिए कहा जाता है।

बंधक सम्पत्ति का संक्षिप्त विवरण

सूची नं. 1: रिहायशी सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पूर्ण भूतल, बिना छत/टैरेस अधिकार के, भूमि क्षेत्रफल 60 वर्ग गज पर निर्मित, निर्मित ओल्ड म्युनिसीपल नं. डब्ल्यू जेड–30, नया सं. डब्ल्यू जेड–60, रेक्ट सं. 10, किला सं. 20/2, चौखंडी गांव में कॉलोनी राम नगर एक्सटेंशन, नई दिल्ली–110018 में स्थित यह सम्पत्ति मैसर्स ब्लैकबेरी ओवरसीज प्रा. लि. के नाम पर है, इसके निदेशकों द्वारा प्रतिनिधित्व
सूची नं. 2: व्यवसायिक दुकान का वह समस्त भाग एवं अंश जिसका क्षेत्रफल 487.38 वर्ग फीट, जी–11, भूतल, नॉर्थ स्क्वायर मॉल, प्लॉट सं. एफ1, एफ2 और एफ3, जिला केंद्र, वजीरपुर, नेताजी सुभाष पैलेस, पीतमपुरा, नई दिल्ली–110034 में स्थित, यह सम्पत्ति स्वर्गीय सुनील जैन और श्री सुब्बांशु जैन से संबंधित
सूची नं. 3: रिहायशी फ्लैट का वह समस्त भाग एवं अंश जिसका क्षेत्रफल 1500 वर्ग फीट (एसबीए) फ्लैट नं. 106 टॉवर–6 (लोटस–6), प्रथम तल बहुमंजिला ग्रुप हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, 'गुलमोहर गार्डन', राज नगर एक्सटेंशन, नूर नगर गांव, परगना लोनी, गाजियाबाद तहसील और जिला, उत्तर प्रदेश राज्य, यह सम्पत्ति स्वर्गीय सुनील जैन से संबंधित, अब कानूनी वारिस श्री सुब्बांशु जैन और श्रीमती निकिता जैन द्वारा प्रतिनिधित्व
कृपया ध्यान दें कि मैं सुरक्षित लेनदार बैंक का प्राधिकृत अधिकारी इस प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों की समाप्ति पर या उससे पहले अपनी देनदारियों का पूर्ण निर्वहन करने की विफलता की स्थिति में उपरोक्त प्रतिभूतियों को लागू करने का इरादा रखता हूं।

स्थान : नई दिल्ली — हस्ता/– कर्नाटका बैंक लि.
दिनांक: 16.07.2024 — मुख्य प्रबंधक और प्राधिकृत अधिकारी

Karnataka Bank Ltd. 100
Your Family Bank. Across India.

आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा 8–बी, प्रथम तल, राजेंद्र पार्क, पूसा रोड नई दिल्ली – 110060	फोन: 011–40591567 (एक्स. 240) ईमेल: delhiarm@kbank.com वेबसाइट: www.karnatakabank.com सीआईएन: L85110KA1924PLC001128

अचल सम्पत्ति की बिक्री सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत अचल परिसंपत्तियों की बिक्री हेतु ई–नीलामी बिक्री नोटिस, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के प्रावधान के साथ पठित।

आम जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता(ओं) और गारंटर(ओं) को यह सूचना दी जाती है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो सुरक्षित लेनदार के पास बंधक/प्रभारित है, जिसका सांकेतिक कब्जा कर्नाटक बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी, सुरक्षित लेनदार द्वारा 15.06.2020 को लिया गया है, उसके उधारकर्ता/गारंटर/सह–ऑब्लिगेंट (1) पावी इंडस्ट्रीज लि.इसके निदेशक द्वारा प्रतिनिधित्व, (i) श्री सज्जन कुमार पुत्र श्री रोनल राम, (ii) श्रीमती सुनीता गर्ग पत्नी श्री सज्जन कुमार, (iii) श्रीमती संगीता बंसल पत्नी श्री रमेश बंसल, पता: ई–120, चाणक्य प्लेस, पार्ट–I, नई दिल्ली–110059 (2) श्री सज्जन कुमार पुत्र श्री रोनल राम, (3) श्रीमती सुनीता गर्ग पत्नी श्री सज्जन कुमार, दोनों (2) और (3) निवासी: के–28, चाणक्य प्लेस, पार्ट–2 नई दिल्ली–110059, (4) श्रीमती संगीता बंसल पत्नी श्री रमेश बंसल, निवासी: जे–90 बी, आर्य समाज रोड उत्तम नगर, नई दिल्ली–110059 से कर्नाटक बैंक लिमिटेड, अशोक विहार शाखा–दिल्ली, ए–1 अशोक विहार, फेज II, नई दिल्ली–110052, से सुरक्षित लेनदार की बकाया राशि रु. 3,98,78,175.70 (रु. तीन करोड़ अट्ठान्बे लाख अठहत्तर हजार एक सौ पिचहत्तर और पैसे सत्तर मात्र) अर्थात (1) पीएस ओवरड्राफ्ट खाता सं. 561700060000 1201 के तहत रुपये 2,98,22,332.70 साथ में दिनांक 01.02.2021 से भविष्य के ब्याज (2) प्री–शिपमेंट खाता सं. SLGEN54200173048 के तहत रु. 64,62,965.00 साथ में दिनांक 26.01.2019 से भविष्य के ब्याज, लागत (3) प्री–शिपमेंट खाता सं. SLGEN54200173281 के तहत रु. 35,92,878.00 साथ में दिनांक 26.01.2019 से भविष्य के ब्याज, लागत इत्यादि सहित की वसूली हेतु "जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर दिनांक 22.08.2024 को बेचा जाएगा।

अचल सम्पत्ति का विवरण

1. सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि रिहायशी सम्पत्ति नं. के–28, भूमि क्षेत्रफल 125 वर्ग गज, खसरा सं. 674 और 675, जोकि बिन्दुर गांव, चाणक्य प्लेस, पार्ट–II, नई दिल्ली में स्थित, जोकि श्री सज्जन कुमार से संबंधित है। चौहदी: पूरब में – संपत्ति सं. के–28 का हिस्सा, पश्चिम में – 25 फीट चौड़ी रोड, उत्तर में – 25 फीट चौड़ी रोड, दक्षिण में – संपत्ति सं. के–27
आरक्षित मूल्य/अपसेट मूल्य जिसके नीचे संपत्ति नहीं बेची जा सकती: रु. 1,45,00,000.00 (रु. एक करोड़ पैंतालीस लाख मात्र)
जमा/निविदा की जाने वाली बयाना राशि: रु. 14,50,000.00 (रु. चौदह लाख पचास हजार मात्र)
2. सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि रिहायशी सम्पत्ति नं. ई–120, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज (लगभग) खसरा सं. 659 में से, छत के अधिकार सहित, बिंदौर गांव, चाणक्य प्लेस, पार्ट–1, ब्लॉक ई, नई दिल्ली, श्रीमती सुनीता गर्ग से संबंधित। चौहदी: पूरब में – अन्य की संपत्ति, पश्चिम में – प्लॉट का हिस्सा, उत्तर में – 10 फीट चौड़ी गली, दक्षिण में – 5 फीट चौड़ी गली
आरक्षित मूल्य/अपसेट मूल्य जिसके नीचे संपत्ति नहीं बेची जा सकती: रु. 1,13,00,000.00 (रु. एक करोड़ तेरह लाख मात्र)
जमा/निविदा की जाने वाली बयाना राशि: रु. 11,30,000.00 (रु. ग्यारह लाख तीस हजार मात्र)
(उधारकर्ता/बंधककर्ता का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो सुरक्षित परिसंपत्ति को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में है।)
(यह नोटिस उधारकर्ता/गारंटर को सुरक्षा हित प्रवर्तन नियम–2002 के नियम (9) के उपनियम (1) के तहत नोटिस के रूप में भी कार्य करेगा)
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया कर्नाटक बैंक की वेबसाइट अर्थात www.karnatakabank.com में दिए गए लिंक देखें। दिनांक 22.08.2024 को मेगा ई–नीलामी के अंतर्गत
ई–नीलामी 22.08.2024 को सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक 05 मिनट के असीमित विस्तार के साथ पोर्टल **https://bankauctions.in/** के माध्यम से आयोजित की जाएगी। इच्छुक बोलीदाता को https://bankauctions.in/ पर अपना नाम पंजीकृत करना होगा और उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड निःशुल्क प्राप्त करना होगा और ई–नीलामी (संभवतः 21.08.2024 को) मैसर्स 4क्लोजर, 605 ए, 6वीं मंजिल, मैत्रिवनम, अमीरपेट, हैदराबाद– 500038, संपर्क नं. 040–23836405, मोबाइल 8142000809, ई–मेल: info@bankauctions.in से ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा।

दिनांक: 16.07.2024 — कृते कर्नाटका बैंक लि.
स्थान : नई दिल्ली — मुख्य प्रबंधक और प्राधिकृत अधिकारी

खैबर पख्तूनख्वा में सैन्य छावनी पर हमले में आठ पाक सैनिक और 10 आतंकी मारे गए

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक प्रमुख सैन्य छावनी पर हुए हमले में पाकिस्तानी सेना के कम से कम आठ सैनिकों की मौत हो गई जबकि सुरक्षा बलों ने सभी 10 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक बयान में कहा गया है कि हमला करने वाले सभी 10 आतंकवादियों को भी मार गिराया गया। ए आतंकी सोमवार को बन्नू छावनी में घुसने की कोशिश कर रहे थे। बयान के मुताबिक, हमले का प्रयास असफल होने पर आतंकियों ने विस्फोटकों से लदे वाहन को छावनी की दीवार से टकरा दिया, जिससे दीवार का एक हिस्सा ढह गया और आस-पास के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। बयान में कहा गया कि जवाबी कार्वाई के दौरान आठ सैनिकों की मौत हो गई और सभी 10 आतंकवादियों को मार गिराया गया। इसमें कहा गया कि यह हमला हाफिज गुल बहादुर समूह द्वारा किया गया था, जो अफगानिस्तान से संचालित होता है और अतीत में भी पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए अफगान धरती का इस्तेमाल करता रहा है।

गुरुद्वारा में हुए हमले की जांच घृणा अपराध के रूप में की जा रही : पुलिस

लंदन। दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड में पिछले हफ्ते एक गुरुद्वारा में हुए हमले की जांच घृणा अपराध के रूप में की जा रही है। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी। इस घटना के सिलसिले में 17 वर्षीय एक किशोर को गिरफ्तार किया गया और उसपर कई आरोपों के तहत मामला दर्ज किया गया है। केंट पुलिस ने कहा कि किशोर मेडस्टोन क्राउन कोर्ट में पेश हुआ।

कान पर पट्टी बांधे ट्रंप का रिपब्लिकन सम्मेलन में किया गया जोरदार स्वागत

मिलवाउकी (अमेरिका)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने ऊपर हुए जानलेवा हमले के दो दिन बाद, रिपब्लिकन राष्ट्रीय सम्मेलन (आरएनसी) में सोमवार रात अपने दाहिने कान पर सफेद पट्टी बांधकर पहुंचे। हमले के बाद पहली बार वह सार्वजनिक रूप से नजर आए। ट्रंप ने सम्मेलन के शुरुआती दिन सोमवार को हजारों निर्वाचकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सम्मेलन कक्ष में प्रवेश किया और अमेरिका के विस्कॉन्सिन राज्य के शहर मिलवाउकी स्थित फिसर्व फोरम में आयोजित चार दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन के अंत में अपनी मुट्ठी ऊपर उठाते हुए अपनी मजबूती का संकेत दिया। सम्मेलन हॉल में प्रवेश करने के बाद पूर्व राष्ट्रपति ने प्रमुख राजनीतिक सहयोगियों और अपनी तीन संतान सहित परिवार के सदस्यों का तो अभिवादन किया, लेकिन पत्नी मेलानिया का नहीं। ट्रंप (78) पर शनिवार को पेनसिल्वेनिया में एक रैली के दौरान 20 वर्षीय एक हमलावर ने कई गोलियां चलाईं। इस हमले में वह जख्मी हो गए और उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से पर चोट आई। सम्मेलन के दौरान मौजूद लोगों ने तालियों के साथ एवं नारे लगाकर उनका जोरदार स्वागत किया और जब ली ग्रीनवुड ने गॉड ब्लेस द यूएसए गाना गाया तो सभी भावुक हो गए। रिपब्लिकन राष्ट्रीय सम्मेलन में पर्याप्त संख्या में डेलीगेट (मतदाताओं के समूह का प्रतिनिधित्व करने वाला व्यक्ति) के वोट हासिल करने के बाद ट्रंप राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार बन गए हैं।

भूस्खलन के मलबे के साथ नदी में बहकर लापता हुईं दोनों बसों में 65 लोग थे

काठमांडू। नेपाल में यात्रियों की दो बसों के बीते शुक्रवार को भूस्खलन के मलबे के साथ बह जाने की घटना में बचावकर्मियों ने अब तक 14 शव निकाले है, जिनमें से छह शव भारतीय नागरिकों के है। बसों में कुल 65 यात्री सवार थे। आठ शवों की शिनाख्त कर उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया है। इसमें से छह भारतीय नागरिक है। अन्य की शिनाख्त के प्रयास जारी है। नेपाल की राजधानी को देश के दक्षिणी हिस्सों से जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग पर काठमांडू से करीब 120 किलोमीटर पश्चिम में सिमलताल के पास शुक्रवार की सुबह दो बसें भूस्खलन के मलबे के साथ बह गई थी।चितवन जिला प्रशासन कार्यालय ने दोनों बसों में सवार कुल 65 लोगों के नाम और विवरण के साथ एक सूची प्रकाशित की।

अफगानिस्तान में भारी बारिश के कारण 40 लोगों की मौत

● बस दुर्घटना में 17 की जान गई

भाषा। इस्लामाबाद

पूर्वी अफगानिस्तान में भारी बारिश के कारण कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई और लगभग 350 लोग घायल हो गए। एक अन्य घटना में, एक मुख्य राजमार्ग पर बस के पलट जाने से 17 लोगों की मौत हो गई। तालिबान अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान अमर ने पुष्टि की कि नंगरहार प्रांत में सोमवार को आए तूफान के कारण 40 लोगों की मौत हो गई और 347 लोग घायल हो गए है। प्रवक्ता के अनुसार घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रांतीय प्रवक्ता सेदिकुल्ला कुरैशी के अनुसार मृतकों में सुर्ख रोड जिले के एक ही परिवार के पांच सदस्य शामिल हैं, जिनकी मौत मकान की छत गिरने के कारण हुई।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Manju Sharma D/o Mr. Babu Ram Sharma R/o Mugal Majra, Fatehgarh Sahib, Punjab-147301 declare that my name mentioned in my Driving License is Manju Prasad instead of Manju Sharma. Hence Manju Sharma and Manju Prasad both are same and one person.
PD(597)C

I, Mr. Babu Ram Sharma F/o Manju Sharma R/o Mugal Majra, Fatehgarh Sahib, Punjab- 147301 declare that my name is mentioned in Driving Licence as Arun Prasad instead of Babu Ram Sharma. Hence it should now be Babu Ram Sharma.
PD(598)C

I, Sudhir Nain S/o Shri Umed Singh r/o House No. 126-127, Ground Floor, Pocket- 7, Sector-24 Rohini Delhi-110085, have changed my name Sudhir Kumar to Sudhir Nain for all purpose.
PD(605)C

LOST & FOUND

I, Chander Bhan, S/o Mr. Khet Ram, C-199, Prashant Vihar, Delhi-110085 has lost the Original Medical Certificate of disability of My Son Ashok Kumar bearing Regn. No. Rehab. 11363/86 dt. 14.10.1987 Issued from Office of the medical Superintendent, Safdarjang Hospital, New Delhi-110029 if some one found this document, please call 9560180262
PD(606)A

जयशंकर ने मॉरीशस की प्रगति की दिशा में भारत के निरंतर समर्थन की पुष्टि की

पोर्ट लुईस (मॉरीशस)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को मॉरीशस की प्रगति और समृद्धि की दिशा में भारत के निरंतर और सतत समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने हिंद महासागर क्षेत्र के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए देश के नेतृत्व के साथ व्यापक वार्ता की। जयशंकर विशेष द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के मकसद से मॉरीशस के नेतृत्व के साथ सार्थक बातचीत के लिए दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए हैं। हिंद महासागर के इस द्वीपीय देश की यह यात्रा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल में पुनः नियुक्ति के बाद जयशंकर द्वारा की गई पहली द्विपक्षीय बैठकों में से एक है। जयशंकर ने कहा कि मॉरीशस – जिसे उन्होंने यह खूबसूरत देश कहा – की उनकी यात्रा द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती और गहराई को रेखांकित करती है। जयशंकर ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ की उपस्थिति में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, यह मॉरीशस के साथ भारत की विशेष और स्थाई साझेदारी के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करने का भी अवसर है। उन्होंने कहा, मॉरीशस के साथ भारत के संबंध मजबूत और बहुआयामी साझेदारी में तब्दील हो गए हैं। मॉरीशस के साथ द्विपक्षीय संबंध विदेशों में भारत के सफल विकास सहयोग का एक आदर्श उदाहरण है। क्षेत्र में चीन की नौसेना की बढ़ती गतिविधियों के बीच विदेश मंत्री ने कहा, भारत इस महत्वपूर्ण साझेदारी को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है जो हिंद महासागर क्षेत्र के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। बैठक के दौरान जयशंकर और प्रधानमंत्री जगन्नाथ ने विकास साझेदारी, रक्षा और समुद्री सहयोग, आर्थिक और व्यापारिक संबंधों तथा लोगों के बीच संबंधों सहित द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा, मैं मॉरीशस की प्रगति और समृद्धि की खोज में भारत के निरंतर और सतत समर्थन को दोहराता हूं। विदेश मंत्री ने यह कहते हुए अपने संबोधन का समापन किया कि भारत मॉरीशस के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है जो हिंद महासागर क्षेत्र के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस कार्यक्रम में भारत द्वारा वित्तपोषित 12 उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिक्षा, संस्कृति, आव्रजन अभिलेखागार के डिजिटलीकरण पर समझौता ज्ञापनों का आदान–प्रदान और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) तथा मॉरीशस अनुसंधान एवं नवाचार परिषद (एमआरआईसी) के बीच परियोजना दस्तावेजों का आदान–प्रदान हुआ।

हिमालय फूड इंटरनेशनल लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: 118, प्रथम तल, 12 गगनदीप बिल्डिंग, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली–110008
सीआईएन: L70102DL1992PLC047399 दूरभाष +91 11 45108609
ई–मेल आईडी: cs@himalyainternational.com | वेबसाइट: www.himalayafoodcompany.com

33वीं वार्षिक आम बैठक और ई–वोटिंग जानकारी की सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि 33वीं हिमालय फूड इंटरनेशनल लिमिटेड ("कंपनी") के सदस्यों की वार्षिक आम बैठक ("एजीएम") शुक्रवार, 09 अगस्त, 2024 को सुबह 09:30 बजे (आईएसटी) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ("वीसी")/अन्य ऑडियो–विजुअल माध्यमों ("ओएवीएम") के माध्यम से कारोबार करने हेतु आयोजित की जाएगी, जैसा कि कंपनी की 33वीं एजीएम बुलाने की सूचना में निर्धारित किया गया है।
कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके तहत बनाए गए नियमों और भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड ("सेबी") (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 ("सूचीबद्धता विनियम") के लागू प्रावधानों के अनुपालन में, सामान्य परिपत्र सं. 14/20 दिनांक 08 अप्रैल 2020 और 17/20 दिनांक 13 अप्रैल 2020 के साथ पठित, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ("एमसीए") द्वारा जारी सामान्य परिपत्र सं. 09/2023 दिनांक 25 सितंबर 2023 सहित अन्य संबंधित परिपत्रों के साथ पठित, सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएमडी1/सीआईआर/पी/2020/79 दिनांक 12 मई 2020 और सेबी परिपत्र सं. सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएमडी1/सीआईआर/पी/2020/167 दिनांक 07 अक्टूबर 2023 सहित अन्य संबंधित सेबी परिपत्र एमसीए और सेबी द्वारा इस संबंध में जारी अधिसूचना के अनुसार, कंपनी की वार्षिक आम बैठक वीसी/ओएवीएम के माध्यम से आयोजित की जाएगी।
33वीं एजीएम बुलाने की सूचना और वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2023–24 के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण, लेखा परीक्षक की रिपोर्ट, बोर्ड रिपोर्ट और अन्य दस्तावेजों सहित एक विस्तृत विवरण इलेक्ट्रॉनिक रूप से उन सभी शेयरधारकों को भेज दिया गया है जिनके ई–मेल पते कंपनी और/या डिपॉजिटरी प्रतिभागियों ("डीपी") के साथ पंजीकृत हैं।

दूरस्थ ई–वोटिंग और एजीएम के दौरान ई–वोटिंग के लिए निर्देश

1. कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन नियम), 2014 के नियम 20 और लिस्टिंग विनियमन के विनियमन 44 के साथ अधिनियम की धारा 108 और अन्य लागू प्रावधानों, यदि कोई हो, के प्रावधानों के अनुसार, कंपनी शेयरधारकों को दूरस्थ ई–वोटिंग की सुविधा प्रदान करने में प्रसन्न है, ताकि वे एजीएम में पारित किए जाने वाले प्रस्तावों पर मतदान करने के अपने अधिकार का प्रयोग कर सकें। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम का उपयोग करके सदस्यों द्वारा वोट डालने की सुविधा और वीसीध्ओएवीएम सुविधा के माध्यम से 33वीं एजीएम में भाग लेने के लिए एजीएम के दौरान ई–वोटिंग के साथ–साथ सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (षसीडीएसएलष) द्वारा एजीएम के दौरान ई–वोटिंग की सुविधा प्रदान की जाएगी।
2. रिमोट ई–वोटिंग अवधि मंगलवार, 06 अगस्त, 2024 को (सुबह 9:00 बजे) शुरू होगी और गुरुवार, 8 अगस्त 2024 को समाप्त होगा (05:00 बजे) इसके बाद CDSL द्वारा रिमोट ई–वोटिंग के माध्यम से मतदान को निष्क्रिय कर दिया जाएगा। 33 वीं वार्षिक आम बैठक में भी ई–वोटिंग उपलब्ध कराई जाएगी और बैठक में उपस्थित वे सदस्य जिन्होंने रिमोट ई–वोटिंग के माध्यम से अपना वोट नहीं डाला है, वे 33वीं वार्षिक आम बैठक में मतदान कर सकेंगे।
3. वीं एजीएम में मतदान करने के लिए सदस्यों की पात्रता निर्धारित करने की कट–ऑफ तिथि शुक्रवार, 02 अगस्त, 2024 है। केवल वह व्यक्ति जिसका नाम सदस्यों के रजिस्टर में या डिपॉजिटरी द्वारा बनाए गए लाभकारी मालिकों के रजिस्टर में शुक्रवार, 02 अगस्त, 2024 (कट–ऑफ तिथि) तक दर्ज है, वह रिमोट ई–वोटिंग और एजीएम में ई–वोटिंग की सुविधा का लाभ उठाने का हकदार होगा।
4. जिन सदस्यों ने वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए वार्षिक रिपोर्ट के प्रेषण के बाद इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से शेयर हासिल किए हैं और कट–ऑफ तारीख अर्थात शुक्रवार, 02 अगस्त, 2024 तक शेयर धारण करते हैं, उनसे अनुरोध है कि वे वोट डालने के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं के लिए एजीएम की सूचना देखें।
5. फिजिकल मोड में शेयर रखने वाले शेयरधारकों और जिन शेयरधारकों ने अपना ई–मेल पता पंजीकृत नहीं कराया है, उनके लिए एजीएम के दौरान रिमोट ई–वोटिंग या ई–वोटिंग के निर्देश एजीएम बुलाने की सूचना में दिए गए हैं। वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में भाग लेने के निर्देश भी एजीएम की सूचना में दिए गए हैं।
6. जिन सदस्यों ने रिमोट ई–वोटिंग के माध्यम से अपना वोट डाला है, वे 33 वीं एजीएम में भाग ले सकते हैं, लेकिन उन्हें दोबारा वोट डालने का अधिकार नहीं होगा।
7. निदेशक मंडल ने कंपनी के सदस्यों को मतदान और दूरस्थ ई–वोटिंग प्रक्रिया की निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से जांच करने की सुविधा प्रदान करने के लिए मेसर्स आरबीएस, प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरी, श्री राहुल शर्मा, पार्टनर (सीपी सं.: 18610) को स्क्रूटिनाइजर के रूप में नियुक्त किया है।
8. यदि आपके पास CDSL ई–वोटिंग सिस्टम से AGM और ई–वोटिंग में भाग लेने के संबंध में कोई प्रश्न या समस्या है, तो आप helpdesk.evoting@cdslindia.com को एक ईमेल लिख सकते हैं या टोल फ्री नंबर 1800 21 09911 पर संपर्क कर सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मतदान की सुविधा से संबंधित सभी शिकायतों को श्री राकेश दलवी, वरिष्ठ प्रबंधक, (सीडीएसएल) सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड, ए विंग, 25वीं मंजिल, मैराथन फ्यूचरएक्स, मफतलाल मिल कंपाउंड, एनएम जोशी मार्ग, लोअर परेल (ईस्ट), मुंबई – 400013 को संबोधित किया जा सकता है या helpdesk.evoting@cdslindia.com को एक ईमेल भेजें या टोल फ्री नंबर 1800 21 09911 पर कॉल करें।

एजीएम की सूचना और वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए वार्षिक रिपोर्ट कंपनी की वेबसाइट **https://himalayafoodcompany.com/pages/annual-report** स्टॉक एक्सचेंज अर्थात बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com और ई–वोटिंग के लिए मंच प्रदान करने वाली एजेंसी अथर्ज्ञत सीडीएसएल की वेबसाइट https://www.evotingindia.com/ पर उपलब्ध कराई गई है।
डीमैट फॉर्म में शेयर रखने वाले शेयरधारकों जिन्होंने अपने ईमेल या केवाईसी विवरण अपडेट नहीं किए हैं, उनसे अनुरोध है कि वे अपने डीपी द्वारा सलाह दी गई प्रक्रिया के अनुसार अपने डीमैट खाते में विवरण दर्ज/अपडेट करें। भौतिक रूप में शेयर रखने वाले शेयरधारकों जिन्होंने अपने ई–मेल/केवाईसी विवरण अपडेट नहीं किए हैं, उनसे अनुरोध है कि वे कंपनी के रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट अर्थात मेसर्स बीटल फाइनेंशियल एंड कंप्यूटर सर्विसेज (प्रा.) लिमिटेड, तीसरी मंजिल, बीटल हाउस, 99, लोकल शॉपिंग सेंटर के पीछे, मदनगीर गांव, मदनगीर, नई दिल्ली, दिल्ली 110062 में आवश्यक दस्तावेजों के साथ फॉर्म आईएसआर–1 में उक्त विवरण दर्जध्अपडेट करें। फॉर्म आईएसआर–1 कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है और इसे https://himalayafoodcompany.com/pages/forms-for-investors पर एक्सेस किया जा सकता है।
33वीं वार्षिक आम बैठक के संबंध में किसी अन्य प्रश्न या जानकारी के लिए सदस्य कृपया कंपनी सचिव को cs@himalyainternational.com पर लिख सकते हैं।

निदेशक मंडल और उसकी ओर से
हिमालय फूड इंटरनेशनल लिमिटेड
हस्ता/–
मन मोहन मलिक
प्रबंध निदेशक
(डीआईएन: 00696077)
दिनांक: 16.07.2024
स्थान: नई दिल्ली

INDAG
इन्डैग रबर लिमिटेड
(सीआईएन: एल74899डीएल1978पीएलसी009038)
पंजी. कार्यालय: खेमका हाउस, 11, कम्युनिटी सेन्टर, साकेत, नई दिल्ली–110017
फोन : 011–26963172/73, ई–मेल आईडी: info@indagrubber.com,
वबेसाइट: www.indagrubber.com

इंडैग रबर लिमिटेड की पैंतालीसवीं वार्षिक सामान्य बैठक के संबंध में सूचना

एतद्द्वारा **सूचना** दी जाती है कि **इंडैग रबर लिमिटेड ("कम्पनी") के सदस्यों की पैंतालीसवीं वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम) शुक्रवार, 16 अगस्त 2024 को दोपहर के 3.00 बजे, एजीएम नोटिस में सूचीबद्ध व्यवसाय निष्पादित करने हेतु, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ("वीसी")/अन्य ऑडियो विजुअल मीन्स ("ओएवीएम") के माध्यम से आयोजित की जाएगी**, जो कि कम्पनी अधिनियम, 2013 और तदधीन विरचित नियमों के प्रावधानों तथा सेबी (सूचीयन दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 ("सूचीयन विनियमावली") के साथ पठित कार्पोरेट मंत्रालय द्वारा जारी जनरल सर्कुलर नंबर 14/2020, दिनांक 08 अप्रैल 2020, 17/2020, दिनांक 13 अप्रैल 2020, 20/2020, दिनांक 05 मई 2020, 02/2021, दिनांक 13 जनवरी 2021, 2/2022, दिनांक 05 मई 2022, 10/2022, दिनांक 28 दिसंबर 2022, तथा 09/2023, दिनांक 25 सितंबर 2023 और समय–समय पर जारी किए गए अन्य सभी प्रासंगिक सर्कुलर ("एमसीए सर्कुलर्स") और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड द्वारा जारी सर्कुलर नंबर सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएमडी1/सीआईआर/पी/2020/79 दिनांक 12 मई, 2020 तथा सर्कुलर नंबर सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएमडी2/सीआईआर/पी/2021/11 दिनांक 15 जनवरी, 2021 तथा सर्कुलर नंबर सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएमडी2/सीआईआर/पी/2022/62 दिनांक 13 मई, 2022 तथा सेबी/एचओ/सीएफडी/पीओडी–2/पी/सीआईआर/2023/4 दिनांक 5 जनवरी 2023 तथा सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएफडी–पीओडी–2/पी/सीआईआर/2023/167 दिनांक 7 अक्टूबर, 2023 क्रमानुसार ("सेबी सर्कुलर्स") (सामूहिक रूप से "संबद्ध सर्कुलर्स" कहे गए हैं) के अनुपालन में है।
संबंधित परिपत्रों के अनुपालन में, एजीएम की सूचना और वित्तीय वर्ष 2023–2024 के लिए वार्षिक रिपोर्ट कंपनी के सभी सदस्यों को केवल इलेक्टॉनिक मोड के माध्यम से भेजी जाएगी, जिनके नाम 19 जुलाई, 2024 को सदस्यों के रजिस्टर में दिखाई देता है और जिनके ईमेल पते कंपनी/रजिस्टार और शेयर टांसफर एजेंट/डिपॉजिटरी प्रतिभागी (ओं) के साथ पंजीकृत हैं। उपर्युक्त दस्तावेज कंपनी की वेबसाइट www.indagrubber.com पर, बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com पर और एनएसडीएल की वेबसाइट www.evoting.nsdl.com पर भी उपलब्ध होंगे। सदस्य केवल वीसी/ओएवीएम के माध्यम से आगामी एजीएम में भाग ले सकते हैं और ऐसे सदस्यों की गणना कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 103 के तहत कोरम के उद्देश्य से की जाएगी। सदस्यों को एजीएम की सूचना में निर्धारित संकल्पो पर अपना वोट डालने के लिए दूरस्थ ई–वोटिंग सुविधा प्रदान की जाती है। सदस्यों के पास एजीएम से पहले या एजीएम के दौरान दूरस्थ ई–वोटिंग सुविधा का उपयोग करके अपना वोट डालने का विकल्प है। दूरस्थ ई–मतदान के लिए विस्तृत प्रक्रिया एजीएम की सूचना में प्रदान की गई है।

सदस्यों द्वारा ई–मेल पता पंजीकरण/अद्यतनीकरण की विधि :

- भौतिक रूप में शेयर रखने वाले सदस्य निर्धारित फॉर्म ISR-1 में अपना ईमेल पता पंजीकृत/अपडेट कर सकते हैं और इसे कंपनी के रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट यानी स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, डी–153/ए, प्रथम तल, फेज–1, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, नई दिल्ली–110020 को भेज सकते हैं।
- डीमैट मोड में शेयर रखने वाले सदस्य अपने संबंधित डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट (डीपी) से संपर्क कर सकते हैं।

ई–वोटिंग के माध्यम से वोट डालने की विधि :

- अभौतिक, भौतिक रूप में शेयरों के धारक सदस्यों द्वारा तथा जिन सदस्यों ने अपना ई–मेल पता पंजीकृत नहीं करवाया है, उनके लिए दूरस्थ ई–मतदान ("रिमोट ई–वोटिंग") की विधि एजीएम नोटिस में दी जाएगी। विस्तृत विवरण कम्पनी की वेबसाइट www.indagrubber.com पर भी उपलब्ध होगा।
- इलेक्टॉनिक वोटिंग सिस्टम से वोट डालने की सुविधा एजीएम के दौरान भी उपलब्ध कराई जाएगी तथा एजीएम में उपस्थित सदस्य, जिनके द्वारा रिमोट ई–वोटिंग द्वारा वोट नहीं डाला गया है, वे एजीएम में वोट डाल सकेंगे।
- ई–वोटिंग से वोट डालने के लिए लॉगइन प्रत्ययपत्र सदस्यों को ई–मेल द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे। सदस्यगण, जिनको ई–मेल प्राप्त नहीं होती है अथवा जिनका ई–मेल पता कम्पनी/डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट (पार्टिसिपैंट्स) के पास पंजीकृत नहीं है, वे एजीएम नोटिस में दिए अनुदेशों का पालन कर लॉगइन प्रत्ययपत्र बना सकते हैं।
- इन लॉगइन प्रत्ययपत्रों का प्रयोग वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में भाग लेने हेतु किया जा सकता है।

निदेशक मंडल ने 14 मई, 2024 को आयोजित उनकी बैठक में रू. 2/– प्रत्येक के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर पर रू. 2.10/– प्रति इक्विटी शेयर का अंतिम लाभांश संस्तुत किया है। एजीएम तथा वित्तीय वर्ष 2023–2024 के अंतिम लाभांश के उद्देश्य हेतु बही बंदी तिथि शनिवार, 10 अगस्त, 2024 से शुक्रवार, 16 अगस्त, 2024 (दोनों तिथियां शामिल हैं) तक होगी। आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित अंतिम लाभांश का भुगतान 14 सितंबर, 2024 को या उससे पहले किया जाएगा।
सेबी ने 3 नवंबर, 2021 के अपने परिपत्र के माध्यम से, इस संबंध में जारी किए गए बाद के परिपत्रों के साथ, भौतिक प्रतिभूतियों के धारकों द्वारा पैन, केवाईसी विवरण और नामांकन का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है। उक्त अधिदेश के अनुसार, भौतिक रूप में प्रतिभूतियाँ रखने वाले शेयरधारक, जिनके फोलियो में कोई भी केवाईसी विवरण [अर्थात, (i) पैन; (ii) नामांकन का विकल्प; (iii) संपर्क विवरण; (iv) मोबाइल नंबर; (v) बैंक खाता विवरण और (vi) हस्ताक्षर] अपडेट नहीं है ऐसे फोलियो के संबंध में लाभांश, ब्याज या मोचन सहित किसी भी भुगतान के लिए 1 अप्रैल, 2024 से केवल इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से पात्र होंगे। उपर्युक्त के अनुसार, भौतिक फोलियो के संबंध में लाभांश, जिसमें उपरोक्त केवाईसी विवरणों में से कोई भी (नामांकन के विकल्प को छोड़कर) रिकॉर्ड तिथि से पहले अपडेट नहीं किया गया है, कंपनी द्वारा रोक लिया जाएगा। शेयरधारक कृपया ध्यान दें कि लाभांश उनके बैंक खाते में तभी जमा होगा जब फोलियो में केवाईसी विवरण अपडेट हो जाएंगे।
वित्त अधिनियम, 2020 द्वारा लागू किए गए परिवर्तनों के अनुसरण में, कम्पनी द्वारा 01 अप्रैल, 2020 के बाद भुगतान अथवा वितरित किए गए लाभांश सदस्यों के हाथों में करयोग्य होंगे तथा कम्पनी को सदस्यों को भुगतान किए गए लाभांश से स्रोत पर कर (टीडीएस) की कटौती निर्धारित दरों पर करनी होगी। टीडीएस दर सदस्य की आवासीय स्थिति के अनुसार तथा उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए और कम्पनी द्वारा प्राप्त किए गए दस्तावेजों के अनुसार परिवर्तनशील होगी। कृपया अतिरिक्त जानकारी के लिए वेबसाइट लिंक https://indagrubber.com/uploads/document/Email to Shareholders reg TDS on Final Div 2020-21.pdf देखें। शेयरधारकों से अनुरोध है कि अपना पैन आरटीए (यदि शेयर भौतिक रूप में धारित हैं) के पास तथा डिपॉजिटरीज के पास (यदि शेयर अभौतिक रूप में धारित हैं) अद्यतन करवाएं।
यह सूचना एमसीए तथा सेबी द्वारा जारी संबद्ध सर्कुलर्स के अनुपालन में कम्पनी के सभी शेयरधारकों की जानकारी और हित के लिए जारी की जा रही है।

बोर्ड के आदेश द्वारा
वास्ते इंडैग रबर लिमिटेड
हस्ता./–
कम्पनी सेक्रेटरी
तिथि : 16 जुलाई, 2024
स्थान : नई दिल्ली

श्रीलंका के खिलाफ टी20 में हार्दिक होंगे कप्तान

भाषा। नई दिल्ली

स्टार हरफनमौला हार्दिक पंड्या श्रीलंका के खिलाफ 27 जुलाई से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 क्रिकेट श्रृंखला में भारत के कप्तान होंगे। पंड्या निजी कारणों से अगस्त में होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला नहीं खेलेंगे। बीसीसीआई के एक सीनियर सूत्र ने पीटीआई को बताया , हार्दिक पंड्या भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान थे। वह पूरी तरह फिट हैं और तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए उपलब्ध भी लिहाजा वह कप्तान होंगे। रोहित शर्मा ने विश्व कप जीतने के बाद टी20 क्रिकेट को अलविदा कह दिया। टी20 श्रृंखला 27 से 30 जुलाई तक पल्लेकेले में खेली जाएगी जबकि वनडे दो से सात अगस्त तक कोलंबो में होंगे। टीम की घोषणा अगले कुछ दिन में होगी। अभी यह तय नहीं है कि उपकप्तान शुभमन गिल होंगे या सूर्यकुमार यादव। वनडे श्रृंखला के बारे में अधिकारी ने बताया कि पंड्या ने निजी कारणों से ब्रेक मांगा है और नियमित कप्तान रोहित शर्मा को इसकी जानकारी दे दी है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने साफ तौर पर कहा है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने पर सभी स्टार क्रिकेटरों को भी घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। रोहित, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को छूट दी गई है। बीसीसीआई चाहता है कि बाकी सभी टेस्ट विशेषज्ञ अगस्त में दलीप ट्रॉफी का कम से कम एक मैच खेलें। इसके बाद टीम को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड से टेस्ट श्रृंखला खेलनी है।

आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव 2026 विश्व कप तक भारत के टी20 कप्तान बनने की दौड़ में छिपा रुस्तम बनकर उभरे हैं और वह शीर्ष दावेदार हार्दिक पंड्या को पछाड़ सकते हैं जिन्हें अब तक उप कप्तान से कप्तान बनाया जाना स्वाभाविक पसंद माना जा रहा था। पंड्या ने इस महीने श्रीलंका के खिलाफ सबसे छोटे प्रारूप के मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध रखा था लेकिन पता चला है कि पिछले साल ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारत की कप्तानी करने वाले सूर्यकुमार नए मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर की पहली पसंद हैं। पता चला है कि गंभीर और अगरकर ने आज शाम पंड्या से योजना में इस बदलाव के बारे में बात की और उन्हें बताया कि स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए दीर्घकालिक विकल्प को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पिछले महीने वेस्टइंडीज में भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद रोहित शर्मा ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलविदा कह दिया था जिसके बाद नए कप्तान की तलाश जारी है। टी20 विश्व कप में भारत की जीत के नायकों में से एक पंड्या व्यक्तिगत कारणों से श्रीलंका में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान ब्रेक लेंगे। श्रीलंका के खिलाफ टी20 मैच 27 से 30 जुलाई तक पाल्लेकल में खेले जाएंगे। इसके बाद दो से सात अगस्त तक कोलंबो में एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे। अगले कुछ दिनों में श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा होने की उम्मीद है। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ सूत्र ने नाम नहीं बताने की शर्त पर पीटीआई को बताया, हार्दिक पंड्या रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारत की टी20 टीम के उप कप्तान थे। वह पूरी तरह से फिट हैं और तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए उपलब्ध हैं और उनके टीम का नेतृत्व करने की उम्मीद थी लेकिन इस बात की प्रबल संभावना है कि सूर्यकुमार यादव ना केवल श्रीलंका श्रृंखला के लिए बल्कि 2026 विश्व कप तक संभावित कप्तान होंगे। उन्होंने कहा, हार्दिक का एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से ब्रेक बेहद निजी कारणों से है। उसे कोई फिटनेस समस्या नहीं है जैसा कि मीडिया में सुझाव दिया जा रहा है। तैंतीस साल के सूर्यकुमार को भारतीय ड्रेसिंग रूम में सबसे लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। कोलकाता नाइट राइडर्स में गंभीर की कप्तानी में ही उन्होंने टी20 खिलाड़ी के रूप में अपनी पहचान बनाई और तत्कालीन कप्तान ने उन्हें स्काई उपनाम दिया।

कठिन पूल से चिंतित नही , पदक का रंग बदलने का यकीं : ललित उपाध्याय

बेंगलुरू। भारतीय हॉकी टीम को पेरिस ओलंपिक में पूल चरण में ही आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, अर्जेंटीना जैसे दिग्गजों का सामना करना है लेकिन अनुभवी फॉरवर्ड ललित उपाध्याय को यकीन है कि बेहतरीन तैयारियों और काशी विश्वनाथ के आशीर्वाद से टीम पदक का रंग बदलकर लौटेगी तोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे ललित ने रवानगी से पहले यहां भाषा को दिए इंटरव्यू में कहा , ओलंपिक में पूल में ध्यान देना बेमानी है क्योंकि सभी टीमें पूरी तैयारी से खेलना है। अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने आती हैं। हम मैच दर मैच रणनीति बनाएंगे और हर मैच में सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे। भारतीय टीम पेरिस ओलंपिक से पहले मानसिक दृढता के लिए स्विटजरलैंड के माइक हॉर्न्स बेस में तीन दिवसीय शिविर के बाद अब नीदरलैंड में अभ्यास मैच खेलेगी। भारत को पेरिस ओलंपिक में पूल बी के पहले मैच में 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से, 29 जुलाई को रियो ओलंपिक 2016 चैम्पियन अर्जेंटीना, 30 जुलाई को आयरलैंड, एक अगस्त को तोक्यो ओलंपिक चैम्पियन बेल्जियम और दो अगस्त को पूर्व चैम्पियन आस्ट्रेलिया से खेलना है। भारत के लिए 168 मैचों में 45 गोल कर चुके 30 वर्ष के इस फॉरवर्ड ने कहा , हमें पता है कि उम्मीदें बढी हुई हैं क्योंकि लंबे समय बाद हमने ओलंपिक पदक जीता था। हमें भी खुद से पूरी उम्मीद है कि पदक का रंग बदलेंगे। वाराणसी के रहने वाले इस खिलाड़ी ने कहा , हमने पिछले चार साल में फिटनेस पर भी काफी मेहनत की है जो मैदान पर नजर आ रही है।फिटनेस में हम दुनिया की शीर्ष टीमों के समकक्ष हैं। युवा खिलाड़ियों के साथ सीनियर्स की फिटनेस का स्तर भी जबर्दस्त है। तोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाली भारतीय टीम के 11 खिलाड़ी पेरिस में भी खेलेंगे जबकि पांच खिलाड़ियों का पहला ओलंपिक है। ललित ने हालांकि कहा कि युवा खिलाड़ी भी इतना खेल चुके हैं कि ओलंपिक का दबाव आसानी से झेल लेंगे। उन्होंने कहा , ए लड़के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं जहां ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का काफी दबाव होता है लिहाजा ओलंपिक का दबाव भी झेलने में सक्षम हैं। हम काफी समय से इनके साथ खेल रहे हैं और तालमेल अच्छा है। एक दूसरे से बात करते रहते हैं और अनुभव साझा करते हैं।

इंग्लैंड के मैनेजर के पद से इस्तीफा देंगे साउथगेट

लंदन। यूरो 2024 फाइनल में स्पेन से।-2 से मिली हार के बाद जेरेथ साउथगेट इंग्लैड फुटबॉल टीम के मैनेजर के पद से इस्तीफा देंगे। साउथगेट पिछले आठ साल से टीम के साथ है। उनका अनुबंध इस साल खत्म होने वाला है। उन्होने कहा , इंग्लैंड टीम के लिए खेलना और उसका मैनेजर रहना मेरे लिए गर्व की बात रही। यही मेरा सबकुछ है और मैने इसे अपना सर्वस्व दिया। लेकिन अब बदलाव का समय है , एक नए अध्याय का समय है। उनके मैनेजर रहते इंग्लैंड टीम लगातार दो बार यूरो फाइनल और 2018 विश्व कप सेमीफाइनल तक पहुंची। लेकिन वह 1966 के बाद बड़े खिताब के लिए तरस रहे इंग्लैड का इंतजार खत्म नही कर सके।

खेल मंत्री ने एआईएफएफ को मदद का आश्वासन दिया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मंगलवार को कहा कि खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने राष्ट्रीय संस्था को नीति के तहत हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।एआईएफएफ ने विज्ञप्ति मे कहा कि महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे, कार्यवाहक महासचिव एम सत्यनारायण और कोषाध्यक्ष किपा अजय ने सोमवार को मांडविया से मिलकर उनसे चार क्षेत्रों मे मदद करने का आग्रह किया था।

एमसीए अध्यक्ष पद के लिए संजय और अजिंक्य नाइक के बीच सीधा मुकाबला

मुंबई। कांग्रेस के नेता और पार्टी की मुंबई इकाई के अध्यक्ष भूषण पाटिल के हट जाने के बाद अब मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के अध्यक्ष पद के लिए संजय नाइक और अजिंक्य नाइक के बीच सीधा मुकाबला होगा।पहले पाटिल भी इस पद की दौड़ में बने हुए थे लेकिन उन्होंने मंगलवार को अपना नाम वापस ले लिया। एमसीए अध्यक्ष पद का चुनाव 23 जुलाई को होगा। संजय अभी एमसीए के उपाध्यक्ष और जबकि अजिंक्य सचिव है। एमसीए अध्यक्ष अमोल काले के पिछले महीने अमेरिका मे निधन के बाद यह पद खाली पड़ा हुआ है। वह टी20 विश्व कप मे भारत और पाकिस्तान का मैच देखने के लिए अमेरिका गए हुए थे।

रीयाल मैड्रिड से जुड़ने पर एमबाप्पे का भव्य स्वागत

मैड्रिड। स्टार फुटबॉलर काइलियान एमबाप्पे ने मंगलवार को खचाखच भरे सेंटियागो बर्नब्यु स्टेडियम मे अंततः रीयाल मैड्रिड की जर्सी पहनकर अपना बचपन का सपना पूरा किया।क्लब के सबसे नए खिलाड़ी को आधिकारिक रूप से पेश करने के लिए आयोजित समारोह के दौरान फ्रांस के 25 साल के स्टार के स्वागत के लिए बर्नब्यु स्टेडियम में लगभग 80 हजार प्रशंसक मौजूद थे।एमबाप्पे ने स्पेन की दिग्गज टीम के साथ पांच साल का करार किया है। फ्रांस का यह खिलाड़ी जब क्लब अध्यक्ष फ्लोरेंटिनो पेरेज के साथ स्टेडियम पहुंचा तो मैड्रिड के प्रशंसको ने उनकी खूब हौसला अफ्जाई की।

सकारात्मक पेरेंटिंग सत्र का आयोजन

लखनऊ । एशियन किड्स ठाकुरगंज में सकारात्मक पेरेंटिंग सत्र का आयोजन किया गया जिसमें मनोवैज्ञानिक डा रश्मि सोनी ने इस सत्र में आए सभी अभिभावकों को संबोधित किया और बताया कि आज के समय में कैसे बच्चों का ख्याल रखा जाए । बच्चों के अच्छे विकास के लिए उनके साथ वक्त बिताएं । बच्चों के लिए अच्छी नींद व खान पान बहुत जरूरी है , इसका ध्यान रखें । बच्चों की समस्याओं को समझे और उन्हें सुलझाने में उनकी मदद करें । सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम बच्चों को जैसा बनाना चाहते हैं हमें भी उनके समक्ष वैसा ही व्यवहार करना होगा ।

भाला फेंक खिलाड़ी जेना ने कहा, पिछले साल खेल छोड़ने के कगार पर था

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना ने कहा है कि वह लगातार खराब प्रदर्शन के बाद 2023 में खेल को छोड़ने की कगार पर थे लेकिन उन्होंने अपने पिता की सलाह मानी और अपने करियर में वापसी करने में सफल रहे। जेना ने स्वीकार किया कि तोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक ने उन्हें भाला फेंक में और अधिक हासिल करने के लिए प्रेरित किया था लेकिन वह प्रभावी प्रदर्शन करने में नाकाम रहे और पिछले साल जुलाई में विश्व चैंपियनशिप से पहले खेल को छोड़ने के बारे में सोचने लगे थे।

जेना ने जियो सिनेमा की विज्ञप्ति में कहा, जब नीरज ओलंपिक में जीता तो हमने जश्न मनाया और उसकी जीत का आनंद लिया। लेकिन ईमानदारी से कहूं तो उस जीत से मैं हताश भी था क्योंकि मैं भी उसी खेल का हिस्सा था। मैंने महसूस किया कि यह मेरे लिए भी है, मुझे कुछ हासिल करने का समय था। उन्होंने कहा, अपनी रैंकिंग में गिरावट के बाद मैंने लेबनान राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा लिया और वहां भाले को 78 मीटर की दूरी तक ही फेंक पाया। अपना सब कुछ झोंकने के बावजूद मैं काफी कुछ हासिल नहीं कर पाया। मुझे संदेह होने लगा कि क्या इतनी कड़ी मेहनत करने का कोई मतलब है। मैंने अपने पिता को फोन किया जिन्होंने मुझे श्रीलंका में अगली प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। जेना ने लेबनान में (21 जुलाई को) 78.96 मीटर के प्रयास से जीत हासिल की जो किसी भी मानक से मामूली प्रदर्शन था। जेना 2022 के अंत तक 80 मीटर के आंकड़े को पार नहीं कर पाए। उनका 80 मीटर से अधिक का पहला थ्रो मार्च 2023 में तिरुवनंतपुरम में इंडियन ग्रां प्री के दौरान आया जहां उन्होंने 81.05 मीटर की दूरी तय की। उन्होंने कहा, मैंने तय किया कि श्रीलंका में होने वाला टूर्नामेंट (30 जुलाई) मेरा आखिरी प्रयास होगा जिसके बाद मैं इसे छोड़ दूंगा और काम तथा परिवार को प्राथमिकता दूंगा। भगवान

मानसिक द्वंद से पार पाकर ओलंपिक में जगह बनाई मोदगिल ने

नई दिल्ली। पिछले साल एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह नही बनाने से निराश निशानेबाज अंजुम मोदगिल ने मानसिक द्वंद से पार पाकर पेरिस ओलंपिक में जगह बनाई।विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी मोदगिल ने विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलो मे पदक जीते है लेकिन तोक्यो ओलंपिक में वह अपेक्षित प्रदर्शन नही कर पाई थी। वह 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में 15वें और 10 मीटर एयर राइफल में 18वें स्थान पर रही थी। पेरिस ओलंपिक मे वह केवल 50 मीटर 3 पोजीशन मे भाग लेगी। मोदगिल ने स्वीकार किया कि विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलो के लिए भारतीय टीम मे नही चुने जाने के बाद उनकी आंखें खुल गई। इसके बाद उन्होंने अपनी मानसिक दृढ़ता और अभ्यास पर ध्यान दिया।उन्होंने पत्रकारों से वर्चुअल बातचीत करते हुए कहा, तोक्यो के बाद तीन साल मेरे लिए उतार-चढ़ाव वाले रहे। मैंने मुश्किल दौर देखा और मै मजबूत वापसी करना चाहती थी। तोक्यो का अनुभव निश्चित रूप से पेरिस मे काम आएगा। मोदगिल ने कहा, मैंने वास्तव मे कोटा और ट्रायल्स का फायदा उठाया।

नागल ने करियर की सर्वश्रेष्ठ 68वी रैंकिंग हासिल की

नई दिल्ली। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके सुमित नागल एटीपी टेनिस एकल रैंकिंग मे करियर के सर्वश्रेष्ठ 68वें स्थान पर पहुंच गए है। सोमवार को जारी नवीनतम एटीपी रैंकिंग मे 26 साल के नागल को पांच स्थान का फायदा हुआ है। उनकी पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 71 थी। नागल इस तरह दुनिया के 71वें नंबर के पूर्व खिलाड़ी शशि मेनन को पीछे छोड़कर 1973 से सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए। विजय अमृतराज (1980 मे 18वें स्थान पर), रमेश कृष्णन (1985 में 23वें स्थान पर) और सोमदेव देववर्मन (2011 मे 62वें स्थान पर) एटीपी सर्किट पर नागल से बेहतर रैंकिंग हासिल कर चुके है। पिछले कुछ समय मे प्रभावी नतीजो की बदौलत नागल की रैंकिंग मे सुधार हुआ है और साथ ही वह पेरिस ओलंपिक के एकल वर्ग मे क्वालीफाई करने मे भी सफल रहे।

नागल ने नॉर्डिया ओपन में जीत के साथ शुरुआत की

भाषा। बस्ताद (स्वीडन)

भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल आखिर में इलियास यमेर को हराने में सफल रहे। उन्होंने मंगलवार को यहां स्वीडन के इस खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराकर नॉर्डिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की।नागल ने इससे पहले यमेर के खिलाफ जो दो मैच खेले थे उसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि अपनी शानदार फार्म जारी रखते हुए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले स्थानीय खिलाड़ी को 6-4 6-3 से पराजित किया नागल पिछले साल स्लैट ओपन (क्रोएशिया) और 2019 में लियोन (फ्रांस) में यमेर से हार गए थे। एटीपी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 68वें स्थान पर पहुंचने वाले नागल का अगला मुकाबला अर्जेंटीना के विश्व में 36वें नंबर के खिलाड़ी मारियानो नवोन से होगा। नागल पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे इस बीच रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी एटीपी टूर प्रतियोगिता में पहली बार जोड़ी बनाकर खेलने के लिए तैयार हैं। यह दोनों खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के पुरुष युगल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।हैम्बर्ग ओपन में इस भारतीय जोड़ी का पहला मुकाबला बुधवार को मार्क वॉलनर और जैकब श्नाटर की जर्मन जोड़ी से होगा।

बावा का विश्व जूनियर स्क्वाश में पदक पक्का, अनाहत बाहर

नई दिल्ली। भारत के शौर्य बावा ने ह्यूस्टन में चल रही विश्व जूनियर स्क्वाश के सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्का कर लिया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के लो वा सर्न को 3-2 से हराया। दिल्ली के 18 वर्ष के बावा 2014 में कुश कुमार के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए। करीब 80 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में वह पांचवें गेम में 6-9 और 7-10 से पिछड़ रहे थे लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 2-11, 11-4, 10-12, 11 -8, 12-10 से जीत दर्ज की। अब उनका सामना मिस्र के शीर्ष वरीयता प्राप्त मोहम्मद जकारिया से होगा। वहीं अनाहत सिंह लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में लगातार तीसरे साल हारकर बाहर हो गई।

हरमनप्रीत टी20 रैंकिंग में 12वें व शेफाली 15वें स्थान पर

भाषा। दुबई

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर आईसीसी टी20 रैंकिंग में क्रमशः 12वें और 15वें स्थान पर पहुंच गई हैं। हरमनप्रीत तीन पायदान आगे बढ़ी हैं। उनके कुल 613 रेटिंग अंक हैं। शेफाली को दो स्थान का फायदा हुआ है। वह न्यूजीलैंड की अमेलिया केर और इंग्लैंड की डैनी वायट के साथ 15वें स्थान पर हैं। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं और वह भारतीय खिलाड़ियों में शीर्ष पर काबिज हैं गेंदबाजों की सूची में अनुभवी दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं। राधा यादव आठ पायदान चढ़कर 15वें, पूजा वस्त्राकर छह पायदान ऊपर 23वें और श्रेयंका पाटिल नौ पायदान ऊपर चढ़कर 60वें स्थान पर पहुंच गईं हैं। इंग्लैंड की स्पिनर सारा ग्लेन ने 768 अंकों के साथ अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के चार मैचों में आठ विकेट चटकाए हैं। वह पहले की तरह दूसरे स्थान पर बनी हुई हैं। उनकी साथी सोफी एक्लेस्टोन शीर्ष पर काबिज हैं।

यश अकादमी के पदक विजेता खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

लखनऊ। यश ताइक्वांडो अकादमी के प्रशिक्षुओं ने लखनऊ में हुई उत्तर प्रदेश राज्य ताइक्वांडो चैंपियनशिप. 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण, 5 रजत व 4 कांस्य पदक जीतते हुए जीते। इन पदक विजेताओं को गोमती नगर विस्तार स्थित राप्ती अपार्टमेंट में अकादमी परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राप्ती अपार्टमेंट वेलफेयर सोसाइटी के सचिव सुधीर कुमार पाण्डेय ने सम्मानित करते हुए आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। अकादमी के सचिव मुख्य प्रशिक्षक हिम प्रीत सिंह ने बताया कि स्वर्ण पदक विजेता अब आगामी राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

पैरा बैडमिंटन में लुकास ने किया क्वालीफाई

लखनऊ। 38वीं सन जूनियर एवं 53वीं जूनियर स्टेट तैराकी चैम्पियनशिपए लखनऊ के समापन समारोह के मुख्य अतिथि .सुहास एलवाईए आईएएस विशेष सचिव खेल व टोक्यो पैरालंपिक रजत पदक अर्जुन अवार्डी ने पुरस्कार दिए। पैरा बैडमिंटन में लुकास माजूद की जगह विश्व नंबर 1 रैंक सिंगल और मिक्स्ड डबल्स में पेरिस पैरालंपिक के लिए क्वालीफाई किया। साथ में हैं. राजा जय प्रताप सिंहए विधायक पूर्व स्वास्थ्य मंत्री यूपी सरकार अध्यक्ष यूपी स्विमिंग एसोसिएशन और कर्नल प्रभात रंजन चौथे दिन 7 नए मीट रिकॉर्ड बने। दिन घटना संख्या घटना लिंग समूह का नाम पुराना

रिकॉर्ड नया रिकॉर्ड एनआर 81 50 मीटर बटरफ्लाई पुरुष यशवंत सिंह , 50 मीटर बटरफ्लाई पुरुष कृष्णा यादव, 50 मीटर बटरफ्लाई महिला सांची तिवारी,50 मीटर बटरफ्लाई पुरुष चतुर्थ मानस सिंह , 50 मीटर बटरफ्लाई महिला आरोही ,200 मीटर फ्री स्टाइल अविनाश निषाद 200 मीटर फ्री स्टाइल महिला तृतीय श्रीजा सिंह ने मारी बाजी।

केडी सिंह बाबू मेमोरियल सोसायटी द्वारा आयोजित समर कैंप का हुआ समापन

लखनऊ। हॉकी की उभरती पौध के निखार के लिए चंद्रभानु गुप्त खेल मैदान ;नेशनल कॉलेज ग्राउंडद्ध पर आयोजित समर कैंप का समापन मंगलवार को किया गया।केडी सिंह बाबू मेमोरियल सोसायटी द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित 45 दिवसीय समर कैंप में ओलंपियन सुजीत कुमार की देख.रेख में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया गया।मंगलवार को कैंप के समापन समारोह में मुख्य अतिथि इंजीण्योगेश कुमार ;निदेशक.कामर्शियलए मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड एवं आजीवन अध्यक्ष कराटे एसोसिएशन ऑफ यूपीद्ध ने पुरसकार वितरित किए।इस अवसर पर 60 इंजीनियर्स रूड़की यूनिट व सोसायटी के प्रशिक्षुओं के बीच एक मैत्री मैच खेला गया। इसके बाद यूनिट की ओर से चुनिंदा 32 बच्चों को खिलाड़ियो को किट मुख्य अतिथि इंजीण्योगेश कुमार व यूनिट हेड सूबेदार संतोष ने वितरित कर सम्मानित किया। इस अवसर पर इंजीण्योगेश कुमार ने केडी सिंह बाबू सोसायटी की आजीवन सदस्ता ग्रहण की।इस अवसर पर ओलंपियन सैयद अली व सुजीत कुमारए इमरानुल हकएमएस बोराए अविनाश श्रीवास्तवए खुर्शीद अहमदए इमरानुल हकए मुकुल लाल साह व अन्य मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर सके मेस्सी, छठा विश्व कप खेलने को लेकर संशय

ब्यूनस आयर्स। अपने कैरियर मे पहली बार फुलटाइम से पहले कोपा अमेरिका फाइनल से चोट के कारण बाहर हुए लियोनेल मेस्सी अपने आंसुओ पर काबू नही रख सके और अपने आखिरी किले मे से एक फतेह करने के बावजूद वह फिटनेस टेस्ट पास नही कर पाए। मेस्सी को पैर की चोट के कारण कोलंबिया के खिलाफ फाइनल मैच से 64वें मिनट मे बाहर जाना पड़ा। अर्जेंटीना ने लगातार दूसरी बार कोपा अमेरिका खिताब जीता। मेस्सी के फिटनेस टेस्ट मे नाकाम रहने के कारण 2026 विश्व कप मे उनकी भागीदारी को लेकर भी अनिश्चितता की स्थिति है। सैतीस वर्ष के मेस्सी चोट के कारण पिछले साल इंटर मियामी और अर्जेंटीना के काफी मैचो से बाहर रहे थे। कोपा अमेरिका मे भी कई ग्रुप मैचो से उन्हे बाहर रहना पड़ा। इक्वाडोर के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में वह पेनल्टी चूके। उन्होने एकमात्र गोल कनाडा के खिलाफ सेमीफाइनल में किया। मेस्सी ने मैच के बाद मीडिया से बात नही की और ना ही उनकी टीम ने चोट की गंभीरता के बारे में बताया। अर्जेंटीना के 35 पार के धुरंधर एंजेल डि मारिया (36) और निकोलस ओटामेंडी (36) के अलावा स्थानापन्न गोलकीपर फ्रेंको अरमानी (37) का यह आखिरी टूर्नामेंट था। अब अर्जेंटीना को सितंबर मे चिली और कोलंबिया के खिलाफ विश्व कप क्वालीफाइंग मैच खेलने है।

कोपा अमेरिका फाइनल में भगदड़ में कोलंबिया फुटबॉल संघ के अध्यक्ष समेत 27 गिरफ्तार

मियामी गार्डन्स। कोलंबिया फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष और उनके बेटे समेत 27 लोगो को अर्जेटीना और कोलंबिया के बीच कोपा अमेरिका फाइनल मे दर्शको की भीड़ पर नियंत्रण की कोशिशो मे गिरफ्तार किया गया।स्थानीय पुलिस अधिकारी आंद्रे मार्टिन ने बताया कि हार्ड रॉक स्टेडियम पर हुए फाइनल के दौरान दर्शको के उपद्रव पर काबू पाने की कोशिशो मे रेमन जेसुरन और उनके बेटे रेमन जमील जेसुरन को भी हिरासत मे लिया गया। दोनो ने सुरक्षाकर्मियो से झगड़ा किया और एक अधिकारी पर हमला भी किया। दोनो ने एक सुरंग के रास्ते मैदान पर जाने की कोशिश की जहा मैच के बाद मीडिया जमा था। उन्हे सुरक्षाकर्मियो ने रोकने की कोशिश की तो उन्होने हाथापाई की और सुरक्षागार्ड को घूंसे भी मारे। कोलंबिया फुटबॉल महासंघ ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नही दी है। रेमन 2015 से कोलंबिया फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष है और कोपा अमेरिका टूर्नामेंट कराने वाले दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल महासंघ के उपाध्यक्ष भी है। संगठन ने सोमवार को जारी बयान मे कहा कि अनगिनत दर्शक बिना टिकट मैदान मे घुस गए और टूर्नामेंट की छवि खराब की जिसका उसे खेद है। इस वजह से खेल भी एक घंटे से अधिक देरी से शुरू हुआ।

वेविन ने रोहित शर्मा को बनाया ब्रांड एम्बेसडर

लखनऊ। ऑर्बिया बिजनेस एवं इनोवेटिव पाईपिंग समाधानों और एडवांस्ड वॉटर मैनेजमेंट सिस्टम्स में ग्लोबल लीडर, वेविन ने भारत के लिए रोहित शर्मा को अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाया है, जिन्होंने हाल ही में देश को टी20 वर्ल्ड कप दिलाया। 60 सालों से ज्यादा समय के अनुभव के साथ वेविन उसी प्रकार परफॉर्मेंस और ड्यूरेबिलिटी के मानक स्थापित करता है, जैसे भारत के कप्तान और हिटमैन रोहित शर्मा करते हैं। वेविन पाईपिंग और वाटर स्टोरेज/मैनेजमेंट के विस्तृत समाधान प्रदान करता है। यह पिछले कुछ सालों से भारत में अपना काफी विस्तार कर चुका है। इसने विकसित होते देश की जरूरतों को पूरा करते हुए उद्योग के लिए मानक स्थापित कर दिए हैं। भारत में कंपनी दो ब्रांड्स, वेविन और वेक्टस पाईप्स का संचालन करती है और अपने अंतर्राष्ट्रीय स्तर के उत्पादों द्वारा देश में ड्रेनेज और प्लम्बिंग की समस्याओं का समाधान करती है। कंपनी के पास शोध एवं विकास का दशकों पुराना इतिहास है। रोहित शर्मा और वेविन के बीच गठबंधन देश की जनता के साथ अपना जुड़ाव बढ़ाने के कंपनी के उद्देश्य के अनुरूप है, साथ ही, कंपनी रोहित शर्मा के करियर और छवि का प्रदर्शन करने वाली उत्कृष्टता की ओर अपनी प्रतिबद्धता को उजागर करना चाहती है। ऑर्बिया इंडिया के प्रेसिडेंट, रणधीर चौहान ने कहा कि सालों से वेविन भारत के विभिन्न शहरों और समुदायों में उच्च गुणवत्ता के प्लम्बिंग और ड्रेनेज सिस्टम उपलब्ध कराते हुए विकसित होते देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए समर्पित है। हमें अब रोहित शर्मा को अपनी कंपनी का चेहरा बनाने की खुशी है। उन्हें अपने बेहतरीन प्रदर्शन के लिए देश के लाखों लोग प्यार करते हैं। इस गठबंधन के लिए उत्साहित, रोहित शर्मा ने कहा, ''मुझे वेविन के साथ गठबंधन करने की खुशी है। इस ब्रांड ने उच्च गुणवत्ता के इनोवेटिव उत्पाद प्रदान करने में काफी प्रगति की है। मैं इस साझेदारी के लिए आशान्वित हूँ और हम मिलकर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करेंगे।''

ओलंपिक में लक्ष्य को मिला अच्छा ड्रॉ, खुलकर खेलेगा : कोच विमल कुमार

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन के कोच विमल कुमार का मानना है कि उसे अपने पहले ओलंपिक मे अच्छा ड्रॉ मिला है जिसमे अंडरडॉग होने के कारण वह खुलकर खेल सकेगा। दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य को ओलंपिक पदक जीतने के लिए इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी, पिछले ओलंपिक मे सेमीफाइनल खेलने वाले ग्वाटेमाला के केविन कोर्डोन और बेल्जियम के जूलियन कारागी जैसे दिग्गजो से ग्रुप एल मे पार पाना होगा। भारत के पूर्व कोच विमल ने फ्रांस के मार्सेले से पीटीआई से कहा , मुझे लगता है कि ड्रॉ अच्छा है। उन्होने कहा , वह कई बार जोनाथन क्रिस्टी से करीबी मुकाबले हार चुका है। यह बराबरी का मामला है। दूसरे चरण मे जाने के लिए मौको को भुनाना होगा। मेरे हिसाब से लक्ष्य के पास खोने के लिए कुछ नही है। वह अंडरडॉग रहेगा जिससे खुलकर खेल सकेगा। लक्ष्य को बड़े मैचो का खिलाड़ी बताते हुए विमल ने कहा कि उन्हे उम्मीद है कि वह एशियाई खेलो के पूर्व चैम्पियन क्रिस्टी को हरा सकेगा। ओलंपिक मे भारत के लिए साइना नेहवाल (2012 मे कांस्य) और पी वी सिंधू (2016 मे रजत और 2020 मे कांस्य) पदक जीत चुकी है।

बालाजी काफी आक्रामक खिलाड़ी, उन्हें हलके में नही ले सकते : बोपन्ना

नई दिल्ली। उम्र के साथ निखरते जा रहे रोहन बोपन्ना अपने आखिरी ओलंपिक मे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए बेताब है। मजबूत जोड़ीदार नही मिलने को लेकर शिकायत करना उनके स्वभाव मे नही है। भारत के इस अनुभवी टेनिस खिलाड़ी ने कहा कि पेरिस ओलंपिक मे उनके जोड़ीदार एन श्रीराम बालाजी काफी आक्रामक खिलाड़ी है और बड़े मैचो का दबाव झेलने मे सक्षम भी। बोपन्ना अगर विश्व युगल रैंकिंग मे शीर्ष दस से बाहर होते तो भारत का कोई खिलाड़ी 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक मे इस वर्ग मे नही होता। 44 वर्ष के बोपन्ना को बालाजी और युकी भांबरी मे से चुनना था और अपने कोच स्कॉट डेविडॉफ और बालाचंद्रन मणिकांत से मशविरे के बाद उन्होने बालाजी को चुना। बोपन्ना ने पीटीआई को दिए इंटरव्यू मे कहा , मेरा मानना है कि हमारे पास हर मैच जीतने का मौका है। हम सिर्फ भागीदारी के लिए नही जा रहे। उन्होंने कहा , हम पूरी तैयारी के साथ जाएंगे। एक टीम के रूप में हमारा वही मकसद है। बाला काफी आक्रामक खिलाड़ी है। उन्होने कहा , हम क्ले कोर्ट पर खेल रहे है और उस पर बालाजी बेहतर जोड़ीदार साबित होगा। फिलहाल मै मैथ्यू एबडेन के साथ खेलता हूं जो क्ले पर अधिक फुर्तीला और आक्रामक है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड,ए-8, सेक्टर-7, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा (उ.प्र.)-201301, दूरभाष-01202470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।